@Qpatrika
@qaumipatrika hindi
instagram.com/ qaumipatrika

कौमी पत्रिका
राष्ट्रीय दैनिक अखबार

दिल्ली-हरियाणा-पंजाब-चण्डीगढ़-उत्तर प्रदेश से प्रसारित
रविवार, 5 जुलाई 2026

VISIT:
www.qaumipatrika.in
Email: qpatrika@gmail.com

R.N.I. No. UP-HIN/2007/21472 सम्पादक - गुरचरन सिंह बब्बर वर्ष 19 अंक 241 qaumipatrikahindi 011-41509689, 23315814, 9312262300 गाजियाबाद संवत् 2077-78, पेज (12) मूल्य 3.00 रुपये (हवाई शुल्क 50 पैसे अतिरिक्त)

पीएम मोदी की राजस्थान को बड़ी सौगात

1.06 लाख करोड़ की विकास परियोजनाओं का शुभारंभ

प्रधानमंत्री ने जोधपुर एयरपोर्ट के नए टर्मिनल भवन का किया उद्घाटन

480 करोड़ की लागत से विकसित नया टर्मिनल 23 हजार वर्गमीटर में फैला है

जोधपुर। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने शनिवार को जोधपुर एयरपोर्ट के नए टर्मिनल भवन का उद्घाटन किया। इस अवसर पर उन्होंने संशोधित उड़ान योजना का भी शुभारंभ किया। 480 करोड़ रुपए की लागत से विकसित जोधपुर एयरपोर्ट का नया टर्मिनल 23 हजार वर्ग मीटर से अधिक क्षेत्र में फैला है तथा इसकी प्रतिवर्ष यात्री क्षमता 20 लाख है। राजस्थान की समृद्ध विरासत से प्रेरित वास्तुकला से निर्मित यह टर्मिनल भवन अत्याधुनिक यात्री सुविधाओं से सुसज्जित है। साथ ही, ऊर्जा दक्षता, जल संरक्षण और हरित भवन निर्माण पद्धतियों जैसी विशेषताओं के साथ सतत विकास टर्मिनल के डिजाइन के अभिन्न अंग हैं। नए टर्मिनल भवन के उद्घाटन से बेहतर एयर कनेक्टिविटी के साथ पश्चिमी राजस्थान में पर्यटन, व्यापार और रोजगार के अवसरों में वृद्धि होगी।

एजेंसी

बालोतरा । प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी राजस्थान के बालोतरा में पेट्रोकेमिकल्स, शहरी परिवहन, रेलवे, सड़कों, रिन्यूएबल एनर्जी और बिजली जैसे कई सेक्टरों से जुड़ी लगभग 1.06 लाख करोड़ रुपये की विकास परियोजनाओं का शिलान्यास और उद्घाटन किया। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने शनिवार को बालोतरा के पचपदरा में भारत के पहले ग्रीनफील्ड एकीकृत रिफाइनरी-सह-पेट्रोकेमिकल परिसर को राष्ट्र को समर्पित किया, जो देश के ऊर्जा और पेट्रोकेमिकल क्षेत्र में एक ऐतिहासिक उपलब्धि का प्रतीक है। इस दौरान, पीएम मोदी ने वर्चुअल तरीके से जयपुर मेट्रो फेज-2 प्रोजेक्ट की आधारशिला रखी। प्रधानमंत्री मोदी दोपहर करीब 12 बजे पचपदरा पहुंचे, जहां उन्होंने रिफाइनरी के अत्याधुनिक कंट्रोल रूम का निरीक्षण किया और कच्चे तेल को रिफाइन करने की प्रक्रिया को समझने के लिए इंजीनियरों और तकनीकी विशेषज्ञों से बातचीत की। रिफाइनरी को देश को समर्पित करने से पहले उन्होंने प्रोजेक्ट के विकास को दिखाने वाली एक डॉक्यूमेंट्री भी देखी और रिफाइनरी परिसर में एक पौधा लगाया।

मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा, केंद्रीय पेट्रोलियम और प्राकृतिक गैस मंत्री हरदीप सिंह पुरी और वरिष्ठ अधिकारियों के साथ प्रधानमंत्री ने रिफाइनरी कॉम्प्लेक्स में लगभग दो घंटे बिताए। पचपदरा के कार्यक्रम में मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने प्रधानमंत्री का स्वागत किया और सम्मान के तौर पर सजावटी 'झरोखा' भेंट किया।रिफाइनरी परिसर के अंदर विशेष रूप से बनाए गए गुंबद में एक जनसभा आयोजित की गई, जिसमें लगभग 5,000 लोगों के बैठने की व्यवस्था थी। इस कार्यक्रम में शामिल होने के लिए बड़ी संख्या में भाजपा कार्यकर्ता, स्थानीय निवासी, युवा और महिलाएं जमा हुए। हिंदुस्तान पेट्रोलियम कॉर्पोरेशन लिमिटेड (एचपीसीएल) और राजस्थान सरकार के संयुक्त उद्यम के रूप में विकसित 9 मिलियन मीट्रिक टन प्रति वर्ष (एमएमटीपीए) की क्षमता वाले इस ग्रीनफील्ड रिफाइनरी-सह-पेट्रोकेमिकल कॉम्प्लेक्स की स्थापना 79,450 करोड़ रुपए से अधिक के निवेश से की गई है।

इस अत्याधुनिक परिसर में शोधन और पेट्रोकेमिकल उत्पादन की सुविधाओं को एकीकृत किया गया है, जिसकी पेट्रोकेमिकल क्षमता 2.4 मिलियन मीट्रिक टन प्रति वर्ष है। इस रिफाइनरी का नेल्सन कॉम्प्लेक्सिटी इंडेक्स 17.0 है और पेट्रोकेमिकल उत्पादन 26 प्रतिशत से अधिक है, जो दक्षता और स्थिरता के वैश्विक मानकों के अनुरूप है।

कार्यक्रम के दौरान प्रधानमंत्री मोदी ने वर्चुअल तरीके से जयपुर मेट्रो रेल परियोजना के दूसरे चरण की आधारशिला रखी, जिसकी कुल लागत 13,000 करोड़ रुपए से अधिक है।

लखनऊ में भाजपा अध्यक्ष नितिन नवीन का शक्ति प्रदर्शन

रोड शो में उमड़ा जनसैलाब

एजेंसी

लखनऊ । भारतीय जनता पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष नितिन नवीन ने शनिवार को अपने पहले उत्तर प्रदेश दौरे की शुरुआत राजधानी लखनऊ में भव्य रोड शो के साथ की। एयरपोर्ट से भाजपा प्रदेश मुख्यालय तक करीब 18 किलोमीटर लंबे रोड शो में कार्यकर्ताओं का उत्साह चरम पर दिखा। जगह-जगह पुष्पवर्षा और स्वागत कार्यक्रमों के बीच भाजपा ने आगामी विधानसभा चुनाव से पहले संगठन की ताकत का प्रदर्शन किया।

जयशंकर ने अमेरिका के 250वें स्वतंत्रता दिवस पर दी बधाई

नई दिल्ली। विदेश मंत्री डॉ. एस जयशंकर ने अमेरिका के 250वें स्वतंत्रता दिवस के अवसर पर वहां की सरकार और जनता को शुभकामनाएं दी हैं। उन्होंने भारत और अमेरिका के बीच व्यापक वैश्विक रणनीतिक साझेदारी को और आगे बढ़ाने की उम्मीद भी जताई। जयशंकर ने सोशल मीडिया प्लेटफार्म एक्स पर लिखा कि अमेरिका के 250वें स्वतंत्रता दिवस पर मार्को रुबियो, अमेरिका की सरकार और वहां के लोगों को शुभकामनाएं। उन्होंने कहा कि वह भारत-अमेरिका व्यापक वैश्विक रणनीतिक साझेदारी को आगे बढ़ाने के लिए मिलकर काम करने को लेकर उत्सुक हैं।

दिल्ली में मतदाता सूची के विशेष गहन पुनरीक्षण अभियान को मिली रफ्तार, 32.08त्न गणना प्रपत्र वितरित

कौमी पत्रिका

नई दिल्ली, 4 जुलाई। मुख्य निर्वाचन अधिकारी (CEO), दिल्ली द्वारा चलाए जा रहे स्पेशल इंटेंसिव रिवीजन (SIR) फेज-III के तहत मतदाता सूची के विशेष गहन पुनरीक्षण अभियान में तेजी आई है। 30 जून से 29 जुलाई 2026 तक चलने वाले गणना (Enumeration) चरण के तहत 4 जुलाई 2026, रात 8 बजे तक की स्थिति रिपोर्ट जारी की गई। रिपोर्ट के अनुसार, दिल्ली में कुल

S. No.	District Name	Total Electors	Enumeration Forms Distributed	Enumeration Forms Distributed %	Enumeration Forms Digitized	Enumeration Forms Digitized %
1	South East	1557289	404847	26.00	10213	0.66
2	Old Delhi	596699	225103	37.72	3517	0.59
3	North	973957	404409	41.52	9435	0.97
4	New Delhi	154192	65494	42.48	1229	0.80
5	Central	697733	187335	26.85	3851	0.55
6	Central North	815928	260897	31.98	11532	1.41
7	South West	1329749	395798	29.76	25464	1.91
8	Outer North	832510	270449	32.49	18677	2.24
9	North West	1277126	507830	39.76	10348	0.81
10	North East	1870748	627538	33.54	10586	0.57
11	East	1603359	436906	27.25	8402	0.52
12	South	1345000	408920	30.40	12715	0.95
13	West	1456008	459463	31.56	20469	1.41
Grand Total		14510298	4654989	32.08	146438	1.01

1,45,10,298 मतदाता हैं। इनमें से अब तक 46,54,989 गणना प्रपत्र वितरित किए जा चुके हैं, जो कुल मतदाताओं का 32.08% है। वहीं 1,46,438 प्रपत्रों का डिजिटलीकरण किया जा चुका है, जो कुल मतदाताओं का 1.01त्न है। जिला स्तर पर नई दिल्ली में गणना प्रपत्र वितरण सबसे अधिक 42.48% रहा, जबकि उत्तर जिला में 41.52% और उत्तर-पश्चिम जिला में 39.76% वितरण दर्ज किया गया। दूसरी ओर, दक्षिण-पश्चिम जिला में डिजिटलीकरण का प्रतिशत 1.91% तथा बाहरी उत्तर जिला में 2.24% के साथ सबसे बेहतर प्रगति दर्ज की गई। मुख्य निर्वाचन अधिकारी ने नागरिकों से अपील की है कि वे गणना प्रपत्र भरकर समय पर जमा करें, ताकि कोई भी पात्र मतदाता सूची से वंचित न रहे और कोई अपात्र व्यक्ति मतदाता सूची में शामिल न हो। यह अभियान 29 जुलाई 2026 तक जारी रहेगा।

'12 सालों में सबसे परिवर्तनकारी काल का साक्षी बना भारत'

पीएम मोदी के नेतृत्व में बदली सोचः रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह

'मेक इन इंडिया' आज सफलता के नए कीर्तिमान बना रहा है।

एजेंसी

नई दिल्ली । रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने शनिवार को कहा कि पिछले 12 सालों में भारत सबसे परिवर्तनकारी काल का साक्षी बना है। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में भारत ने अपनी सोच बदली है। जब भारत की मानसिकता बदली, तो दुनिया ने भी भारत को देखने का अपना नजरिया बदल दिया है। राजनाथ सिंह ने शनिवार को 'एनबीटी उत्सव 2026' में हिस्सा लिया। उन्होंने कार्यक्रम को संबोधित करते हुए कहा, 'आज यह नहीं पूछा जाता कि 'क्या भारत यह कर सकता है?' अब पूछा जाता है कि 'भारत कब तक यह कर लेगा'।' रक्षा मंत्री

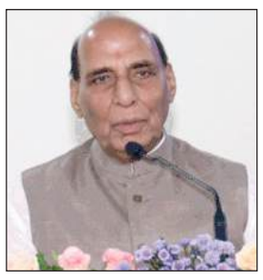

ने बताया कि 2021 में सरकार ने भारत सेमीकंडक्टर मिशन की शुरुआत की। उस समय बड़े-बड़े विशेषज्ञों के विश्लेषण छपे और बताया गया कि भारत सेमीकंडक्टर चिप नहीं बना सकता है। लेकिन हम अपने संकल्प से पीछे नहीं हटे। हमने पूरे देश में प्लग-एंड-प्ले इंफ्रास्ट्रक्चर मॉडल के आधार पर सेमीकंडक्टर पार्क बनाए और पिछले साल हमने 'मेड इन इंडिया सेमीकंडक्टर चिप' बनाने में सफलता हासिल कर ली है।

उन्होंने कहा कि 2014 में जब सरकार ने 'मेक इन इंडिया' की शुरुआत की तो विपक्ष ने इस पर भी सवाल उठाए। उन्होंने इसे 'फेलियर' तक कह दिया। लेकिन 'मेक इन इंडिया' आज सफलता के नए कीर्तिमान बना रहा है। रक्षा मंत्री ने बताया कि मोबाइल मैनुफैक्चरिंग पहले केवल 18000 करोड़ रुपए की वैल्यू की थी, जो आज 28 गुना बढ़कर 5.5 लाख करोड़ रुपए हो गई है। मोबाइल एक्सपोर्ट्स तो पहले नाम मात्र का था, जो करीब 163 गुना बढ़कर 2.6 लाख करोड़ तक पहुंच गया है। राजनाथ सिंह ने बताया कि 2014 तक भारत 50 हजार करोड़ रुपए के आसपास के ऑटोमोबाइल एक्सपोर्ट करता था। आज भारत एक साल में एक लाख बीस हजार करोड़ रुपए के ऑटोमोबाइल एक्सपोर्ट कर रहा है। भारत ने सौ से अधिक देशों को इलेक्ट्रिक व्हीकल का एक्सपोर्ट शुरू किया है। आज भारत उन चुनिंदा देशों में शामिल हो गया है जिन्होंने स्वदेशी 'हाई हॉर्सपावर लोकोमोटिव' बनाया है। इतना ही नहीं, पहली बार दुनिया में इस इंजन को ब्रॉड-गेज ट्रैक पर सफलतापूर्वक संचालित करने का कीर्तिमान भी भारत ने स्थापित किया है।

संकट के समय दिखा भारत की डिप्लोमेसी का जलवा, 40 से ज्यादा देशों से आया ईंधन : पीएम मोदी

एजेंसी

जयपुर । प्रधानमंत्री मोदी ने पश्चिमी एशिया युद्ध से पैदा हुए ऊर्जा संकट का जिक्र करते हुए कहा कि इसी समय में भारत की दूसरे देशों के साथ दोस्ती बहुत काम आई। प्रधानमंत्री मोदी ने पचपदरा में आयोजित कार्यक्रम को संबोधित करते हुए कहा, 'पश्चिमी एशिया में युद्ध के कारण पूरी दुनिया में हाहाकार मचा है। इस युद्ध ने 21वीं सदी के सबसे बड़े ऊर्जा संकट को जन्म दिया है। हालांकि, सही फैसले, सटीक आकलन, प्रभावी रणनीति और कूटनीतिक शक्ति का सकारात्मक इस्तेमाल करके भारत संकट से उबर पाया है।' अपने संबोधन में पीएम मोदी ने कहा कि युद्ध के समय में भारत की दूसरे देशों के साथ दोस्ती बहुत काम आई। उन्होंने कहा, 'जब ये संकट शुरू हुआ था, उससे पहले भारत 25-26 देशों से ईंधन का आयात करता था, लेकिन संकट के समय भारत की डिप्लोमेसी का जलवा दिख गया। दूसरे देशों के साथ हमारे अच्छे संबंध इस संकट की घड़ी में बहुत काम आए। ' उन्होंने कहा कि युद्ध के दौरान ही भारत 40 से ज्यादा देशों से ईंधन मंगाने लगा। भारत ने दुनिया को स्पष्ट संदेश दिया कि हमारे लिए राष्ट्रहित और राष्ट्र के नागरिकों का हित सर्वोपरि है। इसी बीच, प्रधानमंत्री मोदी ने विपक्ष पर ईंधन संकट के बीच अफवाह फैलाने और राजनीतिक खेल खेलने के आरोप लगाए। विपक्ष पर इशारों-इशारों पर निशाना साधते हुए पीएम ने कहा, 'बहुत अफवाएं फैलाई गईं, लोगों को डराया गया, भड़काया गया, राजनीति के खेल खेले गए। लेकिन जिनके इरादे गलत थे, वो सफल नहीं हो पाए। दूर-सुदूर इलाकों में भी छोटी मोटी अड़चनों के अलावा ईंधन सप्लाई में कोई बड़ी चुनौती नहीं आई। '

राम मंदिर चढ़ावा चोरी मामले के दोषियों पर हो कड़ी कार्रवाईः आलोक कुमार

'संगठन किसी भी व्यक्ति को बचाने के पक्ष में नहीं है'

एजेंसी

नई दिल्ली। विश्व हिंदू परिषद (विहिप) के अंतरराष्ट्रीय अध्यक्ष आलोक कुमार ने कहा है कि अयोध्या के राम जन्मभूमि मंदिर में चढ़ावा चोरी मामले की निष्पक्ष जांच कराकर दोषियों पर कड़ी कार्रवाई की जानी चाहिए। आलोक कुमार ने

बातचीत में कहा कि इस घटना ने पूरे हिंदू समाज को गहरा आघात पहुंचाया है और संगठन शुरू से ही निष्पक्ष जांच तथा दोषियों के विरुद्ध कठोर कार्रवाई की मांग करता रहा है। उन्होंने स्पष्ट किया कि घटना की जानकारी मिलते ही संगठन ने एफआईआर दर्ज करने, अनुभवी अधिकारियों से जांच कराने और मामले की सुनवाई फास्ट ट्रैक कोर्ट में कराने की मांग की थी, ताकि जल्द से जल्द सच्चाई सामने आ सके।

चंपत राय, अनिल मिश्रा और गोपाल राव को बचाने के आरोपों पर विहिप अध्यक्ष ने स्पष्ट किया कि संगठन किसी भी व्यक्ति को बचाने के पक्ष में नहीं है। उनका कहना था कि जिन-जिन लोगों पर आरोप लगे हैं, उन सभी की निष्पक्ष जांच होनी चाहिए और यदि किसी ने संज्ञेय अपराध किया है तो कानून के अनुसार उसके खिलाफ कार्रवाई होनी चाहिए।

राम मंदिर से चढ़ावा नहीं, करोड़ों आस्थावानों की श्रद्धा की लूट हुईः सुधाकर सिंह

एजेंसी

पटना । राष्ट्रीय जनता दल (राजद) सांसद सुधाकर सिंह ने राम मंदिर के चढ़ावा चोरी मामले में कांग्रेस के वरिष्ठ नेता दिग्विजय सिंह की ओर से सवाल उठाए जाने पर कहा कि मंदिर से सिर्फ चढ़ावा चोरी ही नहीं हुआ है, बल्कि करोड़ों आस्थावानों की श्रद्धा की लूट हुई है। पटना में बातचीत में राजद सांसद ने कहा कि मैं धार्मिक मामलों का विशेषज्ञ नहीं हूं, लेकिन कई पुजारियों और धर्मगुरुओं से सुना है कि प्राण-प्रतिष्ठा के दौरान रीति-रिवाजों और प्रक्रियाओं का ठीक से पालन नहीं किया गया। कई शंकराचार्यों ने भी ऐसा कहा है। अनुष्ठान ठीक से नहीं हुआ है, इसीलिए प्रकृति नाराज है। आए दिन घटनाएं हो रही हैं। किसी से अब नहीं छिपा है कि मंदिर में पैसों की लूट हुई है। लोगों का विश्वास टूटा है।

केंद्र सरकार ने 17 पाकिस्तानियों समेत 23 और दहशतगर्दों को घोषित किया आतंकवादी

यूएपीए की चौथी अनुसूची में नामित आतंकवादियों की संख्या बढ़कर 80 हो गई है।

एजेंसी

नई दिल्ली। आतंकवाद के खिलाफ मोदी सरकार की 'जीरो टॉलरेंस' नीति के तहत गृह मंत्रालय ने 23 और दहशतगर्दों को गैरकानूनी गतिविधियां रोकथाम अधिनियम-1967 (यूएपीए) के तहत आतंकवादी घोषित किया है। इस कार्रवाई के बाद यूएपीए की चौथी अनुसूची में नामित आतंकवादियों की संख्या बढ़कर 80 हो गई है। घोषित 23 आतंकवादियों में 17 पाकिस्तानी और छह भारतीय नागरिक हैं।

गृह मंत्रालय ने कहा कि इन आतंकवादियों को औपचारिक रूप से नामित किए जाने से उनके वित्तीय नेटवर्क, आवाजाही, भर्ती क्षमता और आतंकवादी गतिविधियों पर अंकुश लगाने में मदद मिलेगी तथा राष्ट्रीय एवं अंतरराष्ट्रीय स्तर पर उनके खिलाफ कानूनी कार्रवाई को और मजबूती मिलेगी। केंद्रीय गृहमंत्री अमित शाह ने सोशल मीडिया मंच एक्स पर कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के आतंकवाद के प्रति 'जीरो टॉलरेंस' के दृष्टिकोण को आगे बढ़ाते हुए प्रतिबंधित संगठनों से जुड़े 23 खूंखार आतंकवादियों को यूएपीए के तहत आतंकवादी घोषित किया गया है। उन्होंने कहा कि ये आतंकवादी भारत विरोधी गतिविधियों, आतंकी हमलों, हथियारों की तस्करी, सीमा पार घुसपैठ, आतंकवादी संगठनों की मदद, धन जुटाने और

आतंकवादियों की भर्ती में शामिल रहे हैं। शाह ने कहा कि मोदी सरकार भारत और उसके नागरिकों की सुरक्षा के लिए हर आतंकी मॉड्यूल को समाप्त करने के लिए प्रतिबद्ध है। मंत्रालय के अनुसार घोषित 23 आतंकवादियों में 17 पाकिस्तानी और छह भारतीय नागरिक हैं। सभी वर्तमान में पाकिस्तान अथवा पाकिस्तान के कब्जे वाले जम्मू-कश्मीर (पीओके) से भारत विरोधी आतंकी गतिविधियों का संचालन कर रहे हैं। पाकिस्तानी आतंकवादियों में जैश-ए-मोहम्मद (जेईएम) से जुड़े मसूद इलियास कश्मीरी, मोहम्मद मुसादिक, मुफ्ती मोहम्मद असगर खान, हाफिज अब्दुल शकूर, अब्दुल्ला जिहादी, गुलाम फरीद, अशफाक अहमद, मौलाना इमदाद उल्लाह मक्की और वसीम नूर जाट शामिल हैं। इसके अलावा अब्दुल रऊफ, हाफिज खालिद वालीद, मौलाना सैफुल्लाह खालिद, मोहम्मद याकूब, मौलाना यूसुफ ताईबी, कारी याकूब शेख, राणा इफ्तिखार और मोहम्मद शहीद फैसल लश्कर-ए-तैयबा (एलईटी), जमात-उद-दावा (जेयूडी), फलाह-ए-इंसानियत फाउंडेशन (एफआईएफ), पाकिस्तान मरकजी मुस्लिम लीग (पीएमएमएल), अल-कायदा और आईएसआईएस जैसे संगठनों से जुड़े बताए गए हैं।

महाराष्ट्र के भिवंडी में 3 फीट पानी भरा, दुकानें बंदः गुजरात में बाढ़

9 लोगों का रेस्क्यू; उज्जैन में युवक बहा, जम्मू-कश्मीर में लैंडस्लाइड, रोड बंद

एजेंसी

नई दिल्ली। मानसून देश के लगभग सभी राज्यों में पहुंच चुका है। राजस्थान-गुजरात के कुछ हिस्से बाकी हैं, हालांकि उससे पहले गुजरात में बारिश के चलते बाढ़ जैसी स्थिति बन गई है। गुजरात के मेंडरडा इलाके में समधियाला गांव के पास बाढ़ के पानी में चार गाड़ियां फंस गईं। जिसमें से 19 लोगों का रेस्क्यू किया गया। उधर महाराष्ट्र के भिवंडी में बाजार में करीब 3 फीट तक पानी भर गया।

दुकानें बंद हो गईं। लोग कमर तक डूबकर सड़क पार कर रहे हैं। राजस्थान के जयपुर

में तेज बारिश के बाद सवाई मानसिंह हॉस्पिटल के माइनर ओटी में पानी भर गया। यहां से मरीजों को दूसरी जगह शिफ्ट किया। मध्य प्रदेश के भोपाल-इंदौर समेत 26 से ज्यादा जिलों में तेज बारिश हुई। उज्जैन में पुलिया पार करने की कोशिश में युवक मोटरसाइकिल समेत बह गया। यूपी के 20 जिलों में बारिश हुई। कानपुर में GSVM मेडिकल कॉलेज में पानी भर गया। कारें-बाइक आधी डूब गईं। वहीं जम्मू-कश्मीर में शनिवार सुबह लैंडस्लाइड के चलते रामनगर-उधमपुर रोड बंद कर दी गई।

महाराष्ट्र में बारिशः मुंबई, ठाणे और आसपास के जिलों में 7 जुलाई तक हाई अलर्ट

महाराष्ट्र के कई जिलों में 7 जुलाई तक बारिश का हाई अलर्ट जारी किया है। अनुमान है कि कई इलाकों में सप्ताहांत के दौरान 200 मिमी से 250 मिमी तक भारी बारिश हो सकती है।

बेंगलुरु में आंध्र प्रदेश के छात्र की नृशंस हत्या : बाइक सहित जिंदा जलाया

बेंगलुरु (एजेंसी)। बेंगलुरु के बाहरी इलाके सरजापुर में एक हृदयविदारक घटना सामने आई है, जहां नौकरी की तलाश में आए आंध्र प्रदेश के एक छात्र की निर्मम हत्या कर दी गई। बदमाशों ने 25 वर्षीय युवक वामशी कृष्णा को उसकी बाइक सहित जिंदा जला दिया, जिससे पूरे इलाके में सनसनी फैल गई है। यह घटना उसके माता-पिता और दोस्तों के लिए गहरे सदमे का कारण बनी है। गुंटूर निवासी वामशी कृष्णा ने हाल ही में बेंगलुरु से अपना डिप्लोमा पूरा किया था और रोजगार की तलाश में था। वह बेंगलुरु इलेक्ट्रॉनिक सिटी के एक पुराने दोस्त के वादे पर यहां आया था, जिसने वामशी को नौकरी दिलाने की बात कही थी। हालांकि, यहां पहुंचने पर उस दोस्त का मोबाइल फोन बंद मिला। परेशान वामशी ने शाम करीब 4:45 बजे सरजापुर में अपने दोस्त को आखिरी बार फोन किया था। इसके बाद, शाम 6:15 बजे के आसपास यह भयानक घटना हुई। एक वाहन चालक ने सड़क किनारे जलते हुए कुछ देखा और तुरंत सरजापुर पुलिस को सूचना दी। पुलिस टीम जब मौके पर पहुंची, तब उन्हें युवक का बुरी तरह जला हुआ शव और उसकी बाइक मिली। बदमाशों ने पेट्रोल डालकर वामशी और उसकी बाइक को आग के हवाले किया और फिर मौके से फरार हो गए। शव का पिछला हिस्सा नहीं जला था, जबकि छाती का ऊपरी हिस्सा बुरी तरह जला हुआ पाया गया, जिससे कई संदेह पैदा हो रहे हैं। बेंगलुरु ग्रामीण जिले के अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक वेंकटेश प्रसन्ना ने घटनास्थल का दौरा किया। हत्या के पीछे के कारणों का पता लगाने और सबूत इकट्ठा करने के लिए विशेषज्ञों की टीम और डॉग स्क्वाड को भी मौके पर बुलाया गया है। फिलहाल, सरजापुर पुलिस थाने में मुकदमा दर्ज कर लिया गया है और पुलिस हत्यारों की तलाश में गहन जांच कर रही है।

ऋषिकेश में पहली बारिश बनी आफत, जलभराव ने खोली व्यवस्था की पोल

देहरादून (एजेंसी)। मॉनसून की पहली तेज बारिश ने जहां ऋषिकेश को भीषण गर्मी से राहत पहुंचाई, वहीं नगर निगम की लचर व्यवस्थाओं की पोल भी खोल दी। कुछ ही घंटों की बरसात ने शहर के प्रमुख इलाकों को जलमग्न कर दिया, जिससे आम जनजीवन बुरी तरह प्रभावित हुआ। सुबह दफ्तर जाने वाले कर्मचारी, स्कूल-कॉलेज के छात्र और रोजमर्रा के काम से निकलने वाले लोगों को जलभराव के कारण भारी परेशानी झेलनी पड़ी। कई सड़कों पर पानी इतना अधिक जमा हो गया कि गड्ढे और सड़क में फर्क करना मुश्किल था, जिससे दुर्घटना का खतरा बढ़ गया। शहर के कई इलाकों में जल निकासी की उचित व्यवस्था न होने से बारिश का पानी घंटों सड़कों पर जमा रहा, जिससे यातायात बुरी तरह प्रभावित हुआ। दोपहिया वाहन चालकों को सबसे अधिक परेशानी हुई और कई जगह लंबा जाम लग गया, जिससे लोगों का काफी समय बर्बाद हुआ। स्थानीय लोगों का कहना है कि यह हर साल की समस्या है, जिस पर प्रशासन कोई स्थायी समाधान नहीं निकाल रहा है। जलभराव के कारण कई बाजारों में भी पानी भर गया, जिससे दुकानदारों को नुकसान की आशंका सताने लगी है। नागरिकों ने चेतावनी दी है कि यदि आने वाले दिनों में लगातार बारिश होती रही, तो हालात और भी गंभीर हो सकते हैं।

मोबाइल विवाद में नाबालिग छात्रा ने की आत्महत्या

भुवनेश्वर (एजेंसी)। ओडिशा के बालासोर जिले से एक दिल दहला देने वाली खबर सामने आई है, जहां ?पिछले दिन मोबाइल फोन के एक मामूली विवाद ने एक नाबालिग लड़की की जान ले ली। गागापाल गांव में रुनू नायक (16) नाम की छात्रा ने अपने परिवार द्वारा मोबाइल छीनकर तोड़े जाने से आहत होकर कीटनाशक पी लिया, जिससे उसकी मौत हो गई। यह घटना आधुनिक दौर में मोबाइल की लत के खतरनाक परिणामों पर गंभीर सवाल खड़े करती है। जानकारी के अनुसार रुनू अपने मोबाइल फोन में व्यस्त थी। उसकी इस लत से परेशान होकर मां और मामा ने उसे फोन वापस देने को कहा, लेकिन रुनू ने साफ इनकार कर दिया। बात इतनी बढ़ी कि परिवार के सदस्यों ने गुस्से में आकर उसके हाथ से फोन छीनकर तोड़ दिया। अपना पसंदीदा फोन टूटता देख रुनू इतनी आहत और क्रोधित हुई कि उसने खुद को कमरे में बंद कर लिया और वहां रखा कीटनाशक गटक लिया। जब परिवार को अनहोनी का आभास हुआ तो उन्होंने आनन-फानन में दरवाजा तोड़कर रुनू को बेहोशी की हालत में पड़ोसी जिले मयूरभंज के उदाला मेडिकल कॉलेज पहुंचाया। हालांकि, तब तक बहुत देर हो चुकी थी और डॉक्टरों ने उसे मृत घोषित कर दिया। मृतका के परिजनों का रो-रोकर बुरा हाल है। उन्होंने बताया कि रुनू लंबे समय से मोबाइल का अत्यधिक इस्तेमाल कर रही थी और उसकी लत रोकने की कोशिश में यह दुखद घटना घटित हुई। पुलिस ने मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है।

जिसने उड़ा दी सीबीएसई की नींद, उस हैकर की मंत्री ने की तारीफ

कोलकाता (एजेंसी)। केंद्रीय शिक्षा राज्य मंत्री सुकांत मजूमदार ने बंगाल के युवा एथिकल हैकर निसर्ग अधिकारी की जमकर सराहना की है। निसर्ग वही प्रतिभाशाली छात्र हैं, जिसने हाल ही में केंद्रीय माध्यमिक शिक्षा बोर्ड (सीबीएसई) की वेबसाइट में ऑनलाइन मार्किंग सिस्टम की सुरक्षा खामियों को उजागर कर दिया था। कोलकाता में इंडियन चैंबर ऑफ कॉमर्स द्वारा आयोजित एजुकेशन फॉर विकसित भारत कॉन्क्लेव में मजूमदार ने निसर्ग की इस उपलब्धि को बंगाल का टैलेंट बताया और कहा कि यह एक 10वीं पास छात्र की असाधारण विशेषज्ञता का प्रमाण है। मंत्री ने बताया कि सरकार ने निसर्ग की प्रतिभा को सही दिशा दी और उसे आईआईटी-कानपुर के साइबर सिक्योरिटी सेंटर से जोड़ा, जहाँ अब वह थ्रेट इंटेलिजेंस इंजीनियर के तौर पर काम कर रहे हैं। मजूमदार ने कहा कि निसर्ग चाहते तो किसी विरोध-प्रदर्शन का हिस्सा बन सकते थे, लेकिन सरकार ने उन्हें सीखने और देश के विकास में योगदान देने का एक बेहतर मंच प्रदान किया। निसर्ग अधिकारी तब चर्चा में आए थे जब सीबीएसई ने 12वीं के नतीजे घोषित किए थे और नए ऑन-स्क्रीन मार्किंग सिस्टम का उपयोग किया था। देश भर से सैकड़ों छात्रों ने आंसर शीट धुंधली होने, पन्ने गायब होने और फिजिकल व डिजिटल कॉपी में अंतर होने की शिकायतें की थीं। इसके बाद निसर्ग ने सीबीएसई पोर्टल के सार्वजनिक रूप से उपलब्ध कोड की जांच की और उसमें कई सिक्योरिटी कमजोरियों का पता लगाया, जिससे छात्रों की शिकायतों की पुष्टि हुई। उनके इस असाधारण कौशल को देखते हुए ही पिछले महीने उन्हें आईआईटी-कानपुर में नौकरी मिली। मंत्री ने निसर्ग के माता-पिता के हवाले से बताया कि वे भी अपने बेटे की क्षमताओं से हैरान थे और उसे नियंत्रित नहीं कर सकते थे, जो उत्तर बंगाल के एक बहुत ही छोटे से शहर से आता है।

असम को अब ध्रुवीकरण की जरूरत नहीं

मुख्यमंत्री हिमंत बिस्वा सरमा ने किया बड़ा दावा और कहा... लोगों का आत्मविश्वास लौटा, कानून-व्यवस्था मजबूत हुई

गुवाहाटी (एजेंसी)। असम के मुख्यमंत्री हिमंत बिस्वा सरमा ने राज्य की राजनीति और सामाजिक माहौल को लेकर बड़ा बयान दिया है। उन्होंने कहा कि असम के मूल निवासियों में आत्मविश्वास जगाने के लिए राज्य को एक ध्रुवीकरण करने वाले नेतृत्व की जरूरत थी और उन्होंने स्वयं उस भूमिका को निभाया। सरमा का दावा है कि अब राज्य में लोगों का भरोसा मजबूत हो चुका है और इसलिए आगे ध्रुवीकरण की आवश्यकता नहीं रह गई है।

मीडिया से बातचीत करते हुए मुख्यमंत्री सरमा ने कहा कि पहले असम के लोगों को लगता था कि उनके हितों की रक्षा करने वाला कोई मजबूत नेतृत्व नहीं है। उन्होंने कहा कि अब स्थिति बदल चुकी है और लोगों को विश्वास हो गया है कि राज्य सरकार किसी एक समुदाय का पक्ष लेने के बजाय कानून के अनुसार शासन कर रही है। उनके अनुसार, अब कोई भी असमिया समाज को आसानी से चुनौती नहीं दे सकता और कानून-व्यवस्था पहले की तुलना में अधिक मजबूत हुई है। सीएम सरमा ने कहा, मुझे नहीं लगता कि अब असम में ध्रुवीकरण की आवश्यकता है। मैंने उस खतरे को नियंत्रित कर लिया है। अब कोई भी असमिया लोगों पर उंगली नहीं उठा सकता। अब कोई मंदिरों की जमीन पर कब्जा करने या किसी लड़की को उसकी सहमति के बिना ले जाने की हिम्मत नहीं करता। जब सभी लोग कानून का पालन करने लगते हैं तो रोज इस विषय पर बोलने की जरूरत नहीं रहती।

एक बातचीत के दौरान मुख्यमंत्री सरमा ने यह भी कहा कि असमिया मुसलमानों सहित राज्य के मूल निवासियों में अपने भविष्य को लेकर पहले असुरक्षा की भावना थी। उनका कहना था कि लोगों को ऐसे नेतृत्व की जरूरत थी जो उनके अधिकारों और हितों के पक्ष में खुलकर बोले। उन्होंने दावा किया कि उनकी सरकार बनने के बाद लोगों का आत्मविश्वास बढ़ा है और अब वे स्वयं को अधिक सशक्त महसूस करते हैं। इस दौरान हिमंत बिस्वा सरमा ने कांग्रेस और उसके वरिष्ठ नेता राहुल गांधी पर भी तीखा हमला बोला। उन्होंने आरोप लगाया कि राहुल गांधी के नेतृत्व में कांग्रेस अपनी पारंपरिक मध्यमार्गी राजनीति से हटकर वामपंथी विचारधारा और जाति आधारित राजनीति की ओर बढ़ गई है। सरमा ने कहा कि कांग्रेस में अपने 22 वर्षों के राजनीतिक जीवन के दौरान उन्होंने कभी जाति आधारित राजनीति या इस प्रकार की कार्यशैली नहीं देखी थी। उन्होंने यह भी कहा कि कांग्रेस पहले एक संतुलित और मध्यमार्गी दल थी, लेकिन अब उसकी वैचारिक दिशा बदल चुकी है।

उपमुख्यमंत्री शिंदे की तबीयत बिगड़ी, अस्पताल में भर्ती

मुंबई (एजेंसी)। महाराष्ट्र के उपमुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे की अचानक तबीयत बिगड़ने के बाद उन्हें ठाणे के एक निजी अस्पताल में भर्ती कराया गया है। चिकित्सकों के अनुसार उनकी स्थिति फिलहाल स्थिर है और विशेषज्ञ डॉक्टरों की निगरानी में उनका उपचार जारी है। स्वास्थ्य संबंधी परेशानी के चलते उन्होंने अपने सभी निर्धारित सार्वजनिक कार्यक्रम रद्द कर दिए हैं। जानकारी के अनुसार, पिछले कुछ दिनों से लगातार राजनीतिक व्यस्तताओं और विधानमंडल के चल रहे अधिवेशन के कारण एकनाथ शिंदे पर काम का अत्यधिक दबाव था। इसी दौरान उन्हें बुखार और कमजोरी महसूस होने लगी। इसके बावजूद उन्होंने कुछ निर्धारित कार्यक्रमों में भाग लेने के लिए ठाणे का दौरा किया, लेकिन स्वास्थ्य अधिक खराब होने पर उन्हें कार्यक्रम बीच में ही रद्द करने पड़े। मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक, डॉक्टरों ने प्रारंभिक जांच के बाद शिंदे को घर पर आराम करने के बजाय अस्पताल में भर्ती होकर उपचार कराने की सलाह दी। इसके बाद शुक्रवार देर रात उन्हें ठाणे के एक निजी अस्पताल में भर्ती कराया गया। चिकित्सकों का कहना है कि अत्यधिक थकान, वायरल बुखार और कमजोरी के कारण उनकी तबीयत प्रभावित हुई है। हालांकि, उनकी हालत नियंत्रण में है और चिंता की कोई बात नहीं है। शिंदे की अस्वस्थता का असर राजनीतिक कार्यक्रमों पर भी पड़ा। ठाणे के गंगूबाई शिंदे हॉल में शुक्रवार को धुले से शिवसेना (उद्धव ठाकरे गुट) की उपनेत्री शुभांगी पाटिल के पार्टी प्रवेश का कार्यक्रम प्रस्तावित था। उपमुख्यमंत्री की तबीयत खराब होने के कारण इस कार्यक्रम का समय बदलना पड़ा। बाद में देर रात करीब दो बजे कल्याण से सांसद डॉ. श्रीकांत शिंदे की मौजूदगी में शुभांगी पाटिल ने शिवसेना में प्रवेश किया।

बाबा बर्फानी के दर्शनों के लिए हजारों श्रद्धालु पवित्र गुफा की ओर अग्रसर

नई दिल्ली (एजेंसी)। अमरनाथ यात्रा 2026 अपने शुभारंभ के बाद पूरी भव्यता के साथ जारी है। बाबा बर्फानी के दर्शनों के लिए देश-विदेश से लाखों श्रद्धालु पवित्र गुफा की ओर बढ़ रहे हैं। इसी कड़ी में, तीर्थयात्रियों का तीसरा जत्था शनिवार को बालटाल और पहलगाम स्थित दो बेस कैंपों की ओर सुरक्षित रूप से रामबन जिले में पहुंचा। कड़ी सुरक्षा के बीच गुज़र रहे काफिले के लिए रामबन प्रशासन ने सुचारु ट्रैफिक प्रबंधन, साफ-सफाई, चिकित्सा सहायता और अन्य ज़रूरी सुविधाओं का पुख्ता इंतज़ाम किया था, ताकि यात्रा निर्बाध रूप से चालू रह सके।

इसके पहले, यात्रा के दूसरे दिन 3,865 श्रद्धालुओं के दूसरे जत्थे को भगवती नगर बेस कैम्प, जम्मू से बालटाल और पहलगाम के लिए रवाना किया गया था। यह जत्था सुरक्षा के बीच दो अलग-अलग काफिलों में निकला। बालटाल मार्ग के लिए 1,735 तीर्थयात्री तड़के 3:13 बजे रवाना हुए, जबकि पहलगाम मार्ग की ओर जाने वाले 2,130 तीर्थयात्री 3:38 बजे निकले। इस जत्थे में 2,965 पुरुष, 618 महिलाएं, 230 साधु, 48 साध्वियां और 4 बच्चे शामिल थे, जो कुल 201 वाहनों 83 बसें, 14 मीडियम मोटर वाहन और 104 लाइट मोटर वाहन में यात्रा कर रहे थे।

वहीं, शुक्रवार को ही, दक्षिण कश्मीर में स्थित बालटाल व पहलगाम-नुनवान बेस कैम्पों से अमरनाथ यात्रियों के पहले जत्थे को तड़के रवाना किया गया। बीच-बीच में बारिश के बावजूद, पारंपरिक 48 किलोमीटर लंबे नुनवान-पहलगाम रूट और छोटे 14 किलोमीटर लंबे बालटाल रूट, दोनों से सुबह-सुबह यात्रा का श्रीगणेश हुआ। उल्लेखनीय है कि शुक्रवार को दूसरे जत्थे के रवाना होने तक, पिछले दो दिनों में कुल 8,687 तीर्थयात्री वार्षिक अमरनाथ यात्रा के लिए जम्मू के भगवती नगर यात्री निवास से कश्मीर घाटी के लिए निकल चुके हैं। यह 57 दिवसीय पवित्र तीर्थयात्रा 28 अगस्त को समाप्त होगी।

चन्नी पर भारी पड़ा हाईकमान का फैसला

पंजाब कांग्रेस में नेतृत्व को लेकर बढ़ी हलचल, ऑब्जर्वर पैनल की सिफारिश भी नहीं आई काम

चंडीगढ़ (एजेंसी)। पंजाब कांग्रेस में नेतृत्व परिवर्तन को लेकर लंबे समय से चल रही चर्चाओं के बीच पार्टी हाईकमान के फैसले ने नई राजनीतिक बहस को जन्म दे दिया है। सूत्रों के अनुसार, पंजाब की राजनीतिक स्थिति का आकलन करने के लिए गठित कांग्रेस के तीन सदस्यीय ऑब्जर्वर पैनल ने पूर्व मुख्यमंत्री चरणजीत सिंह चन्नी को प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष बनाने की सिफारिश की थी। इसके बावजूद पार्टी नेतृत्व ने मौजूदा अध्यक्ष अमरिंदर सिंह राजा वड़िंग को उनके पद पर बरकरार रखने का फैसला किया, जिससे संगठन के एक वर्ग में नाराजगी देखी जा रही है।

जानकारी के मुताबिक, अजय माकन, मीनाक्षी नटराजन और भजन लाल जाटव की सदस्यता वाली समिति ने पंजाब के करीब 67 वरिष्ठ नेताओं से अलग-अलग मुलाकात कर उनकी राय जानी। इस दौरान कांग्रेस कार्यसमिति (सीडब्ल्यूसी) के सदस्यों, पूर्व मंत्रियों, विधायकों, सांसदों, जिला कांग्रेस अध्यक्षों तथा वरिष्ठ नेता अंबिका सोनी सहित कई नेताओं से विस्तार से चर्चा की गई। नेताओं से विशेष रूप से पूछा गया कि क्या प्रदेश संगठन के नेतृत्व में बदलाव की आवश्यकता है। सूत्रों की मानें तो अधिकांश नेताओं ने पिछले साढ़े चार वर्षों से प्रदेश अध्यक्ष रहे राजा वड़िंग के कामकाज पर असंतोष व्यक्त करते हुए चन्नी को संगठन की कमान सौंपने की वकालत की। समिति ने नेताओं की राय को अपनी रिपोर्ट में शामिल करते हुए चन्नी को राज्य में कांग्रेस का सबसे लोकप्रिय चेहरा बताया। इससे चन्नी समर्थकों को नेतृत्व परिवर्तन की पूरी उम्मीद थी। हालांकि, कांग्रेस हाईकमान ने नेतृत्व में बदलाव के बजाय यथास्थिति बनाए रखने का निर्णय लिया। राजा वड़िंग को प्रदेश अध्यक्ष बनाए रखा गया, जबकि चरणजीत सिंह चन्नी को चुनाव अभियान समिति का अध्यक्ष नियुक्त किया गया। इस फैसले के बाद पार्टी के कुछ नेताओं ने सवाल उठाते हुए कहा कि यदि नेतृत्व बदलने का इरादा नहीं था तो व्यापक स्तर पर रायशुमारी कराने का औचित्य क्या था।

वहीं, पार्टी के भीतर एक अन्य धड़ा हाईकमान के फैसले का समर्थन करता नजर आ रहा है। इस वर्ग का मानना है कि चन्नी लोकप्रिय नेता जरूर हैं, लेकिन संगठन और विधायकों के बीच उनकी वास्तविक पकड़ को लेकर अभी भी सवाल बने हुए हैं। ऐसे में आगामी चुनावी तैयारियों के दौरान यह स्पष्ट होगा कि पंजाब कांग्रेस इस फैसले के बाद कितनी एकजुट रह पाती है और आंतरिक असंतोष का पार्टी के प्रदर्शन पर क्या असर पड़ता है।

राम मंदिर चढ़ावा चोरी पर भड़के महंत, बोले- दोषियों को सीधे फांसी दे दो

अयोध्या (एजेंसी)। नवनिर्मित भव्य राम मंदिर में रामलला के चरणों में आने वाले चढ़ावे में कथित हेराफेरी के मामले ने अब एक गंभीर मोड़ ले लिया है। इस मामले पर श्री राम जन्मभूमि तीर्थ क्षेत्र ट्रस्ट के सदस्य और प्रतिष्ठित महंत दिनेंद्र दास महाराज ने बेहद आक्रामक रुख अपनाया है। उन्होंने दोषियों के लिए सबसे कड़ी सजा की मांग करते हुए दोटूक शब्दों में कहा कि भगवान के घर में इस तरह का अपराध करने वालों को सीधे फांसी पर लटका दिया जाना चाहिए। यह बयान इस बात को दर्शाता है कि धार्मिक संस्थाओं में वित्तीय अनियमितता को कितना गंभीर अपराध माना जाता है, खासकर एक ऐसे मंदिर में जो करोड़ों हिंदुओं की आस्था का केंद्र है।

इस बीच, उत्तर प्रदेश सरकार द्वारा गठित विशेष जांच दल (एसआईटी) ने इस मामले में अपनी जांच तेज कर दी है। एसआईटी ने मुख्य आरोपी अविनाश शुक्ला को हिरासत में लेकर उससे पूछताछ शुरू कर दी है, ताकि वित्तीय हेरफेर के पूरे नेटवर्क का पर्दाफाश किया जा सके और गबन किए गए धन की रिकवरी की जा सके। एसआईटी की टीम राम मंदिर परिसर में पहुंचकर क्राइम सीन रीक्रिएट कर रही है, जो यह समझने के लिए एक महत्वपूर्ण कदम है कि चोरी कैसे और किन परिस्थितियों में हुई। महंत दिनेंद्र दास महाराज ने जांच की प्रगति पर संतोष व्यक्त किया है और उन्हें भरोसा है कि स्थानीय प्रशासन पूरी ताकत से काम कर रहा है और गबन की गई राशि को पूरी तरह से वसूल लिया जाएगा। उन्होंने कहा, रामलला के यहां जांच चल रही है वो सरकार की देखरेख में हो रही है। जो चोर हैं वो जेल में पहुंच गए हैं। चोरी कम हो या ज्यादा, चोरी तो चोरी है। शासन पूरी तरह जांच कर रहा हैं। चोर अपनेआप जेल में पहुंच जाएगा। जिन्होंने रामलला के यहां ये काम किया है उन्हें फांसी दे देनी चाहिए। इस कथित चोरी ने उत्तर प्रदेश की राजनीति में भी एक बड़ा भूचाल ला दिया है। विधानसभा में विपक्ष के नेता माता प्रसाद पांडे ने इस घटना को बेहद हैरान करने वाला बताया है और राज्य सरकार के सुरक्षा दावों पर सीधा हमला बोला है। उन्होंने तर्क दिया कि चोरों और माफियाओं को खत्म करने का दावा करने वाली सरकार देश के सबसे हाई-प्रोफाइल मंदिर के चढ़ावे को सुरक्षित रखने में नाकाम रही। यह आरोप सरकार के लिए एक बड़ी चुनौती है, खासकर जब मंदिर का उद्घाटन हाल ही में हुआ है और यह लगातार सुर्खियों में है। विपक्ष के इन तीखे हमलों पर पलटवार करते हुए, शिवसेना नेता शाइना एनसी ने मंदिर प्रशासन का खुलकर बचाव किया। उन्होंने कहा कि राम मंदिर आस्था का एक पवित्र केंद्र है, न कि कोई व्यावसायिक संस्था। शाइना एनसी ने जोर देकर कहा, लोगों ने जो दान दिया है, वह पब्लिक डोमेन में है।

राजभर का अखिलेश पर वार: सपा यादववादी, बहुजन सम्मान की लड़ाई जारी

लखनऊ (एजेंसी)। उत्तर प्रदेश की राजनीति में पीडीए और पिछड़ा-दलित विमर्श पर चल रही जुबानी जंग के बीच, कैबिनेट मंत्री ओम प्रकाश राजभर ने समाजवादी पार्टी (सपा) अध्यक्ष और पूर्व सीएम अखिलेश यादव पर तीखा निशाना साधकर उनकी पार्टी को वाईपी यानी यादववादी पार्टी करार दिया है। योगी सरकार में मंत्री राजभर ने आरोप लगाया कि सपा शासन और संगठन में बहुजन और अति पिछड़ी जातियों के साथ वर्षों से भेदभाव और उत्पीड़न होता रहा है। सुभासपा मुखिया राजभर ने स्पष्ट किया कि दलितों और पिछड़ों के सम्मान की लड़ाई में उन्हें चाहे जितनी भी गालियां क्यों न सहनी पड़ें, वे पीछे नहीं हटने वाले है। उन्होंने सार्वजनिक मंचों पर गाली-गलौज की भाषा को अनुचित बताकर सपा प्रमुख के चाचा शिवपाल सिंह यादव पर भी कटाक्ष किया। राजभर ने कहा कि अखिलेश ने ही शिवपाल को यादवनीति की गलत घुट्टी पिलाई है। एक्स पर पोस्ट कर राजभर ने आरोप लगाया कि अखिलेश की यादववादी पार्टी के कार्यकर्ताओं ने पाल, प्रजापति, बिंद, केवट, मल्लाह, राजभर, निषाद, मांझी, दर्जी, तेली, लोनिया, फकीर और बंजारा जैसी बहुजन जातियों के सम्मान को सदियों से दबाया है। उन्होंने पीडीए का अपना अर्थ बताकर कहा कि गांवों में अखिलेश के स्वजातीय, बहुजन महिलाओं और पुरुषों के साथ पीट देगा अहीर जैसा व्यवहार करते आए हैं। राजभर ने अखिलेश को चुनौती देकर कहा, जितना मन हो हमें गाली दिलवा लीजिए, पिटवा लीजिएज्पर हम हार नहीं मानने वाले है। हम गाली और लाठी खा लेने वाले हैं, लेकिन अपना हिसाब जरूर करने वाले है। उन्होंने मेरठ में दलित-पिछड़ों के अपमान और पूर्व मंत्री प्रभु दयाल वाल्मीकि जैसे नेताओं के हक की बात उठाकर कहा कि इन मुद्दों पर आवाज उठाना बंद नहीं करने वाले हैं, भले ही इसके लिए उन्हें गालियां मिलती रहें। उन्होंने अखिलेश को अपने चाचा शिवपाल को भजन सिखाने की सलाह भी दी, क्योंकि गाली-गलौज की भाषा उनकी उम्र के हिसाब से ठीक नहीं है।

राहुल गांधी धृतराष्ट्र, जीतू पटवारी दुर्योधन : कांग्रेस नेता यादव ने पार्टी छोड़ी

भोपाल (एजेंसी)। मध्यप्रदेश कांग्रेस के पूर्व महासचिव राकेश सिंह यादव ने पार्टी से इस्तीफा दे दिया। इंदौर में एक प्रेसवार्ता में अपने इस्तीफे की घोषणा कर यादव ने प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष जीतू पटवारी पर तीखा हमला बोलकर कहा कि वे इस पद के लायक नहीं हैं। उन्होंने आरोप लगाया कि पटवारी ने पार्टी को कमजोर किया है और प्रदेश कांग्रेस में संगठनात्मक पद पैसे के बदले मिल रहे थे।

यादव ने बताया कि उन्हें हाल ही में मौन सत्याग्रह के दौरान मीडिया डिबेट में शामिल होने के लिए नोटिस भेजा गया था। पार्टी ने सभी पदाधिकारियों को मुख्यमंत्री मोहन यादव पर 500 करोड़ रुपये के ट्रस्ट घोटाले के आरोपों पर चुप्पी साधने का निर्देश दिया था। राकेश सिंह यादव ने दावा किया कि उन्हें बताया गया था कि पटवारी ने ऐसी किसी भी बहस पर रोक लगा दी थी, और इसका मतलब है कि मुख्यमंत्री यादव पर उनके आरोप झूठे थे क्योंकि उनके पास कोई सबूत या दस्तावेज नहीं थे।

कांग्रेस के पूर्व नेता ने पटवारी पर राज्य इकाई का नेतृत्व करने की क्षमता न होने का आरोप लगाया। उन्होंने पार्टी के केंद्रीय नेतृत्व पर भी निशाना साधकर कहा कि उन्होंने मध्य प्रदेश इकाई के कामकाज को लेकर कांग्रेस नेता राहुल गांधी को कई पत्र लिखे थे, लेकिन कभी कोई जवाब नहीं मिला। नाराज नेता यादव ने आरोप लगाया कि लोकसभा में नेता विपक्ष राहुल गांधी को इस बारे में पता है लेकिन वह दखल नहीं देते। उन्होंने कहा, मुझे लगता है कि वह आंखों पर पट्टी बांधे धृतराष्ट्र की तरह हैं और उन्होंने जीतू पटवारी जैसे दुर्योधन पैदा किए हैं।

अपने इस्तीफे पर उन्होंने कहा कि उन्होंने मीडिया के सामने सार्वजनिक रूप से इसकी घोषणा कर दी है। लेकिन जब यादव से भारतीय जनता पार्टी में शामिल होने के बारे में पूछने पर यादव ने कहा कि फिलहाल उनकी किसी भी पार्टी से कोई बातचीत नहीं हुई है, लेकिन अगर उन्हें कोई ऐसा मौका मिलता है, तब मैं उस पर विचार करुंगा।

बसों में भीषण आग के हादसों में जा रही यात्रियों की जान, क्यों हो रही ऐसी घटनाएं?

-विशेषज्ञों ने कहा- बसों में इमरजेंसी एग्जिट, आपातकालीन खिड़की, विंडो हैमर जरुरी

नई दिल्ली (एजेंसी)। राजस्थान के दौसा जिले में दिल्ली-मुंबई एक्सप्रेसवे हुए भीषण बस हादसे ने एक बार फिर लंबी दूरी की यात्री बसों की सुरक्षा व्यवस्था पर गंभीर सवाल खड़े कर दिए हैं। हरिद्वार से इंदौर जा रही एक स्लीपर बस ट्रक से टकराने के बाद आग की चपेट में आ गई। हादसे के समय बस में करीब 37 यात्री सवार थे। दुर्घटना में आठ लोगों की मौत हो गई, जबकि 22 यात्री घायल हुए हैं। यह घटना देर रात हुई। टक्कर के बाद बस में आग इतनी तेजी से फैली कि कुछ ही देर में पूरी बस जलकर खाक हो गई। घायलों को अस्पतालों में भर्ती कराया गया।

विशेषज्ञों का कहना है कि यह कोई अकेली घटना नहीं है। पिछले कुछ महीनों में देश के कई राज्यों में बसों में आग लगने की कई घटनाएं सामने आई हैं। अक्टूबर 2025 में राजस्थान के जैसलमेर में विद्युत प्रणाली में खराबी के कारण बस में आग लगने से 22 लोगों की मौत हो गई थी। इसी महीने आंध्र प्रदेश के कुरनूल में बाइक से टक्कर के बाद बस में भीषण आग लग गई, जिसमें कई यात्रियों की जान चली गई। मार्च 2026 में आंध्र प्रदेश के मार्कापुरम में बस और टिप्पर की टक्कर के बाद लगी आग में भी कई लोगों की मौत हो गई थी। इन हादसों ने यात्री सुरक्षा से जुड़े मानकों की प्रभावशीलता पर गंभीर बहस छेड़ दी है।

विशेषज्ञों के मुताबिक ऐसे हादसों के पीछे इलेक्ट्रिकल शॉर्ट सर्किट, इंजन का अत्यधिक गर्म होना, आपातकालीन दरवाजों का समय पर न खुलना और बसों के अंदर ज्वलनशील सामग्री का उपयोग प्रमुख कारणों में शामिल हैं। उनका मानना है कि यदि आधुनिक सुरक्षा तकनीकों को अनिवार्य किया जाए तो ऐसी घटनाओं में जान-माल के नुकसान को काफी हद तक कम किया जा सकता है।

सुरक्षा विशेषज्ञों का सुझाव है कि विशेष रूप से निजी इंटरसिटी स्लीपर बसों में ऑटोमैटिक फायर डिटेक्शन और फायर सप्रेशन सिस्टम अनिवार्य किए जाने चाहिए। इंजन, बैटरी और इलेक्ट्रिकल सिस्टम में आग लगते ही यह तकनीक शुरुआती स्तर पर आग पर काबू पाने में मदद कर सकती है। इसके अलावा बसों के इंटीरियर में फ्लेम-रिटार्डेंट यानी आग के प्रसार को रोकने वाली सामग्री का इस्तेमाल भी जरूरी माना जा रहा है।

विशेषज्ञों ने कहा कि बसों में इमरजेंसी एग्जिट, आपातकालीन खिड़कियों और विंडो हैमर की स्पष्ट पहचान होनी चाहिए। यात्रा शुरू होने से पहले यात्रियों को सुरक्षा संबंधी संक्षिप्त जानकारी देना भी जरुरी है। बसों के दरवाजों की नियमित जांच, चालक दल को अग्निशमन प्रशिक्षण, निर्धारित गति सीमा का पालन और एक्सप्रेसवे पर रात के समय लंबी दूरी की बसों की सख्त निगरानी जैसी व्यवस्थाएं भी हादसों की गंभीरता कम कर सकती हैं। सड़क परिवहन व्यवस्था को अधिक सुरक्षित बनाने के लिए सरकार, परिवहन विभाग और बस संचालकों को मिलकर व्यापक और स्थायी सुधार लागू करने होंगे, ताकि भविष्य में ऐसी दर्दनाक घटनाओं की पुनरावृत्ति रोकी जा सके।

फरीदाबाद में बाढ़ का खतरा, गुरुग्राम में वर्क फ्रॉम होम

शाहदरा में महिला का फोन छीनने वाले दो गिरफ्तार

नई दिल्ली। दिल्ली के शाहदरा इलाके में महिला का मोबाइल फोन छीनने और भागते समय मोटरसाइकिल में टक्कर मारने के मामले में दो आरोपियों मोहम्मद राशिद उर्फ साहिल और फैसल को गिरफ्तार किया है। पूछताछ में दोनों ने बताया कि वारदात के समय वे नशे की हालत में थे। पुलिस के अनुसार, दोनों आरोपी पेशे से ड्राइवर हैं और उनका कोई आपराधिक इतिहास नहीं है। शाहदरा जिला पुलिस अधिकारियों के अनुसार महिला से मोबाइल छीनने की घटना 30 अगस्त को उस समय हुई जब शिकायतकर्ता रोशनी काम पर जा रही थीं। उसी दौरान सफेद रंग के स्कूटी पर सवार दो युवकों ने उनका फोन छीन लिया और भाग गए। शाहदरा के पुलिस उपायुक्त प्रशांत गौतम ने बताया कि पीड़िता के शोर मचाने पर बाइक सवार ने आरोपियों को रोकने का प्रयास किया, लेकिन उन्होंने उसकी बाइक में टक्कर मार दी और भागने में सफल हो गए। सीसीटीवी फुटेज की जांच में स्कूटी का नंबर सीलमपुर निवासी मोहम्मद नदीम अहमद के नाम पर पंजीकृत पाया गया। पूछताछ के दौरान नदीम ने बताया कि उसने स्कूटी अपने परिचित मोहम्मद राशिद को दी थी। इसके आधार पर न्यू सीलमपुर में छापा मारकर दोनों को पुलिस ने दबोच लिया। पुलिस ने आरोपियों के कब्जे से महिला का मोबाइल फोन, सिम कार्ड और वारदात में प्रयुक्त स्कूटी भी बरामद की गई।

साइकिल पर प्रचार कर पर्यावरण बचाने का दिया संदेश

नई दिल्ली। दिल्ली विश्वविद्यालय छात्र संघ चुनाव में महज 17 दिन का समय शेष है। ऐसे में संभावित प्रत्याशी प्रचार के अलग-अलग तरीके अपना रहे हैं। प्रशासन की सख्ती और डूसू चुनाव को स्वच्छ व हरित बनाने में प्रत्याशी लगे हैं। इसी कड़ी में एबीवीपी के संभावित प्रत्याशियों ने सोमवार को प्रचार करने के लिए साइकिल का सहारा लिया। कैंपस को स्वच्छ व हरित बनाने के लिए एबीवीपी संभावित प्रत्याशियों ने कैंपस में साइकिल रैली निकाल कर प्रचार किया। यह रैली विश्वविद्यालय मेट्रो स्टेशन से शुरू हुई और रामजस कॉलेज, हिन्दू कॉलेज, किरोड़ीमल कॉलेज व दौलत राम कॉलेज से होते हुए कला संकाय पर जाकर संपन्न हुई। एबीवीपी ने कहा कि चुनाव शांतिपूर्ण और पर्यावरण अनुकूल ही संपन्न होने चाहिए।

कौमी पत्रिका

फरीदाबाद/गुरुग्राम। दिल्ली-एनसीआर में सोमवार को हुई बारिश और यमुना में बढ़ते जलस्तर से बने बाढ़ जैसे हालात बन गए हैं। फरीदाबाद में यमुना का जलस्तर लगातार बढ़ने से जिला प्रशासन ने हाई अलर्ट जारी कर दिया है। वहीं, मंगलवार से गुरुग्राम में वर्क फॉर होम दिया गया है। मौसम विभाग यानी आईएमडी ने मंगलवार को भारी बारिश की चेतावनी देते हुए ऑरेंज अलर्ट जारी किया है। एडवाइजरी में कहा गया है कि पूर्वानुमान के मद्देनजर, जिले के सभी कॉर्पोरेट कार्यालयों और निजी संस्थानों को सलाह दी जाती है कि वे अपने कर्मचारियों को घर से काम करने के लिए निर्देशित करें। वहीं जिले के सभी स्कूलों को सलाह दी जाती है कि वे ऑनलाइन कक्षाएं लें। फरीदाबाद के गांव किड़ावली में यमुना किनारे अपना जन्मदिन मनाने आया युवक आयुष व उसका दोस्त धर्मेंद्र डूब गए। दोनों अपने छह अन्य दोस्तों के साथ दिल्ली के मीठापुर से आए थे। हरियाणा से निकल यमुना अब दिल्ली में भी हालात बिगाड़ सकती है। करीब 3 लाख 21 हजार क्यूसेक पानी छोड़े जाने से दिल्ली में भी यमुना खतरे के निशान को पार कर सकती है। यह तीन लाख 21 हजार क्यूसेक पानी दिल्ली पहुंचने में 72 घंटे का समय लगेगा। मौसम विभाग के आंकड़ों के अनुसार, धौज क्षेत्र में सबसे अधिक 60 मिमी वर्षा रिकॉर्ड की गई, जबकि गोछी में 27 मिमी, बल्लभगढ़ में 25 मिमी, फरीदाबाद शहर में 19 मिमी, दयालपुर में 14 मिमी, मोहना में 12 मिमी और तिगांव में 10 मिमी बारिश दर्ज की गई। वहीं, गुरुग्राम में सोमवार दोपहर बाद दो घंटे तक तेज बारिश हुई। ड्रेनेज सिस्टम फेल होने के कारण सड़कों पर दो से तीन फीट तक पानी भर गया। इससे देर शाम तक प्रमुख मार्गों पर जाम लग गया। गुरुग्राम में 85 मिमी कादीपुर में 94 मिमी, हरसरु में 94 मिमी, वजीराबाद में 116 मिमी बादशाहपुर में 56 मिमी, सोहना में 33 मिमी, मानेसर में 24 मिमी और पटौदी में 13 मिमी बारिश हुई। वहीं, दिल्ली में सोमवार को दिल्ली में 18.6 एमएम बारिश दर्ज की गई। नजफगढ़ में शाम 5:30 बजे तक 49.5 एमएम बारिश हुई। इसकी वजह से गई जगह जलभराव हो गया। नोएडा में भी सितंबर की शुरुआत बारिश से हुई। सोमवार को 2 बजे के बाद तेज बादल घिर आए और फिर तेज बारिश शुरू हो गई। लगातार एक घंटे तक हुई तेज बारिश ने शहर में जलभराव हुआ और जाम की स्थिति बन गई। शाम के समय लोग जाम की वजह से बारिश में भीगते रहे। आईएमडी की रिपोर्ट के मुताबिक, पिछले 24 घंटे में 18 एमएम बारिश हुई। वहीं, जिले का अधिकतम तापमान 29.8 डिग्री और न्यूनतम तापमान 24.5 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया। इसके साथ ही आद्रता 95 प्रतिशत दर्ज की गई। मौसम विभाग की ओर से आज बारिश का नो वॉर्निंग जोन है लेकिन बूंदाबांदी होगी और अगले तीन-चार दिन तक ऐसी स्थिति बनी रहेगी। इसके साथ ही तापमान में भी कमी दर्ज की जा सकती है। वहीं, सोमवार को नोएडा का एक्यूआई 58 और ग्रेटर नोएडा का एक्यूआई 54 दर्ज किया गया। प्रशासन ने हरियाणा में यमुना नदी किनारे बसे गांवों में रहने वालों को सुरक्षित स्थानों पर जाने के लिए कहा है। कुरुक्षेत्र में मारकंडा का जलस्तर लगातार बढ़ रहा है। अंबाला में टांगरी व कैथल में घग्गर नदी का जलस्तर स्थिर चल रहा है। यमुना के पानी पर आधारित नैनावाली, भूड़कलां, बेगमपुर, ताजेवाल पनबिजली योजनाओं में उत्पादन ठप हो गया है। यहां प्रतिदिन 10 से 12 लाख यूनिट बिजली का उत्पादन होता था। वहीं, सिरसा में ओटू हेड पर जलस्तर 17580 क्यूसेक रहा। दोनों जिलों में 22000 क्यूसेक जलस्तर की क्षमता है। हिसार जिले में सोमवार को चार गांवों में पांच स्थानों पर ड्रेन टूट गई।

ईसीए कोटा में दाखिले के लिए सावधानी बरतें डीयू के कॉलेज

नई दिल्ली। दिल्ली हाई कोर्ट ने दिल्ली विश्वविद्यालय (डीयू) से संबद्ध कॉलेजों को निर्देश दिया है कि वे खेल और अतिरिक्त गतिविधि (ईसीए) कोटा के तहत छात्रों के दाखिले में सावधानी बरतें और विश्वविद्यालय के दिशा-निर्देशों का सख्ती से पालन करें। यह निर्देश 25 अगस्त को न्यायमूर्ति विकास महाजन की पीठ ने टेनिस खिलाड़ी की याचिका पर सुनवाई के दौरान दिया। याचिका अदिति रावत नाम की एक छात्रा ने दायर की थी, जिन्होंने डीयू के हिंदू कॉलेज में खेल कोटा के तहत दाखिला मांगा था। सीबीएसई नेशनल्स में स्वर्ण पदक विजेता अदिति ने अपनी याचिका में हिंदू कॉलेज प्रशासन से शैक्षणिक सत्र 2025-26 के लिए खेल कोटा के तहत एक सीट आरक्षित करने की मांग की थी। हालांकि, सुनवाई के दौरान यह सामने आया कि उनको डीयू के लेडी श्री राम कॉलेज फॉर वीमेन में दाखिला मिल चुका है। उनके वकील जीतेंद्र गुप्ता ने कोर्ट से अनुरोध किया कि भविष्य में डीयू से संबद्ध कॉलेजों को विश्वविद्यालय के सूचना बुलेटिन में दिए गए दिशा-निर्देशों का पालन करने के लिए, एक टिप्पणी आदेश में शामिल की जाए। बुलेटिन में शैक्षणिक सत्र 2025-26 के लिए ईसीए और खेल कोटा के तहत 5 प्रतिशत सीटों को अनिवार्य रूप से आरक्षित करने का प्रावधान है। न्यायमूर्ति महाजन ने अपने आदेश में कहा, उपरोक्त तथ्यों को देखते हुए, यह अपेक्षा की जाती है कि दिल्ली विश्वविद्यालय के कॉलेज भविष्य में ईसीए और खेल कोटा के तहत सीटों के संबंध में विश्वविद्यालय के दिशा-निर्देशों का सावधानीपूर्वक पालन करेंगे, जो शैक्षणिक सत्र 2025-26 के सूचना बुलेटिन के अनुसार अनिवार्य है।

सुपरटेक का दावा, 15 हजार खरीदार अब भी कर रहे घर का इंतजार

नई दिल्ली। दिवालियापन प्रक्रिया का सामना कर रही संकटग्रस्त रियल्टी फर्म सुपरटेक लिमिटेड ने पिछले तीन वर्षों में 6,121 फ्लैट अपने ग्राहकों को सौंपे हैं। कंपनी के पूर्व निदेशक आरके अरोड़ा ने बताया कि ये इकाइयां 16 निर्माणाधीन परियोजनाओं में राष्ट्रीय कंपनी कानून अधिकरण (एनसीएलटी) की ओर से नियुक्त रिजॉल्यूशन प्रोफेशनल की देखरेख में सौंपी गई हैं। हालांकि, अभी भी 15,000 फ्लैट सौंपे जाने बाकी हैं। 25 मार्च 2022 को एनसीएलटी ने सुपरटेक लि. को कॉर्पोरेट दिवालियापन समाधान प्रक्रिया (सीआईआरपी) में भेजा था। इसके खिलाफ प्रमोटर ने राष्ट्रीय कंपनी कानून अपीलीय अधिकरण (एनसीएलएटी) में अपील दायर की। जून 2022 में एनसीएलएटी ने केवल परियोजना के लिए लेनदारों की समिति (सीओसी) गठित करने का निर्देश दिया, जबकि अन्य परियोजनाओं को पूर्व प्रबंधन द्वारा अंतरिम रिजॉल्यूशन प्रोफेशनल (आईआरपी) की देखरेख में पूरा करने का आदेश दिया गया। सोमवार को एक बयान में, सुपरटेक लि. के निलंबित बोर्ड के पूर्व अध्यक्ष आरके अरोड़ा ने कहा कि कंपनी ने 10 जून, 2022 से रिवर्स दिवालियापन के दौरान 16 निर्माणाधीन परियोजनाओं में 6,121 फ्लैट सौंपे हैं। ये परियोजनाएं नोएडा, ग्रेटर नोएडा और मेरठ में हैं। यह उपलब्धि कंपनी के पूर्व प्रबंधन ने रिजॉल्यूशन प्रोफेशनल की निगरानी में हासिल की है। अरोड़ा ने बताया कि कंपनी अगले तीन महीनों में 1,000 और फ्लैट सौंपने की योजना बना रही है। अरोड़ा ने बताया कि सुपरटेक और एपेक्स हाइट्स प्रा. लि. ने संयुक्त रूप से सुप्रीम कोर्ट में 16 निर्माणाधीन परियोजनाओं को सह-डेवलपर के रूप में पूरा करने के लिए एक समाधान योजना पेश की है। इस योजना के तहत, एपेक्स हाइट्स 12 महीनों में 500 करोड़ रुपये का निवेश करेगा। यह निवेश निर्माण कार्य पूरा करने, इकाइयां आवंटियों को सौंपने, और ऋणदाताओं व भूमि प्राधिकरणों को भुगतान करने के लिए होगा। दो वर्ष में परियोजनाएं पूरी करने का लक्ष्य : अरोड़ा ने कहा कि यदि सुप्रीम कोर्ट इस संयुक्त समाधान योजना को मंजूरी देता है, तो सभी 16 परियोजनाएं दो वर्षों में पूरी हो सकती हैं। यह खरीदारों के लिए एक बड़ी राहत होगी, जो लंबे समय से अपनी इकाइयों का इंतजार कर रहे हैं। इस योजना से कंपनी की वित्तीय स्थिति को भी स्थिर करने में मदद मिल सकती है। पिछले महीने, एनसीएलएटी ने सुपरटेक ग्रुप की कंपनी, सुपरटेक रियल्टर्स के खिलाफ दिवालियापन कार्यवाही का रास्ता साफ किया। यह कंपनी नोएडा में सुपरनोवा परियोजना विकसित कर रही है, जिसमें आवासीय फ्लैट, कार्यालय, रिटेल स्थान और एक लक्जरी होटल शामिल हैं। भविष्य पर और स्पष्टता की उम्मीद है। सुपरटेक की यह प्रगति उन खरीदारों के लिए उम्मीद की किरण है जो वर्षों से अपने घर का इंतजार कर रहे हैं। कंपनी का अगले तीन महीनों में 1,000 और फ्लैट सौंपने का लक्ष्य और सुप्रीम कोर्ट में प्रस्तुत समाधान योजना खरीदारों को राहत दे सकती है। हालांकि, 15,000 फ्लैट के सौंपे जाने का इंतजार अभी भी एक बड़ी चुनौती है।

दिहाड़ी पर नाबालिग से नशीले पदार्थ की तस्करी कराने पर दंपती गिरफ्तार

नई दिल्ली। पांच सौ रुपये देकर एक नाबालिग से नशीले पदार्थ की तस्करी करवाने वाले दंपती को रणहौला थाना पुलिस ने गिरफ्तार किया है। पुलिस ने नाबालिग को भी पकड़ लिया है। इनके कब्जे से पुलिस ने 1084 ग्राम गांजा और 781 क्वार्टर अवैध शराब बरामद की है। पुलिस दंपती से पूछताछ कर धंधे में शामिल अन्य आरोपियों की पहचान करने और उनकी धर पकड़ करने में जुटी है। बाहरी जिला पुलिस उपायुक्त सचिन शर्मा ने बताया कि 29 अगस्त की रात रणहौला थाना पुलिस बापरोला इलाके में गश्त कर रही थी। पुलिस ने बैरागी रोड सत्यम विहार फेज-2 के पास एक पुरुष और एक महिला को हाथों में पॉलीथीन बैग लेकर जाते देखा। पुलिस टीम को देखते ही दोनों तेजी से एक घर में घुस गए। सूचना पर थाने से अतिरिक्त पुलिस कर्मी महिला सदस्यों के साथ वहां पहुंची। पुलिस टीम ने घर खुलवाया। पुलिस ने सिद्धांत और उसकी पत्नी को हिरासत में लेकर पॉलीथिन की तलाशी ली। साथ ही घर में मौजूद नाबालिग से पूछताछ की। पॉलीथिन की तलाशी में 1084 ग्राम गांजा मिला। घर से पुलिस को 781 अवैध शराब की पेटियां मिली। पूछताछ में सिद्धांत ने बताया कि वह अपनी पत्नी और नाबालिग के साथ मिलकर गांजा और शराब के अवैध कारोबार में सक्रिय रूप से शामिल था। नाबालिग ने बताया कि दंपती पांच सौ रुपये की दैनिक मजदूरी देकर उनसे नशीली पदार्थों की तस्करी करवा रहे थे। पुलिस ने इनके खिलाफ मादक द्रव्य अधिनियम और आबकारी अधिनियम के तहत मामला दर्ज कर लिया है।

कृषि विभाग कार्यालय पर जड़ा ताला, फिर धरने पर बैठ गए किसान

मथुरा। मक्का फसल खराब होने से प्रभावित किसान को लेकर भारतीय किसान यूनियन (अराजनैतिक) के पदाधिकारी एवं किसानों ने बृहस्पतिवार को जिला कृषि अधिकारी कार्यालय का घेराव किया। बार-बार मांग के बावजूद प्रभावित किसानों की सूची न मिलने से आक्रोशित किसानों ने कार्यालय के मुख्य गेट पर ताला जड़ दिया और वहीं धरने पर बैठ गए। इस दौरान कर्मचारी अंदर ही बंद हो गए। आनन-फानन में जिला कृषि अधिकारी ने मौके पर पहुंचकर 54 प्रभावित किसानों की सूची सौंपी। इसके बाद धरना समाप्त हुआ। किसान नेताओं ने आरोप लगाया कि कृषि विभाग जानबूझकर कंपनी को फायदा पहुंचाने के लिए प्रभावित किसानों की सूची छिपा रहा था। किसानों ने साफ कहा कि जब तक खराब बीज से हुए नुकसान का समाधान और एक-एक पीड़ितों को उचित मुआवजा नहीं मिलेगा, तब तक उनका संघर्ष जारी रहेगा। विभाग द्वारा सौंपी गई 54 किसानों की सूची को भी किसान नेताओं ने शक के दायरे में खड़ा कर दिया है। इस सूची को तैयार करने में भी बड़ी हेराफेरी की गई है, ताकि कागजों में नुकसान को कम दिखाया जा सके और कई पात्र किसानों के नाम काट दिए गए हैं।

एम्स डॉक्टरों को एडवांस रोबोटिक सर्जरी के सिखा रहा गुर

नई दिल्ली। अखिल भारतीय आयुर्विज्ञान संस्थान (एम्स) सर्जिकल रेजिडेंट डॉक्टरों को एडवांस रोबोटिक और लेप्रोस्कोपिक सर्जरी के गुर सिखा रहा है। जिससे मरीज की सर्जरी के लिए उन्हें कम से कम चीर-फाड़ की जरूरत पड़े। इस संबंध में एम्स के सर्जिकल अनुशासन विभाग की ओर से 11वें सतत चिकित्सा शिक्षा (सीएमई) और 63वें वार्षिक दिवस समारोह का आयोजन किया जा रहा है। इस संबंध में सर्जिकल अनुशासन विभाग में प्रोफेसर डॉ. हिमांग कुमार ने बताया कि देशभर के सर्जिकल रेजिडेंट डॉक्टरों को प्रशिक्षण दिया जा रहा है। इसमें पोस्ट ग्रेजुएट और अंडर ग्रेजुएट एमबीबीएस छात्र भी शामिल हैं। सर्जिकल रेजिडेंट डॉक्टरों को अलग-अलग मॉडल पर ऑपरेशन करने का प्रशिक्षण दे रहे हैं। विभाग प्रमुख प्रो. सुनील चुंबर के मार्गदर्शन में सर्जिकल रेजिडेंट डॉक्टरों के लिए यह कार्यशाला आयोजित हो रही है। इसमें देश के अलग-अलग कोने से आए 100 सर्जिकल रेजिडेंट डॉक्टर हिस्सा ले रहे हैं। इसमें रोबोटिक सर्जरी करना, लेप्रोस्कोपिक सर्जरी करना और ओपन सर्जरी करना सिखाया जा रहा है। इस पूरे कार्यक्रम का उद्देश्य सैद्धांतिक ज्ञान और व्यावहारिक अनुप्रयोग के बीच की खाई को पाटना है। सर्जरी प्रशिक्षण के लिए दो रोबोटिक मशीन की मदद ली जा रही है।

एसडीपीआई के राष्ट्रीय अध्यक्ष एमके फैजी की जमानत अर्जी खारिज

नई दिल्ली। पटियाला हाउस कोर्ट ने सोशल डेमोक्रेटिक पार्टी ऑफ इंडिया (एसडीपीआई) के राष्ट्रीय अध्यक्ष एमके फैजी की जमानत अर्जी खारिज कर दी है। प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) ने उनके खिलाफ धनशोधन का मामला दर्ज किया है। विशेष न्यायाधीश चंदरजीत सिंह की अदालत ने आदेश पारित करते हुए कहा कि रिकॉर्ड पर मौजूद सामग्री और एजेंसी के तर्कों को देखते हुए आरोपी को जमानत नहीं दी जा सकती। कोर्ट ने फैजी के पिछले आचरण को भी अहम माना, जिसमें उन्होंने ईडी के समन के बावजूद पेशी से इन्कार किया था। कोर्ट ने कहा कि यह दर्शाता है कि आरोपी ने कानून की प्रक्रिया से बचने की कोशिश की। इस प्रकार, उसके पिछले आचरण से यह अनुमान लगाया जा सकता है कि उसके फरार होने की आशंका है। कोर्ट ने कहा कि फैजी एक राजनीतिक दल के अध्यक्ष हैं और अपनी स्थिति का प्रभाव इस्तेमाल कर सकते हैं। फैजी को मार्च 2024 में इंदिरा गांधी अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे से ईडी ने गिरफ्तार किया था।

महिला की हत्या में फरार आरोपी की जमानत खारिज

नई दिल्ली। दिल्ली हाईकोर्ट ने पश्चिम विहार में अगस्त 2004 में एक महिला की गला दबाकर हत्या के मामले में फरार रहे आरोपी नरेंद्र कुमार बब्बर उर्फ डैडी को जमानत देने से इन्कार कर दिया है। न्यायमूर्ति स्वर्ण कांता शर्मा की पीठ ने कहा कि आरोप गंभीर हैं और प्राथमिक साक्ष्य से आरोपी के खिलाफ मामला बनता है। अदालत ने बताया कि ट्रायल कोर्ट ने 28 फरवरी 2007 को बब्बर को भगोड़ा घोषित किया था। याचिका के अनुसार, 27 अगस्त 2004 को बब्बर ने पश्चिम विहार में पीड़िता के घर में घुसकर उसके साथ बदसलूकी की और गला दबाकर हत्या कर दी। बब्बर के फरार होने के बाद ट्रायल कोर्ट ने 2007 में उसे भगोड़ा घोषित किया था। 17 मार्च 2023 को उसे पकड़ा गया। ट्रायल कोर्ट ने 10 जनवरी 2025 को उसकी जमानत याचिका खारिज कर दी थी।

रिटायर्ड प्रोफेसर को सात दिन रखा डिजिटल अरेस्ट

नोएडा। साइबर जालसाजों ने मनी लॉड्रिंग केस में फंसाने की धमकी देकर एक रिटायर्ड प्रोफेसर से 1.02 करोड़ रुपये की ठगी कर ली। जालसाजों ने डरा धमका कर पीड़ित को सात दिन तक डिजिटल अरेस्ट रखा और ठगी की वारदात को अंजाम दिया। इस मामले में पीड़ित की तरफ से पुलिस से शिकायत की गई। साइबर क्राइम थाने में मुकदमा दर्ज किया गया है। नोएडा पुलिस मामले की जांच कर रही है। नोएडा सेक्टर-30 में रहने वाले 92 वर्षीय बुजुर्ग एक कॉलेज से सेवानिवृत प्रोफेसर हैं। उनके पास 26 अगस्त को एक शख्स ने कॉल की और खुद को ट्राई का कर्मचारी बताया। उसने कहा कि आपका नंबर मनी लॉड्रिंग केस की जांच में शामिल है। इसके बाद उसने कथित पुलिस अधिकारियों से वीडियो कॉल पर बात कराई। कथित पुलिस अधिकारियों ने वीडियो कॉल पर बताया कि आपका नाम जेट एयरवेज के नरेश गोयल के मनी लॉड्रिंग केस में आ रहा है। जालसाजों ने बुजुर्ग को कहा कि आप जांच में सहयोग करें, नहीं तो कार्रवाई की जाएगी। इससे बुजुर्ग डर गए और झांसे में आ गए। इसके बाद जालसाजों ने सात दिन तक डिजिटल अरेस्ट रखा और 1 करोड़ 2 लाख रुपये ट्रांसफर करा लिया। इस दौरान जालसाजों ने कहा कि जांच के बाद क्लीन चिट मिलने पर रकम वापस कर दी जाएगी। इसके बाद बुजुर्ग को ठगी का अंदेशा हुआ और इसकी शिकायत पुलिस से की। एडीसीपी साइबर शैव्या गोयल का कहना है कि इस मामले में मुकदमा पंजीकृत कर लिया गया है और उन खातों के बारे में पता किया जा रहा है। जिनमें रकम ट्रांसफर कराए गए हैं। जालसाजों ने बुजुर्ग को जब वीडियो कॉल पर लिया और बातचीत शुरू की।

दिल्ली में अदृश्य दुश्मन: हवा में उड़ रहा घातक बैक्टीरिया

नई दिल्ली। दिल्ली की हवा लंबे समय से प्रदूषण के लिए कुख्यात रही है, लेकिन अब एक नए अध्ययन ने और भी गंभीर खतरे का खुलासा किया है। हवा में न केवल धूल और जहरीली गैसें, बल्कि रोग पैदा करने वाले बैक्टीरिया भी बड़ी मात्रा में मौजूद हैं, जो दिल्लीवासियों के लिए गंभीर स्वास्थ्य जोखिम पैदा कर रहे हैं। ये बैक्टीरिया सांस के जरिए शरीर में प्रवेश कर फेफड़ों, पेट, त्वचा और मुंह से जुड़ी कई बीमारियों को जन्म दे सकते हैं। बोस इंस्टीट्यूट के वैज्ञानिकों की तरफ से किए गए एक ताजा शोध ने दिल्ली की हवा में खतरनाक बैक्टीरिया की मौजूदगी को उजागर किया है। यह शोध एक पत्रिका में प्रकाशित हुआ है। अध्ययन के अनुसार, दिल्ली जैसे घनी आबादी वाले क्षेत्रों में हवा में रोगजनक बैक्टीरिया की मात्रा ग्रामीण या कम भीड़ वाले इलाकों की तुलना में दोगुनी है। ये बैक्टीरिया सांस, पेट, त्वचा और मुंह से संबंधित कई गंभीर बीमारियों का कारण बन सकते हैं। शोध में पाया गया कि हवा में मौजूद पीएम2.5 कण, जो बेहद सूक्ष्म धूलकण हैं, बैक्टीरिया के लिए वाहक का काम करते हैं। ये कण बैक्टीरिया को हवा में लंबी दूरी तक ले जाते हैं और सांस के जरिए हमारे फेफड़ों तक पहुंचाते हैं। इस तरह, पीएम2.5 न केवल प्रदूषण, बल्कि बैक्टीरिया के प्रसार का भी माध्यम बन रहा है। विशेषज्ञों के अनुसार, दुनिया के सबसे प्रदूषित शहरों में दिल्ली एक है, जो सिंधु-गंगा के मैदानी इलाकों में बसी है

NAME CHANGE

I, ABDUL TAWWAB S/O Shri Abdul Rehman Resident of House No. C-16, Abhimanyu Gali, Near Babu Ram Chowk, Arjun Mohalla, Moujpur, Delhi-110053 have changed my name ABDUL TAUWAB to ABDUL TAWWAB for all future purposes.

NAME CHANGE

I, SIDDHARATH RANA S/O BHAGWAN RANA residing at H NO-1074, SIRASPUR, DELHI-110042 have changed my name to SIDDHARTH RANA for all future purpose.

NAME CHANGE

I Kapil Kumar Yadav S/o Dinesh Yadav R/o House No-523 P, Sector-14,Gurgaon,Haryana-122001, Have Changed My Name To Kapil Yadav For All Purpose

NAME CHANGE

I, Pradeep Kumar S/o Prem Chand R/o D-754/A, Gali No.1, Ashok Nagar, Shahdara, Delhi-110093 have changed the name of my minor son from Arjun to Arjun Vaidwan.

NAME CHANGE

I, Anupama D/o Pradeep Kumar R/o D-754/A, Gali No.1, Ashok Nagar, Shahdara, Delhi-110093 have changed my name to Anupama Chaudhary.

NAME CHANGE

I, VINOD KUMAR S/O UDAY SINGH residing at FLAT NO-G-3/8, NEAR DDA WATER TANK, SECTOR-4, ROHINI, DELHI-110085 have changed my name to VINOD KUMAR KUSHWAHA for all future purpose.

NAME CHANGE

I Manoj Ram S/o Ram Bilash Ram R/o Flat No-6, Tower-8,Hamelia Street,IRIS,Vatika City, Sector-49, Gurgaon, Haryana-122018, Have Changed My Name To Manoj Kumar For All Purpose

NAME CHANGE

I Taran Preet Singh Kochhar S/o Manpreet Singh Kochhar R/o 10C/80 SFS Flats Green View Appartment Mayapuri Road Hari Nagar West Delhi-110064 Have Change My Given Name Taranpreet Singh and Surname Kochhar for all purpose.

NAME CHANGE

I, DEEPAK KUMAR VERMA S/O PARTAP SINGH resident of H.No.16, Tara Nagar Main Kakrola Road, Kakrola, South West Delhi, Delhi-110078 have changed the name of my minor daughter SHREYA ALIAS SHREYA VERMA aged 13 years, and she shall hereafter be known as SHREYA VERMA.

NAME CHANGE

I hitherto known as SAMEERA SINGH D/O SUDHIR KUMAR SINGH residing at Flat No.E-1058, River Heights, Raj Nagar, Extension, Tower-15, Ghaziabad, U.P.-201001, have changed my name and shall hereafter be known as SAMEERA SINGH AMETHIA.

NAME CHANGE

I, Sushma D/O Shambu Prasad Dharmana W/O Vinod Kumar R/O B-6 Police Colony Mandir Marg New Delhi 110001 Have changed my name to Sushma Badola for all future purposes.

NAME CHANGE

I Swaran Kaur Sawhney W/o Prith Pal Singh R/o 10C/80 SFS Flats Green View Appartment Mayapuri Road Hari Nagar West Delhi-110064 Have Changed My Name to Swaran Kaur for all purpose.

PUBLIC NOTICE

It is for general information that I, Rahul Vishwakarma S/o H.P. Vishvakarma R/o J-4, Ground Floor Gandhi Market, Mir Dard Road, Minto Road, Indraprastha, Central Delhi, Delhi-110002 declare that name of mine has been wrongly written as Rahul Kumar Vishvakarma in my minor daughter namely Anika Vishvakarma aged 5 years in his School Records. The actual name of mine is Rahul Vishwakarma.

PUBLIC NOTICE

It is for general information that 1 INDU CHAUHAN W/O NARENDER SINGH CHAUHAN R/O N-129/1, T-HUTS, KHILONA BAGH DIST NORTH WEST DELHI-110009 declare that name of mine has been wrongly written as INDU KANWAR in my minor son namely HARSH VARDHAN SINGH CHAUHAN aged 13 years in his school record and birth certificate No. MCDOLIR - 2211-005020356. The actual name of mine is INDU CHAUHAN which may be amended accordingly

PUBLIC NOTICE

It is for general information that CHANDER VEER S/O RAM JI LAL R/O Q-157 Vikas Vihar Uttam Nagar West Delhi Delhi-110059 declare that name of mine has been wrongly written as CHANDER PAL in my minor daughter namely KIRTI aged 15 years in her birth certificate No.MCDOLIR-0110-004425168. The actual name of mine is CHANDER VEER which may be amended accordingly

PUBLIC NOTICE

It is for general information that I, BALJEET SINGH S/o GURCHARAN SINGH R/o 12/32, Geeta Colony, East Delhi-110031 declare that name of mine, my wife and my minor daughter has been wrongly written as BALJEET SINGH CHUGH, GURPREET KAUR CHUGH, JASLEEN KAUR CHUGH in my minor daughter JASLEEN KAUR aged 16 years in her 10th class Educational Documents. The actual name of mine, my wife and my minor daughter are BALJEET SINGH, GURPREET KAUR and JASLEEN KAUR respectively, which may be amended accordingly.

NAME CHANGE

I, MOGHAL FATHIMA BAIG Wife of JC-335017L Rank-NB/SUB Name-MOGHAL MOHAMMAD BAIG Presently residing at 9-5-5, ANDHRA RATNA NAGAR, PERALA HIGH SCHOOL, PERALA, CHIRALA PRAKASAM DISTRICT, ANDHRA PRADESH-523157, have changed my name from MOGHAL FATHIMA BAIG to FATHIMA SHAIK for all future purposes vide Affidavit dated 16/07/2025 before First Class Magistrate, Shillong, Meghalaya.

NAME CHANGE

I Jugal Kishor S/o Lila Dhar R/o H.No-196 S/F, Kh.No-619/21, Chattar Pur, South Delhi, Delhi-110074 have changed the name of my minor daughter namely Krishna Devi aged 16 years and she shall hereafter be known as Priya.

NAME CHANGE

I hitherto known as Farman S/o Akeel Ahmed R/o B 272/27, Gali No 4, Subhash Mohalla North Ghonda, Garhi Mendu, Bhajan Pura, North East, Delhi-110053 have changed my name and shall hereafter be known as Farman Ahmed.

NAME CHANGE

I hitherto known as Atif S/o Manzoor Khan R/o 1/99-C, 4F/F, Gali No-5, Guru Harkrishan School Wali Gali, Kabir Nagar, Gokal Pur, North East Delhi, Delhi-110094 have changed my name and shall hereafter be known as Atif Khan.

NAME CHANGE

I hitherto known as Aakash S/o Makan Singh Rawat R/o 2087/5, Gali No.20, Prem Nagar Patel Nagar, Patel Nagar S.O, Central Delhi, Delhi-110008 have changed my name and shall hereafter be known as Akash Rawat.

NAME CHANGE

I hitherto known as Sanam Kumari W/o Samarjeet Gupta R/o E-400-D, Block-E, Ashok Nagar, Vasundhra Enclave, East Delhi, Delhi, Delhi-110096 have changed my name and shall hereafter be known as Sonam Sav.

NAME CHANGE

I hitherto known as Laxman Yadav alias Bhavikshan Yadav S/O Bechan Yadav R/O Gram Debra, Post Bela, Thana Babubarhi, Ward No-02, Bela, PO Bela, Dist Madhubani, Bihar-847224 have changed my name and shall hereafter be known as Bhavikshna Yadav.

NAME CHANGE

I Tajinder Kaur W/o Jaspreet Singh Baweja R/o 52/43 Ramjas Road Karol Bagh Delhi -110005 Have Changed My Name To Tajinder Kaur Baweja For All Purpose.

NAME CHANGE

I, Sansare Amrut Narayan father of No.4580889H Rank-Hav Name Sansare Ravindra Amrut residing at Vill. Deolali Pravara, Tehsil - Rahuri, District.Ahilyanagar, Maharashtra - 413716 have changed my name from Sansare Amrut Narayan to Amrut Narayan Sansare vide affidavit dated 15.07.2025 executed before Notary Public, Delhi.

NAME CHANGE

I, NO-17007475L Rank-NK Name-JITENDRA GANGWAR S/O LATE NIRANJAN LAL GANGWAR R/O WARD NO-11, MOHALLA GYASPUR, NEAR BANGALI BABA MANDIR, BILASPUR, PILIBHIT, UTTAR PRADESH-262201 have changed my minor son's name from DAKSH GANGWAR to YASH GANGWAR for all future purposes vide Affidavit Dated 05/09/2023 before Notary Public, Delhi.

NAME CHANGE

I, NO-17007475L Rank-NK Name-JITENDRA GANGWAR S/O LATE NIRANJAN LAL GANGWAR R/O WARD NO-11, MOHALLA GYASPUR, NEAR BANGALI BABA MANDIR, BILASPUR, PILIBHIT, UTTAR PRADESH-262201 have changed my minor son's name from DAKSH GANGWAR to YASH GANGWAR for all future purposes vide Affidavit Dated 05/09/2023 before Notary Public, Delhi.

NAME CHANGE

I, ANITA BANSAL W/O PAWAN BANSAL residing at B-504, MAYURDHWAJ APARTMENT, I.P EXTN. EAST DELHI-110092 have Change my name to ANITA RANI BANSAL for all future purpose.

PUBLIC NOTICE

I Jyoti pal W/O Sunil Kumar R/O WZ-125, Village Begumpur, North West Delhi , -110086.declare that name of mine has been wrongly written as Jyoti in my minor Daughter Yashika aged 14 years in her school cords and birth certificate no MCDOLR09368299 .The actual my name is Jyoti Pal.

NAME CHANGE

I, PUNNAM DEVI Wife of No-14913053K Rank-HAV Name-NARENDER SINGH R/O C-7, LAXMI GARDEN, NAJAFGARH, NEW DELHI-110043 have changed my name from PUNNAM DEVI to POONAM DEVI for all future purposes vide Affidavit Dated 30/09/2023 before Executive Magistrate, Delhi.

NAME CHANGE

I, NEETAS DEVI Wife of No-3204848W Rank-HAV Name-DHARMENDRA SINGH R/O VILL-BISHUNDAS, PO-MURSAN, DISTT-HATHRAS, U.P-204213 have changed my name from NEETAS DEVI to NITESH DEVI for all future purposes vide Affidavit Dated 30/09/2023 before Notary Public, Delhi.

NAME CHANGE

I, hitherto known as ASHISH KUMAR RATHOR S/O PURAN LAL R/O Q-48, RAJEEV NAGAR BEGUM PUR, NORTH WEST DELHI, DELHI-110086, have changed my name and shall hereafter be known as RAZA AHMED.

NAME CHANGE

I, SANJAY KUMAR CHOUDHARY S/o LATE SH. LAXMAN CHAUDHARY Permanent R/o Parsauni Khirodhar, Sitamarhi, Bihar-843325 and Presently Residing at Plot No. B-20, Second Floor, Dass Garden, Baprola Vihar, Najafgarh, New Delhi-110043. declare that name of mine has been wrongly written as SANJAY CHOUDHARY in my minor daughter namely SHIWANGI CHOUDHARY aged 17 years in her 10th class Marksheet. The actual name of mine is SANJAY KUMAR CHOUDHARY, which may be amended accordingly.

NAME CHANGE

I, VINOD KUMAR S/O UDAY SINGH residing at FLAT NO-G-3/8, NEAR DDA WATER TANK, SECTOR-4, ROHINI, DELHI-110085 have changed my name to VINOD KUMAR KUSHWAHA for all future purpose.

NAME CHANGE

I, SANTOSH KUMAR S/O VISHVA NATH PRASAD residing at PLOT NO-58&59, FLAT NO-B-2, STREET NO-5, HAVENS GARDEN MATIALA, DELHI-110059 have changed my name to SANTOSH KUMAR GUPTA for all future purposes

NAME CHANGE

I, Anil Balakrishna Panicker s/o Angakattil Narayan Balakrishna Panicker R/o A-6/334-A, Janta Flats, Paschim Vihar, Delhi-110063, have changed my name to Anil Bala Panicker permanently.

PUBLIC NOTICE

It is for general information that I, NIDHI AGGARWAL YADAV D/o VIRENDER KUMAR AGGARWAL, and Ex. Wife of AMIT YADAV, R/o H.No E-12, Hauz Khas, South West Delhi-110016, declare that I got divorce from my Ex. Husband AMIT YADAV vide Court Decree HMA No. 603/2019 dated 30 - 04-2019, further I have changed my name and shall hereafter be known as NIDHI AGGARWAL. I also have changed the name of my minor Son namely AAYAN YADAV, aged 16 years and my minor daughter namely ARSHIYA YADAV, aged 13 years and they shall hereafter be known as AAYAN AGGARWAL and ARSHIYA AGGARWAL respectively, which may be amended accordingly.

NAME CHANGE

I Taran Preet Singh Kochhar S/o Manpreet Singh Kochhar R/o 10C/80 SFS Flats Green View Appartment Mayapuri Road Hari Nagar West Delhi-110064 Have Change My Given Name Taranpreet Singh and Surname Kochhar for all purpose.

NAME CHANGE

I, S VANITHA W/o No. 14838283N Rank-HAV/MT Name-RAMESH P R/o VILL-SEDRAMPUTTU, PO-SEDRAMPUTTU, TEH-POLUR, DIST-THRUVANNAMALAI, TAMIL NADU-632315, have changed my name from S VANITHA to VANITHA R for all future purposes vide Affidavit dated 15/07/2025 before Notary Public, Kupwara.

NAME CHANGE

I, SH AUTAR SINGH Father of JC-413677X Rank-SUB MAJ Name-BHAGAT SINGH presently residing at VILL-BILTIYA SUKOLI TALLI, PO-DHAUNTIYAL, DIST-PAURI GARHWAL, UTTARAKHAND-246155 have changed my name from SH AUTAR SINGH to AVTAR SINGH for all future purposes vide affidavit dated 12/03/2024 before Notary Public, Delhi.

NAME CHANGE

I, NO-17007475L Rank-NK Name-JITENDRA GANGWAR S/O LATE NIRANJAN LAL GANGWAR R/O WARD NO-11, MOHALLA GYASPUR, NEAR BANGALI BABA MANDIR, BILASPUR, PILIBHIT, UTTAR PRADESH-262201 have changed my minor son's name from DAKSH GANGWAR to YASH GANGWAR for all future purposes vide Affidavit Dated 05/09/2023 before Notary Public, Delhi.

PUBLIC NOTICE

It is for general information that I, BALJEET SINGH S/o GURCHARAN SINGH R/o 12/32, Geeta Colony, East Delhi-110031 declare that name of mine, my wife and my minor daughter has been wrongly written as BALJEET SINGH CHUGH, GURPREET KAUR CHUGH, JASLEEN KAUR CHUGH in my minor daughter JASLEEN KAUR aged 16 years in her 10th class Educational Documents. The actual name of mine, my wife and my minor daughter are BALJEET SINGH, GURPREET KAUR and JASLEEN KAUR respectively, which may be amended accordingly.

NAME CHANGE

I, Kulsum w/o Rozuddin R/o B-17, Gali No.3A, Near Mohalla Dilshad Masjid, Old Mustafabad, Delhi-110094, have changed my name to Kulsoom for all future purposes.

कौमी पत्रिका

संपादक-गुरचरन सिंह बब्बर

स्वामी मुद्रक एवं प्रकाशक, गुरचरन सिंह बब्बर ने कौमी पत्रिका प्रिंटिंग प्रेस, सेक्टर ए-4/ए-144 इंडस्ट्रीयल एरिया ट्रोनिका सिटी लोनी (गाजियाबाद), उत्तर प्रदेश से छापकर प्रकाशित किया।

Corporate Office: 5, Bahadurshah Zafar Marg ITO, New Delhi-110002

फोन : 011-41509689, 23315814

मोबाइल नंबर : 9312262300

E - mail address : qpatrika@gmail.com

Website: www.qaumipatrika.in

R.N.I. No. UP-HIN/2007/21472

Legal Advisors:
Advocate Mohd. Sajid
Advocate Dr. A.P.Singh
Advocate Manish Sharma
Advocate Pooja Bhaskar Sharma

संक्षिप्त समाचार

फ्रांस में मानव तस्करी का दोषी ब्रिटेन में फर्जी पहचान के साथ रहता मिला

पेरिस, एजेंसी। फ्रांस में मानव तस्करी के मामले में पांच साल की जेल की सजा पा चुका इराकी कुर्द मूल का टवाना जमाल अब ब्रिटेन के लीसेस्टरशायर में रह रहा है और कथित तौर पर शरण मांग रहा है। बीबीसी की जांच में दावा किया गया है कि वह फर्जी नाम से रह रहा है, अवैध रूप से काम कर रहा है और बिना वैध ड्राइविंग लाइसेंस के वाहन चला रहा है। बीबीसी के अनुसार जमाल को 2016 में फ्रांस की अदालत ने मानव तस्करी के मामले में दोषी ठहराया था। अभियोजन पक्ष का आरोप था कि वह डनकर्क के प्रवासी शिविरों से अवैध प्रवासियों को इंग्लिश चैनल पार कराकर ब्रिटेन भेजने का नेटवर्क चलाता था और इससे हर सप्ताह करीब एक लाख पाउंड तक कमाता था। जांच के दौरान बीबीसी ने उसे लीसेस्टरशायर के ब्लैबी गांव में स्थित एक मिनी-मार्ट में काम करते देखा। रिपोर्ट के मुताबिक उसने खुद को 'सुल्तान' बताया, सामना होने पर उसने कहा कि उसने ब्रिटेन में शरण के लिए आवेदन किया है और अभी फैसला लंबित है। हालांकि, उसने मानव तस्करी और फ्रांस में जेल जाने के आरोपों से इनकार किया।

पाकिस्तान तक्षशिला के दो स्थलों से हटाए पुनर्निर्माण : यूनेस्को

वाशिंगटन, एजेंसी। यूनेस्को ने पाकिस्तान सरकार को तक्षशिला के दो ऐतिहासिक स्थलों मोहरा मोरादु और सिरकप में किए गए पुनर्निर्माण को तुरंत हटाने की चेतावनी दी है। पंजाब पुरातत्व विभाग ने आधुनिक पत्थरों और कंक्रीट से प्राचीन दीवारों की ऊंचाई बढ़ा दी थी, जिससे इसकी मौलिकता प्रभावित हो गई। पर्यटक की शिकायत पर यूनेस्को ने स्पष्ट किया कि यदि निर्माण को नहीं हटाया तो तक्षशिला को विश्व धरोहर की खतरे की सूची में डाल दिया जाएगा।

पाकिस्तान : घर पर ड्रोन से हमला तीन भाई-बहनों की मौत, 8 जख्मी

इस्लामाबाद, एजेंसी। पाकिस्तान के खैबर पख्तूनख्वा प्रांत में एक घर पर हुए संदिग्ध ड्रोन हमले में तीन भाई-बहनों की मौत हो गई और आठ अन्य घायल हो गए। घटना बुधवार देर रात बाजौर जिले के शिनकोट इलाके में हुई। यह इलाका पाकिस्तान-अफगानिस्तान सीमा के पास स्थित है। पुलिस ने बताया कि हमले में 15 और 8 साल के दो लड़कों और पांच साल की एक लड़की की मौत हो गई। यह तुरंत पता नहीं चल सका कि ड्रोन हमला किसने किया। किसी गुट ने हमले की जिम्मेदारी भी नहीं ली है।

जून में रिकॉर्ड भारतीय पर्यटकों से गुलजार रहीं नेपाल की वादियां

काठमांडू, एजेंसी। इस साल जून में नेपाल की वादियां भारतीय पर्यटकों से गुलजार रहीं। नेपाल पर्यटन बोर्ड अनुसार, पिछले महीने यहां हवाई यात्रा के जरिये रिकॉर्ड 41,809 भारतीय पर्यटक पहुंचे, जो पिछले साल के इसी महीने (32,662) की तुलना में 28% अधिक है। जून में नेपाल पहुंचने वाले कुल 91,363 विदेशी पर्यटकों में भारत के बाद अमेरिका (11,836), चीन (9,995), बांग्लादेश (4,322) और ब्रिटेन (2,500) का स्थान रहा। वहीं, पिछले छह महीने के आंकड़ों पर नजर डालें तो नेपाल में कुल 6,20,426 विदेशी पर्यटक पहुंचे, जो पिछले वर्ष से 7% अधिक है।

थाईलैंड : 11 साल के लड़के ने भिक्षुओं को कुचला, 8 की मौत

बैंकॉक , एजेंसी। थाईलैंड के उत्तर-पूर्वी क्षेत्र में बृहस्पतिवार को एक पिकअप ट्रक चला रहे 11 वर्षीय लड़के ने तीर्थयात्रा पर जा रहे भिक्षुओं के समूह को कुचल दिया। इस दुर्घटना में आठ लोगों की मौत हो गई। मुकदहन प्रांत के कुल 35 भिक्षु तीर्थयात्रा पर थे। गवर्नर वोरयान बूननारत ने कहा, पांच भिक्षु मौके पर ही मारे गए जबकि तीन अन्य भिक्षुओं ने अस्पताल में दम तोड़ा। पुलिस ने कहा, चालक ने वाहन पर नियंत्रण खोकर सड़क किनारे चल रहे समूह को रौंद दिया। बूननारत ने बताया कि 14 अन्य लोगों को अस्पताल में भर्ती कराया गया है, जिनमें से चार की हालत गंभीर है। स्थानीय पुलिस ने बताया कि लड़का फिलहाल हिरासत में है। पुलिस ने बताया कि हादसे के कारणों की जांच जारी है।

खामनेई के अंतिम संस्कार से पूर्व ईरान ने चेताया कहा-गलतफहमी से बचें

तेहरान, एजेंसी। ईरान ने इस्राइल-अमेरिका को देश पर किसी भी तरह के हमले के प्रति चेतावनी दी है। कहा कि आक्रामकता दिखाई तो जवाब भयंकर होगा। यह चेतावनी ऐसे समय पर दी गई है जब ईरान अपने सर्वोच्च नेता अयातुल्ला अली खामनेई के राजकीय अंतिम संस्कार की तैयारी कर रहा है। अंतिम संस्कार का जुलूस 4 जुलाई को तेहरान में शुरू होकर 9 जुलाई को उनके गृहनगर (मशहद) में दफनाने के साथ खत्म होगा।

रूस का कीव पर भीषण मिसाइल एवं ड्रोन हमला, 17 लोगों की मौत

कीव , एजेंसी। रूस ने गुरुवार रात यूक्रेन की राजधानी कीव पर मिसाइलों और ड्रोन से भीषण हमला किया जिसमें कम से कम 17 लोगों की मौत हो गई और 90 से अधिक अन्य घायल हो गए. हमलों के दौरान कई घंटों तक राजधानी में जोरदार धमाकों की आवाजें सुनाई देती रहीं. रूस ने इस हमले को यूक्रेन की ओर से मॉस्को के तेल प्रतिष्ठानों पर किए गए हमलों का प्रतिशोध बताया है. यूक्रेन के इन हमलों से रूस में ईंधन आपूर्ति प्रभावित हुई है और राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन पर दबाव बढ़ा है. बैलिस्टिक और क्रूज मिसाइलों तथा ड्रोन से किए गए इस हमले में राजधानी के कई हिस्सों में आवासीय इमारतों और नागरिक बुनियादी ढांचे को भारी नुकसान पहुंचा. यूक्रेन के राष्ट्रपति वोलोदिमीर जेलेंस्की और अन्य अधिकारियों की ओर से हमले को लेकर पहली बार सतर्क किए जाने के बाद बड़ी संख्या में लोगों ने सबवे स्टेशनों में शरण ली.

रूस के रक्षा मंत्रालय ने एक बयान में कहा कि यह हमला यूक्रेन की ओर से रूस के नागरिक बुनियादी ढांचे पर किए गए हमलों के जवाब में किया गया. हाल के सप्ताहों में रूस ने कीव पर अपने हमले और तेज कर दिए हैं। वहीं, यूक्रेन भी रूस के सैन्य ठिकानों और ऊर्जा प्रतिष्ठानों पर लगातार ड्रोन हमले कर रहा है, जिससे रूस के भीतर ईंधन की कमी पैदा हुई है और उसकी आपूर्ति शृंखला प्रभावित हुई है.

कीव के मेयर विताली क्लित्सको ने बताया कि हमले में 17 लोगों की मौत हुई है जबकि 90 से अधिक अन्य घायल हुए हैं. यूक्रेन के विदेश मंत्री आंद्री सिबिहा ने इस हमले को ''खौफनाक'' करार देते हुए सहयोगी देशों से यूक्रेन की वायु रक्षा क्षमता को और मजबूत करने की अपील की. उन्होंने कहा कि वायु रक्षा प्रणालियों और मिसाइलों की आपूर्ति से जुड़े फैसलों में अब और देरी नहीं की जानी चाहिए.

उन्होंने यूक्रेन के ड्रोन हमलों के जवाब में रूस की कार्रवाई को उचित ठहराने की किसी भी कोशिश को खारिज करते हुए कहा कि संयुक्त राष्ट्र चार्टर के अनुच्छेद 51 के तहत यूक्रेन आत्मरक्षा के अपने अधिकार का प्रयोग कर रहा है जबकि रूस ही आक्रामक रुख अपनाए हुए है.

कीव शहर के सैन्य प्रशासन के प्रमुख तिमूर तकाचेंको ने बताया कि हमले में आवासीय इमारतों और नागरिक बुनियादी ढांचे समेत शहर के 30 स्थानों को नुकसान पहुंचा है. यूक्रेन के गृह मंत्री इहोर क्लीमेंको ने बताया कि करीब 20 आवासीय इमारतें क्षतिग्रस्त हुई हैं. क्लित्स्को ने बताया कि देस्न्यांस्की जिले में एक क्षतिग्रस्त नौ मंजिला आवासीय इमारत में कुछ लोग फंस गए थे, जिन्हें निकालने के लिए बचाव दल को मौके पर भेजा गया. यूक्रेन की आपातकालीन सेवा के अनुसार, होलोसिएव्स्की जिले में 16 मंजिला एक इमारत की छत पर आग लग गई, जिसे बुझाने के लिए करीब 500 कर्मियों और 100 विशेष वाहनों को तैनात किया गया. रूस के रक्षा मंत्रालय ने दावा किया कि इस हमले में ''लंबी दूरी तक मार करने वाले हथियारों'' और ड्रोन का इस्तेमाल कर कीव तथा कीव क्षेत्र में सैन्य उद्योग से जुड़े प्रतिष्ठानों, ईंधन एवं ऊर्जा परिसरों और यूक्रेन के चार अन्य क्षेत्रों में स्थित सैन्य हवाई अड्डों के बुनियादी ढांचे को निशाना बनाया गया. मंत्रालय ने उन स्थानों की सूची भी जारी की, जिन्हें निशाना बनाए जाने का दावा किया गया है. इनमें अधिकांश यूक्रेन के ड्रोन, मिसाइल और उनके कलपुर्जों के निर्माण एवं संयोजन संयंत्र बताए गए हैं. यूक्रेन की वायु सेना के अनुसार, रूस ने इस हमले में 74 मिसाइलें दागीं, जिनमें 24 बैलिस्टिक मिसाइलें थीं. इसके अलावा विभिन्न प्रकार के 496 ड्रोन भी छोड़े गए.

इस बीच, यूक्रेन के जनरल स्टाफ ने दावा किया कि उसकी सेना ने रातभर चले अभियान में मॉस्को के पूर्व में स्थित निजनी नोवगोरोद क्षेत्र की रूस की सबसे बड़ी तेल रिफाइनरियों में से एक पर हमला किया, जिससे वहां आग लग गई. जनरल स्टाफ ने यह भी दावा किया कि यूक्रेनी सेना ने रूस के कब्जे वाले लुहान्स्क क्षेत्र में सिवेर्स्की दोनेत्स नदी पर बने एक रेलवे पुल को भी निशाना बनाया. उसके अनुसार, रूसी सेना इस पुल का इस्तेमाल सैनिकों, हथियारों और सैन्य सामग्री की आवाजाही के लिए कर रही थी।

यूएन हेडक्वार्टर के बाहर शख्स ने खुद को आग लगाई:अस्पताल में मौत; तिब्बती झंडे के साथ पहुंचा था, पुलिस ने जांच शुरू की

न्यूयॉर्क सिटी, एजेंसी। अमेरिका के न्यूयॉर्क में संयुक्त राष्ट्र (यूएन) मुख्यालय के बाहर गुरुवार को एक 52 साल के व्यक्ति ने खुद को आग लगा ली। उसके हाथ में तिब्बती झंडा था। सूचना मिलने पर पुलिस और इमरजेंसी टीम मौके पर पहुंची। गंभीर रूप से झुलसे व्यक्ति को अस्पताल ले जाया गया, जहां इलाज के दौरान उसकी मौत हो गई। न्यूयॉर्क पुलिस विभाग ने बताया कि फिलहाल यह साफ नहीं है कि व्यक्ति ने यह कदम क्यों उठाया। मामले की जांच की जा रही है। मृतक की पहचान अभी सार्वजनिक नहीं की गई है, क्योंकि उसके परिजनों को पहले सूचना दी जानी है। संयुक्त राष्ट्र के प्रवक्ता ने बताया कि घटना के वक्त सभी आधिकारिक बैठकें खत्म हो चुकी थीं। इसलिए यूएनके नियमित कामकाज पर इसका कोई असर नहीं पड़ा। आग की लपटों में घिरने के एक मिनट से भी कम समय में वह जमीन पर गिर पड़ा, जबकि ट्रैफिक चलता रहा और कई गाड़ियों के हॉर्न बजते रहे। पुलिस अधिकारी और सुरक्षाकर्मी तुरंत मौके पर पहुंचे और 15 सेकंड के भीतर आग बुझा दी। अधिकारियों ने बताया कि उस व्यक्ति को बेलेव्यू अस्पताल ले जाया गया, जहां उसे मृत घोषित कर दिया गया। इस बीच, तिब्बती झंडा लगभग एक घंटे तक घटनास्थल पर ही पड़ा रहा, जबकि पुलिस ने इलाके की घेराबंदी कर जांच-पड़ताल की। मौके पर मौजूद पुलिस को पर्चे इकट्ठा करते देखा गया, जिनमें से एक पर चीन तिब्बत से बाहर जाए का नारा लिखा था। यह संदेश आम तौर पर तिब्बती स्वतंत्रता आंदोलन से जुड़ा है, जिसे 'फ्री तिब्बत' अभियान के नाम से भी जाना जाता है। फ्री तिब्बत के अनुसार, 2009 से अब तक 150 से ज्यादा तिब्बतियों ने तिब्बत पर चीनी शासन के विरोध में आत्मदाह किया है। फ्री तिब्बत आंदोलन तिब्बतियों के आत्म-निर्णय के अधिकार की बहाली और तिब्बती बौद्ध धर्म के आध्यात्मिक नेता दलाई लामा की तिब्बत वापसी की वकालत करता है।

न्यूयॉर्क की एम्पायर स्टेट बिल्डिंग पर चढ़ा कपल, प्रपोज किया; दोनों गिरफ्तार

न्यूयॉर्क , एजेंसी। अमेरिका के न्यूयॉर्क में एक कपल सुरक्षा व्यवस्था को चकमा देकर एम्पायर स्टेट बिल्डिंग की चोटी पर चढ़ गया। दोनों ने वहां 'व्हेन द पावर ऑफ लव बीट्स द लव ऑफ पावर, द वर्ल्ड नोज पीस' लिखा बैनर लहराया और फिर एक-दूसरे को प्रपोज किया। इस पूरी घटना की तस्वीरें सोशल मीडिया पर वायरल हो गईं। इसके बाद पुलिस और इमरजेंसी सर्विस के जवान सीढ़ियों के जरिए दोनों तक पहुंचे और उन्हें सुरक्षित नीचे उतारा। एंजेला निकोलाउ और इवान कुजनेत्सोव के खिलाफ सेंधमारी, अवैध घुसपैठ, लापरवाही से जान खतरे में डालने और संपत्ति को नुकसान पहुंचाने समेत कई धाराओं में मामला दर्ज किया गया है। पुलिस अब यह जांच कर रही है कि दोनों प्रतिबंधित इलाके तक कैसे पहुंचे। यह कपल पहले भी ऊंची इमारतों पर खतरनाक स्टंट करने के लिए जाना जाता है और इन पर 2024 में 'स्काईवॉकर्स: अ लव स्टोरी' नाम की डॉक्यूमेंट्री भी बन चुकी है।

पाकिस्तान: खैबर पख्तूनख्वा में पुलिस टीम पर अंधाधुंध फायरिंग; 2 अधिकारियों की मौके पर मौत

इस्लामाबाद, एजेंसी। पाकिस्तान के अशांत उत्तर-पश्चिम प्रांत खैबर पख्तूनख्वा से हिंसा की एक बड़ी खबर सामने आई है। यहां अज्ञात बंदूकधारियों ने पुलिस की एक रूटीन पेट्रोलिंग टीम को निशाना बनाते हुए अंधाधुंध फायरिंग की है।

इस घात लगाकर किए गए हमले में एक वरिष्ठ पुलिस अधिकारी सहित दो पुलिसकर्मियों की मौके पर ही मौत हो गई, जबकि एक अन्य पुलिसकर्मी गंभीर रूप से घायल बताया जा रहा है,। इस घटना ने सीमावर्ती इलाकों में सुरक्षा व्यवस्था पर एक बार फिर गंभीर सवाल खड़े कर दिए हैं।

अंधेरे का फायदा उठाकर किया हमला : यह वारदात गुरुवार देर रात की बताई जा रही है। अधिकारियों से प्राप्त जानकारी के अनुसार, पुलिस की मोबाइल पेट्रोलिंग टीम अफगान सीमा के पास खैबर पख्तूनख्वा प्रांत के मोहमंद जिले में अपनी नियमित गश्त पर थी।

हमलावरों ने पहले से ही घात लगा रखी थी और जैसे ही पुलिस की वैन लोअर मोहमंद सब-डिविजन के 'मचनी अकरब दाग' इलाके में पहुंची, उन्होंने चारों तरफ से गोलियां बरसानी शुरू कर दीं। हमलावरों ने रात के अंधेरे का फायदा उठाया और वारदात को अंजाम देने के बाद मौके से फरार होने में सफल रहे।

वरिष्ठ अधिकारियों ने गंवाई जान : इस हमले की भयावहता का अंदाजा इस बात से लगाया जा सकता है कि गोलीबारी में एक एडिशनल स्टेशन हाउस ऑफिसर और एक हेड कॉन्स्टेबल की जान चली गई। पुलिस सूत्रों के मुताबिक, इन दोनों अधिकारियों की मौके पर ही मौत हो गई थी। वहीं, पुलिस वैन का ड्राइवर इस हमले में गंभीर रूप से घायल हुआ है। घटना के तुरंत बाद सभी हताहतों को नजदीकी ग्रामीण स्वास्थ्य केंद्र ले जाया गया, जहां डॉक्टरों ने मृत पुलिसकर्मियों के शवों का पंचनामा किया। घायल ड्राइवर की नाजुक स्थिति को देखते हुए उसे प्राथमिक उपचार के बाद बेहतर इलाज के लिए पेशावर के एक बड़े अस्पताल में रेफर कर दिया गया है।

सुरक्षा बलों का सर्च ऑपरेशन : हमले की सूचना मिलते ही जिला प्रशासन और पुलिस विभाग में हड़कंप मच गया। जिला पुलिस अधिकारी रजा मुहम्मद और डीएसपी दिलफराज भारी पुलिस बल और अतिरिक्त सुरक्षा दस्ते के साथ तुरंत घटनास्थल पर पहुंचे। सुरक्षा बलों ने पूरे इलाके की घेराबंदी कर दी है और हमलावरों की धरपकड़ के लिए सर्च ऑपरेशन शुरू किया गया है। पुलिस अधिकारियों का कहना है कि वे तकनीकी साक्ष्यों और स्थानीय इनपुट के आधार पर आरोपियों का पता लगाने की कोशिश कर रहे हैं। हालांकि, अभी तक किसी भी संगठन ने इस हमले की जिम्मेदारी नहीं ली है।

खैबर पख्तूनख्वा में लगातार हो रही हिंसा : खैबर पख्तूनख्वा का यह इलाका लंबे समय से उग्रवाद और हिंसा की चपेट में रहा है। अफगान सीमा से सटे होने के कारण यहां अक्सर सुरक्षा बलों को निशाना बनाया जाता रहा है। पुलिस ने मामले की गहन जांच शुरू कर दी है और यह पता लगाने की कोशिश की जा रही है कि क्या इस हमले के पीछे किसी विशेष आतंकवादी गुट का हाथ है। फिलहाल, पूरे जिले में अलर्ट जारी कर दिया गया है और संदिग्ध ठिकानों पर छापेमारी की जा रही है।

इंडोनेशिया के पापुआ में अमेरिकी पायलट की हत्या, अलगाववादियों ने फूंका पूरा विमान

पापुआ , एजेंसी। इंडोनेशिया के पापुआ में हथियारबंद अलगाववादी विद्रोहियों ने एक बहुत ही दर्दनाक और दिल दहला देने वाली घटना को अंजाम दिया है। इन खतरनाक विद्रोहियों ने एक अमेरिकी पायलट की सरेआम गोली मारकर निर्मम हत्या कर दी है और उनके विमान को भी पूरी तरह से आग के हवाले कर दिया है। इस भयानक और हिंसक हमले की पूरी जिम्मेदारी वहां के सशस्त्र अलगाववादी समूह वेस्ट पापुआ नेशनल लिबरेशन आर्मी ने ली है। अलगाववादियों ने इस हमले को इंडोनेशिया और अमेरिकी सरकार दोनों के लिए एक बहुत ही बड़ी और खतरनाक चेतावनी बताया है। संगठन का दावा है कि उनके लड़ाकों ने अमेरिकी पायलट निकोलस एफ गोसेलिन को उस समय गोली मारी जब उनका विमान जमीन पर उतरा। यह दर्दनाक घटना हाइलैंड पापुआ प्रांत के सुदूर जिले याहुकिमो में हुई है जहां उतरने के बाद विमान का अचानक संपर्क टूट गया था। इंडोनेशियाई अधिकारियों के मुताबिक इस जले हुए विमान में एक अमेरिकी पायलट और पापुआ के सात आम यात्री भी सवार थे। इस दर्दनाक घटना के बाद पूरे इलाके में काफी ज्यादा दहशत फैल गई है और स्थानीय प्रशासन पूरी जानकारी जुटाने में लगा है। विद्रोही समूह के प्रवक्ता सेब्य संबोम ने कहा कि इस हिंसक हमले का मुख्य मकसद जकार्ता और वॉशिंगटन को एक कड़ा संदेश देना था। उनका गंभीर आरोप है कि इस विमान ने संगठन की चेतावनियों के बावजूद बार-बार उनके कब्जे वाले क्षेत्र में अपनी उड़ान भरी थी। संबोम ने कहा कि हमारे अल्टीमेटम का सीधा उल्लंघन करने के कारण ही लड़ाकों ने तुरंत फायरिंग की और विमान को पूरी तरह जला दिया। विद्रोहियों ने यह भी आरोप लगाया है कि नागरिक विमानों का इस्तेमाल इंडोनेशियाई सेना के जवानों को सुरक्षित लाने के लिए हो रहा था। इन विमानों से सैन्य रसद और हथियारों को उन संवेदनशील इलाकों में ले जाया जा रहा था जिन पर विद्रोहियों का दावा है। संबोम ने चेतावनी दी है कि उनके रेड जोन में अगर नागरिक उड़ानें जारी रहीं तो ऐसे घातक और जानलेवा हमले आगे भी होते रहेंगे। इंडोनेशिया की सरकार ने एयरपोर्ट पर विमान के जलने की आधिकारिक पुष्टि कर दी है लेकिन मामले की तहकीकात अभी भी जारी है। इंडोनेशिया के नागरिक उड्डयन महानिदेशालय ने बताया कि यह जला हुआ विमान पीटी एएमए एयरलाइन का था जो जरूरी सामान पहुंचाती है। वामेना से उड़ान भरने के बाद याहुकिमो में उतरते ही इस नागरिक विमान का कंट्रोल रूम से संपर्क पूरी तरह से टूट गया था। पापुआ में साल 1969 से ही यह हिंसक और सशस्त्र अलगाववादी आंदोलन लगातार पूरी तेजी और आक्रामकता के साथ चल रहा है। इससे पहले फरवरी 2023 में भी इन विद्रोहियों ने न्यूजीलैंड के एक पायलट फिलिप मेहरटेंस को अपना निशाना बनाकर अगवा कर लिया था।

मौत को मात! वेनेजुएला में 8 दिन बाद मलबे से जिंदा निकला शख्स

कारागास , एजेंसी। वेनेजुएला में पिछले दिनों आए विनाशकारी भूकंप ने जहां हजारों घरों को मलबे में तब्दील कर दिया और 2200 से अधिक लोगों की जान ले ली, वहीं इसी मलबे के नीचे से उम्मीद की एक ऐसी किरण निकली है जिसने पूरी दुनिया को हैरान कर दिया है। 24 जून को आए भीषण भूकंप के आठ दिन बाद, बचाव दल ने 'गैलरियस प्लाया ग्रांडे' शॉपिंग सेंटर के बेसमेंट से 43 वर्षीय सुरक्षा गार्ड हर्नान अल्बर्टो गिल फ्लोरेस को जिंदा बाहर निकाला है। इसे इस सदी के सबसे मुश्किल और चमत्कारी रेस्क्यू ऑपरेशनों में से एक माना जा रहा है।

100 घंटे से भी ज्यादा लगा समय : हर्नान को मलबे से बाहर निकालना कोई आसान काम नहीं था। बचाव कर्मियों ने उन्हें ढूंढने और बाहर निकालने के लिए 100 घंटे से भी ज्यादा समय तक बिना रुके काम किया। इस ऑपरेशन की सबसे बड़ी चुनौती अस्थिर ढांचा, भारी बारिश और लगातार आ रहे आफ्टरशॉक्स थे।

इस बचाव कार्य में केवल वेनेजुएला की टीमें ही नहीं, बल्कि चिली, अमेरिका, पुर्तगाल, मैक्सिको, कोस्टा रिका और अल साल्वाडोर की विशेषज्ञ टीमों ने भी दिन-रात एक कर दिया।

मौत के केबिन में कैसे बची जान : हर्नान गिल फ्लोरेस उस शॉपिंग कॉम्प्लेक्स में नाइट-शिफ्ट गार्ड के तौर पर काम करते थे। जब 7.2 और 7.5 तीव्रता के जबरदस्त झटके लगे, तो हर्नान अपने छोटे से सिक्योरिटी केबिन के अंदर थे।किस्मत से कंक्रीट का भारी ढांचा गिरा तो सही, लेकिन उनकी केबिन टिकी रही, जिससे वहां हवा आने-जाने की एक छोटी सी जगह बन गई और वे मलबे के नीचे दबने से बच गए। रेस्क्यू के दौरान एक भावुक क्षण तब आया जब कोस्टा रिका रेड क्रॉस की टीम हर्नान तक पहुंची। हर्नान ने डर के मारे रेस्क्यूअर से कहा था कि वे उनकी पत्नी को न बताएं कि वह जिंदा है, क्योंकि उन्हें डर था कि शायद वह बाहर निकलने तक जीवित न रह पाएं। हालांकि, उनकी पत्नी गुसबिमार गोंजालेज ने हार नहीं मानी थी। उन्होंने बताया कि जब उन्हें पति के जीवित होने का पता चला, तो उन्हें 'अंधेरे में उम्मीद की एक किरण' दिखाई दी। मलबे के नीचे दबे होने के बावजूद हर्नान ने अपना हौसला नहीं खोया। बचाव दल ने टेलीस्कोपिक कैमरों के जरिए उन पर नजर रखी और एक संकरे रास्ते से उन्हें पानी और तरल पोषक तत्व पहुंचाए। बचाव के आखिरी घंटों में वे समय बिताने के लिए ड्राइंग कर रहे थे, ताकि उनका ध्यान डर से हट सके।

पीओके में होने वाले चुनाव नहीं लड़ेगी इमरान खान की पार्टी, कश्मीरियों के लिए मांगा इंसाफ

मुजफ्फराबाद, एजेंसी। पाकिस्तान के कब्जे वाले कश्मीर यानी पीओके में होने वाले चुनाव को लेकर पूर्व प्रधानमंत्री इमरान खान की पार्टी पाकिस्तान तहरीक-ए-इंसाफ (पीटीआई) ने बड़ा फैसला लिया है। इमरान की पार्टी 27 जुलाई को होने वाले पीओके विधानसभा चुनाव का बहिष्कार करेगी। पार्टी ने यह बड़ा फैसला मौजूदा हालात और कश्मीरियों के साथ एकजुटता दिखाने के लिए लिया है।

पीटीआई ने क्यों किया चुनाव के बहिष्कार का ऐलान : पीटीआई के प्रवक्ता की ओर से जारी बयान में कहा गया है कि मौजूदा परिस्थितियों में पार्टी इस चुनावी प्रक्रिया का हिस्सा नहीं बनेगी। पार्टी का कहना है कि चुनाव न लड़ने के फैसले का मकसद कोई राजनीतिक लाभ उठाना या नुकसान से बचना नहीं है। यह कदम केवल कश्मीरी अवाम के साथ एकजुटता दिखाने और लोकतंत्र के सम्मान में उठाया गया है। प्रवक्ता ने साफ किया कि जब तक एक स्वतंत्र, न्यायपूर्ण और शांतिपूर्ण राजनीतिक माहौल नहीं बन जाता, तब तक पीटीआई किसी भी चुनावी प्रक्रिया में हिस्सा नहीं लेगी। बता दें कि पूर्व सत्ताधारी पार्टी पीटीआई वर्तमान में केंद्र में प्रमुख विपक्षी दल है।

पीओके में इस वक्त क्या हैं हालात : पीटीआई ने अपने बयान में प्रतिबंधित संगठन 'जम्मू कश्मीर जॉइंट अवामी एक्शन कमेटी' के लगातार हो रहे विरोध प्रदर्शनों का भी जिक्र किया। पार्टी ने कहा कि यह क्षेत्र इस वक्त गंभीर संकट से जूझ रहा है। रावलकोट समेत पीओके के कई अन्य हिस्सों में हजारों नागरिक धरने पर बैठे हैं। हाल ही में हुए हिंसक प्रदर्शनों के बाद, पीओके की कठपुतली सरकार ने 5 जून को आतंकवाद विरोधी अधिनियम के तहत जेएएसी पर प्रतिबंध लगा दिया था। यह बैन 9 जून को होने वाले जेएएसी के उस प्रस्तावित विरोध प्रदर्शन से ठीक पहले लगाया गया, जिसमें 1947 के बाद जम्मू-कश्मीर से पाकिस्तान गए शरणार्थियों के लिए पीओके में आरक्षित 12 सीटों को खत्म करने की मांग की जानी थी। भोजन आपूर्ति रोकने का लगाया आरोप पीटीआई ने मांग की है कि क्षेत्र में राजनीतिक अस्थिरता को और अधिक बढ़ने से रोकने के लिए स्थानीय लोगों के मुद्दों का तुरंत समाधान किया जाना चाहिए। पार्टी ने आरोप लगाया है कि पंजाब प्रांत से पीओके के लिए भोजन की आपूर्ति 'पूरी तरह से रोक' दी गई है। हालांकि, शहबाज शरीफ सरकार और पुलिस प्रमुख ने कुछ दिन पहले ही इन दावों को सिरे से खारिज कर दिया था।

टिकट बंटवारे पर रोक : चुनाव के बहिष्कार के फैसले के बाद पीटीआई संसदीय बोर्ड ने उम्मीदवारों को टिकट देने से जुड़ी सभी सिफारिशों को तत्काल प्रभाव से निलंबित कर दिया है। प्रवक्ता ने बताया कि जब तक 'अगले आदेश' नहीं आ जाते, तब तक किसी भी स्तर पर आगे की कोई कार्रवाई नहीं की जाएगी। अब पूरी दुनिया की नजरें 27 जुलाई को होने वाले इन चुनावों पर टिकी हैं। इमरान खान की पार्टी जैसी प्रमुख राजनीतिक शक्ति के चुनावी मैदान से बाहर रहने के कारण अब चुनावी मुकाबला एकतरफा होने की संभावना बढ़ गई है। विशेषज्ञों का मानना है कि मुख्य विपक्षी दल की अनुपस्थिति न केवल चुनाव की विश्वसनीयता पर सवाल खड़े करती है।

एचएसपीसीबी का चीफ अकाउंट ऑफिसर तीन दिन के सीबीआई रिमांड पर

एजेंसी

चंडीगढ़। हरियाणा राज्य प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड (एचएसपीसीबी) से जुड़े बहुचर्चित बैंक घोटाले में गिरफ्तार तत्कालीन चीफ अकाउंट्स ऑफिसर प्रवीण कुमार को पंचकूला की अदालत में पेश किया गया। सुनवाई के बाद अदालत ने आरोपी को तीन दिन की सीबीआई रिमांड पर भेज दिया। सीबीआई ने चार दिन की रिमांड की मांग की थी। यह इस मामले में प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड से जुड़ी तीसरी गिरफ्तारी है। इससे पहले डाटा एंट्री ऑपरेटर और बोर्ड के तत्कालीन सदस्य सचिव रहे आईएएस अधिकारी प्रदीप कुमार डागर को भी इस मामले में गिरफ्तार किया जा चुका है। सुनवाई के दौरान सीबीआई ने अदालत को बताया कि प्रवीण कुमार एचएसपीसीबी में वरिष्ठ लेखा अधिकारी (सीनियर अकाउंट्स ऑफिसर) और अधिकृत हस्ताक्षरकर्ता थे। उनके कार्यकाल के दौरान सेक्टर-32 स्थित आईडीएफसी फर्स्ट बैंक में खोले गए खाते के माध्यम से बोर्ड को 169 करोड़ रुपये का नुकसान हुआ, जिसमें से करीब 110 करोड़ रुपये की कथित फर्जी निकासी उनके कार्यकाल में हुई। सीबीआई के अनुसार, प्रवीण कुमार को 2 जुलाई, 2026 को चंडीगढ़ स्थित सीबीआई कार्यालय से गिरफ्तार किया गया। गिरफ्तारी के बाद उनका मेडिकल परीक्षण कराया गया और अगले दिन दोबारा मेडिकल जांच के बाद अदालत में पेश किया गया।

जींद में हाईड्रोजन ट्रेन का डीआरएम ने किया निरीक्षण

जींद। भारत देश की पहली अत्याधुनिक और प्रदूषण मुक्त हाइड्रोजन ट्रेन का रेलवे ट्रैक पर चलने का सपना जल्द साकार होने जा रहा है। ट्रेन के सफल संचालन को लेकर रेलवे विभाग द्वारा लगातार हाइड्रोजन ट्रेन का ट्रायल किया जा रहा है। इसी के चलते दिल्ली डिवीजन के डीआरएम पुष्पेश त्रिपाठी स्पेशल ट्रेन से व प्रशासनिक तथा रेलवे अधिकारियों की टीम के साथ जींद जंक्शन पर पहुंचे। यहां उन्होंने जंक्शन का गहनता से निरीक्षण किया। रेलवे डीआरएम ने स्टेशन परिसर, हाइड्रोजन प्लांट और स्टेडियम स्थित हेलीपैड का जायजा लेकर अधिकारियों को आवश्यक दिशा-निर्देश भी दिए। माना जा रहा है कि जल्द ही प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी भारत देश की पहली हाइड्रोजन ट्रेन का उद्घाटन करेंगे। रेलवे के डीआरएम पुष्पेश त्रिपाठी जींद जंक्शन पर पहुंचे और रेलवे परिसर की जांच की। बाकायदा यहां उन्होंने स्थानीय अधिकारियों से व्यवस्थाओं को लेकर बातचीत की। इसके बाद उन्होंने हाइड्रोजन प्लांट व ट्रेन को भी देखा। निरीक्षण के बार रेलवे डीआरएम पुष्पेश त्रिपाठी ने बताया कि हाइड्रोजन ट्रेन का ट्रायल बेहद एडवांस स्टेज पर पहुंच गया है। सोनीपत-जींद रूट पर हाइड्रोजन ट्रेन का स्पीड ट्रायल हो चुका है।

ग्रीन कॉरिडोर 152-डी से हटेंगे अवैध ढाबे व दुकानें :धर्मबीर सिंह

नारनौल। भिवानी-महेंद्रगढ़ लोकसभा क्षेत्र के सांसद चौधरी धर्मबीर सिंह ने कहा कि सरकार की सर्वोच्च प्राथमिकता आमजन की सुरक्षा है और सड़क हादसों में किसी भी नागरिक की जान नहीं जानी चाहिए। उन्होंने अधिकारियों को सड़क सुरक्षा नियमों का सख्ती से पालन सुनिश्चित कराने के निर्देश दिए। सांसद पंचायत भवन में जिला सड़क सुरक्षा समिति एवं सुरक्षित स्कूल वाहन पॉलिसी की समीक्षा बैठक की अध्यक्षता कर रहे थे। बैठक में विधायक कंवर सिंह यादव भी मौजूद रहे। सांसद ने हाल ही में नेशनल हाईवे-152डी पर हुए बस हादसे का उल्लेख करते हुए कहा कि जन सुरक्षा से कोई समझौता नहीं किया जाएगा। उन्होंने नेशनल हाईवे अथॉरिटी और पुलिस विभाग को संयुक्त अभियान चलाकर हाईवे के दोनों ओर बने अवैध ढाबों और दुकानों को तत्काल हटाने के निर्देश दिए। उन्होंने स्पष्ट किया कि नियमों के अनुसार हाईवे के दोनों ओर 15 मीटर के दायरे में किसी भी प्रकार की व्यावसायिक गतिविधि की अनुमति नहीं है। धर्मबीर सिंह ने पुलिस और संबंधित विभागों को जिले के सभी दुर्घटना संभावित ब्लैक स्पॉट चिह्नित कर उनके कारणों की विस्तृत रिपोर्ट अगली बैठक से पहले प्रस्तुत करने के निर्देश दिए।

पलवल के उपायुक्त ने शहर में जलभराव प्रभावित क्षेत्रों का किया निरीक्षण

पलवल। उपायुक्त डॉ. जयेंद्र सिंह छिल्लर ने पलवल में विभिन्न क्षेत्रों में उत्पन्न जलभराव की स्थिति का मौके पर पहुंचकर निरीक्षण किया तथा संबंधित विभागों के अधिकारियों को तत्काल प्रभाव से आवश्यक कदम उठाने के कड़े निर्देश दिए। उपायुक्त ने किठवाड़ी रोड, सल्लागढ़ स्कूल, सुखराम अस्पताल वाली गली स्थित न्यू एक्सटेंशन कॉलोनी, आदर्श कॉलोनी तथा आर्य नगर सहित विभिन्न जलभराव प्रभावित क्षेत्रों का दौरा कर हालात का जायजा लिया। निरीक्षण के दौरान उन्होंने पाया कि कुछ स्थानों पर नालियों में गंदगी एवं अवरोध के कारण पानी जमा हो गया है, जिससे स्थानीय लोगों को परेशानी का सामना करना पड़ रहा है। डॉ. छिल्लर ने संबंधित अधिकारियों को निर्देश दिए कि सभी नालियों एवं जल निकासी मार्गों की तत्काल सफाई सुनिश्चित की जाए, ताकि नालियों का पानी शीघ्रता से निकाला जा सके और आमजन को किसी प्रकार की असुविधा का सामना न करना पड़े। उन्होंने कहा कि मानसून के दौरान जलभराव की समस्या से प्रभावी ढंग से निपटने के लिए सभी विभाग आपसी समन्वय के साथ कार्य करें तथा संवेदनशील क्षेत्रों पर विशेष निगरानी रखें।

हरियाणा में नलकूपों के पानी की होगी मुफ्त जांच, रिपोर्ट के आधार पर तय होगी फसल : नायब सिंह सैनी

एजेंसी

चंडीगढ़। हरियाणा के मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी ने कृषि विभाग के अधिकारियों को निर्देश दिए कि प्रदेश में किसानों के नलकूपों/ट्यूबवेलों के पानी की गुणवत्ता की वैज्ञानिक जांच की प्रक्रिया तुरंत शुरू की जाए, ताकि किसानों को उनके खेत और पानी की गुणवत्ता के अनुरूप समय पर वैज्ञानिक सलाह उपलब्ध कराई जा सके। उन्होंने कहा कि राज्य सरकार प्रदेश के सभी नलकूपों के पानी की गुणवत्ता की जांच करवाएगी और इस पूरी प्रक्रिया को किसान हित में सरल, पारदर्शी और प्रभावी बनाया जाएगा। मुख्यमंत्री चंडीगढ़ में राज्य सरकार की बजट घोषणाओं, मुख्यमंत्री घोषणाओं तथा संकल्प पत्र-2024 की प्रतिबद्धताओं की समीक्षा के लिए आयोजित उच्चस्तरीय बैठक में कृषि एवं किसान कल्याण विभाग की योजनाओं एवं परियोजनाओं की समीक्षा कर रहे थे। बैठक में मुख्यमंत्री के मुख्य प्रधान सचिव राजेश खुल्लर, कृषि एवं किसान कल्याण विभाग के अतिरिक्त मुख्य सचिव विजयेंद्र कुमार,डिपार्टमेंट ऑफ फ्यूचर की प्रधान सचिव अमनीत पी. कुमार, कृषि विभाग के महानिदेशक राजनारायण कौशिक, मुख्यमंत्री के ओएसडी वीरेन्द्र बढ़खालसा,मुख्यमंत्री के ओएसडी एवं स्वर्ण जयंती हरियाणा राजकोषीय प्रबंधन संस्थान के महानिदेशक डॉ. राज नेहरू सहित अन्य अधिकारी भी उपस्थित थे। मुख्यमंत्री ने बैठक में निर्देश दिए कि किसानों के नलकूपों के पानी के नमूनों की

मुफ्त जांच सुनिश्चित की जाए तथा किसानों को निर्धारित प्रक्रिया के अनुसार अपने पानी के नमूने परीक्षण हेतु संबंधित प्रयोगशालाओं में जमा कराने की सुविधा उपलब्ध कराई जाए। उन्होंने कहा कि इस पूरी व्यवस्था को 'मेरी फसल-मेरा ब्यौरा' पोर्टल से जोड़ा जाए, ताकि प्रत्येक नमूने का रिकॉर्ड, उसकी जांच रिपोर्ट और उससे संबंधित कृषि परामर्श डिजिटल रूप से उपलब्ध हो सके।

मुख्यमंत्री ने कहा कि नलकूपों के पानी की जांच में कार्बोनेट, बाइकार्बोनेट, कैल्शियम, मैग्नीशियम, सोडियम, क्लोराइड सहित अन्य आवश्यक रासायनिक तत्वों और जल गुणवत्ता मानकों का परीक्षण किया जाए। उन्होंने अधिकारियों को निर्देश दिए कि इन परीक्षणों के आधार पर किसानों को स्पष्ट रूप से बताया जाए कि उनके पानी की गुणवत्ता के अनुसार कौन-सी फसलें उपयुक्त रहेंगी, किन फसलों से बचना चाहिए और किस प्रकार की पोषक तत्व संबंधी कमी या जल-गुणवत्ता की स्थिति में कौन-सी कृषि पद्धति अपनाई जानी चाहिए। मुख्यमंत्री ने कहा कि सरकार का उद्देश्य केवल पानी की जांच कर रिपोर्ट देना नहीं, बल्कि 'पानी की रिपोर्ट के आधार पर फसल चयन' की वैज्ञानिक व्यवस्था विकसित करना है, ताकि किसान उपलब्ध जल की गुणवत्ता के अनुरूप सही फसल का चयन कर सकें। मुख्यमंत्री ने कहा कि प्रदेश के किसान अपने नलकूप का सैंपल अपनी नजदीकी लैब में कभी भी ले जाकर परीक्षण करवा सकते हैं मुख्यमंत्री खेती को बढ़ावा देने के लिए बजट 2026-27 में की गई घोषणाओं के अनुरूप आवश्यक व्यवस्थाओं को तेजी से आगे बढ़ाया जाए। उन्होंने कहा कि प्राकृतिक एवं जैविक खेती को प्रोत्साहित करने के उद्देश्य से किसानों को सहायता उपलब्ध कराने, प्रमाणन व्यवस्था को सुदृढ़ करने तथा इस क्षेत्र में संस्थागत ढांचा विकसित करने की दिशा में प्रभावी कदम उठाए जाएं।

एक ही मतदान केंद्र पर वोट डाल सकेंगे परिवार के सभी सदस्य

एजेंसी

चंडीगढ़। हरियाणा के मुख्य निर्वाचन अधिकारी ए. श्रीनिवास ने कहा कि विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) के दौरान यह पाया गया है कि कई परिवारों के सदस्यों के नाम अलग-अलग मतदान केंद्रों की मतदाता सूचियों में दर्ज हैं। ऐसी स्थिति तब होती है जब किसी सेक्टर या कॉलोनी के लिए एक ही भवन में दो अलग-अलग मतदान केंद्र बनाए गए हों। ऐसे में यदि कोई परिवार चाहता है कि भविष्य में उसके सभी पात्र मतदाताओं के नाम एक ही मतदान केंद्र की मतदाता सूची में दर्ज हों तो प्रारंभिक मतदाता सूची-2026 के प्रकाशन के बाद दावे एवं आपत्तियों की अवधि के दौरान फॉर्म-8 भरकर मतदान केंद्र परिवर्तन का अनुरोध किया जा सकता है। मुख्य निर्वाचन अधिकारी ने नए मतदाताओं से अपील करते हुए कहा कि वे फॉर्म-6 भरते समय अपने परिवार के पहले से पंजीकृत सदस्य का विवरण सही एवं पूर्ण रूप से अंकित करें व उसी मतदान केंद्र के बीएलओ के माध्यम से आवेदन जमा कराएं ताकि परिवार के सभी सदस्यों का पंजीकरण एक ही मतदान केंद्र पर सुनिश्चित किया जा सके। निर्वाचन विभाग सभी मतदाताओं से आग्रह

ऐसी स्थिति तब होती है जब किसी सेक्टर या कॉलोनी के लिए एक ही भवन में दो अलग-अलग मतदान केंद्र बनाए गए हों।

करता है कि प्रारंभिक मतदाता सूची प्रकाशित होने के बाद अपने नाम एवं अन्य विवरणों का अवश्य सत्यापित करें। यदि परिवार के सदस्यों के नाम अलग-अलग मतदान केंद्रों पर दर्ज हैं और उन्हें एक ही मतदान केंद्र पर स्थानांतरित करवाना चाहते हैं तो 21 जुलाई से 20 अगस्त, 2026 तक निर्धारित अवधि में प्रपत्र-8 भरकर आवेदन कर सकते हैं।

सरकारी स्वास्थ्य केंद्रों में गर्भवती महिलाओं की होगी मुफ्त ओरल हेल्थ स्क्रीनिंग

एजेंसी

चंडीगढ़। हरियाणा सरकार ने मातृ एवं शिशु स्वास्थ्य को बेहतर बनाने की दिशा में एक अहम कदम उठाते हुए राज्य के सभी सरकारी स्वास्थ्य केंद्रों पर गर्भवती महिलाओं के लिए मुफ्त ओरल (दांत और मसूड़ों) हेल्थ स्क्रीनिंग अनिवार्य कर दी है। स्वास्थ्य मंत्री आरती सिंह राव ने बताया कि प्रधानमंत्री सुरक्षित मातृत्व अभियान (पीएमएसएमए) और ई-पीएमएसएमए दिवसों पर स्वास्थ्य केंद्रों में आने वाली प्रत्येक गर्भवती महिला की मौखिक स्वास्थ्य जांच की जाएगी। स्वास्थ्य मंत्री ने बताया कि 'मुस्कान से मातृत्व तक' नामक इस विशेष पहल का उद्देश्य गर्भावस्था के दौरान दांतों और मसूड़ों से जुड़ी समस्याओं की समय पर पहचान कर उनका उचित उपचार सुनिश्चित करना है, ताकि मां और नवजात शिशु दोनों का स्वास्थ्य सुरक्षित रखा जा सके। उन्होंने गर्भवती महिलाओं और उनके परिवारों से इस अभियान में सक्रिय भागीदारी करने की अपील की। आरती सिंह राव ने कहा कि गर्भावस्था के दौरान महिलाओं के शरीर में होने वाले हार्मोनल और शारीरिक बदलावों के कारण मसूड़ों

की बीमारी (जिंजिवाइटिस) और दांतों में सड़न जैसी समस्याओं का खतरा बढ़ जाता है। यदि समय रहते इनका उपचार नहीं किया जाए तो समय से पहले प्रसव (प्रीटर्म बर्थ) और जन्म के समय शिशु का वजन कम होने जैसी गंभीर जटिलताएं सामने आ सकती हैं। उन्होंने बताया कि गर्भवती महिलाएं हर महीने की 9, 10, 23 तारीख तथा महीने के अंतिम कार्य दिवस पर अपने नजदीकी सरकारी स्वास्थ्य केंद्र में पहुंचकर मुफ्त ओरल हेल्थ स्क्रीनिंग का लाभ उठा सकती हैं। राष्ट्रीय स्वास्थ्य मिशन (एनएचएम) हरियाणा के मिशन डायरेक्टर डॉ. आरएस ढिल्लों ने बताया कि अभियान के तहत प्रसव पूर्व क्लीनिक में आने वाली सभी गर्भवती महिलाओं की प्रारंभिक ओरल हेल्थ स्क्रीनिंग प्रशिक्षित स्वास्थ्य कर्मियों द्वारा की जाएगी। आवश्यकता पड़ने पर उन्हें आगे उपचार और विशेषज्ञ परामर्श के लिए भी रेफर किया जाएगा। स्वास्थ्य विभाग का मानना है कि यह पहल मातृ स्वास्थ्य सेवाओं को अधिक व्यापक और प्रभावी बनाएगी तथा गर्भवती महिलाओं और नवजात शिशुओं के बेहतर स्वास्थ्य परिणाम सुनिश्चित करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगी।

राखीगढ़ी म्यूजियम में पर्यटक करेंगे सरस्वती-सिंधु सभ्यता का जीवंत दर्शन

एजेंसी

चंडीगढ़। हरियाणा के मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी ने राखीगढ़ी में विकसित किए जा रहे विश्वस्तरीय साइट म्यूजियम एवं इंटरप्रिटेशन सेंटर के संबंध में निर्देश जारी किए हैं। उन्होंने कहा कि इस परियोजना को अंतरराष्ट्रीय मानकों के अनुरूप विकसित किया जाए, ताकि राखीगढ़ी केवल एक पुरातात्विक स्थल ही नहीं, बल्कि भारत की प्राचीन सभ्यता, सांस्कृतिक विरासत और ज्ञान परंपरा का वैश्विक केंद्र बनकर उभरे। मुख्यमंत्री गुरुवार रात चंडीगढ़ में राखीगढ़ी के संबंध में बैठक को संबोधित कर रहे थे। बैठक में राखीगढ़ी को लेकर आगामी योजानाओं के बारे में विरासत एवं पर्यटन विभाग के आयुक्त एवं सचिव डॉ. अमित अग्रवाल ने मुख्यमंत्री को बताया कि विकसित किए जा रहे इंटरप्रिटेशन सेंटर और साइट म्यूजियम में पारंपरिक संग्रहालय की अवधारणा से आगे बढ़ते हुए अत्याधुनिक डिजिटल, इलेक्ट्रॉनिक, ऑडियो-विजुअल का उपयोग किया जाएगा। पर्यटक केवल पुराने अवशेषों को देखेंगे ही नहीं, बल्कि आधुनिक तकनीक के माध्यम से उस काल की जीवनशैली, संस्कृति और सामाजिक व्यवस्था का अनुभव भी कर सकेंगे।

उन्होंने बताया कि लगभग एक लाख वर्ग फुट क्षेत्रफल में यह विकसित किया जा रहा है। इसके ग्राउंड फ्लोर और प्रथम तल पर पांच-पांच विषय आधारित गैलरियां बनाई जाएंगी, जिनमें सरस्वती-सिंधु सभ्यता के विभिन्न आयामों को आधुनिक तकनीक के माध्यम से प्रस्तुत किया जाएगा। इन गैलरियों में राखीगढ़ी के सातों टीलों का विस्तृत परिचय, विभिन्न चरणों में हुए पुरातात्विक उत्खनन, प्राप्त महत्वपूर्ण अवशेष, नगर नियोजन, आवास व्यवस्था, गलियां, जल निकासी प्रणाली, जल प्रबंधन, अन्न भंडारण, व्यापारिक गतिविधियां, आजीविका, सामाजिक जीवन तथा उस समय की तकनीकी और सांस्कृतिक उपलब्धियों को आकर्षक एवं वैज्ञानिक तरीके से प्रदर्शित किया जाएगा। ओरिएंटेशन गैलरी में सप्त नदियों की सभ्यता तथा सरस्वती-सिंधु सभ्यता के विकास की विस्तृत जानकारी दी जाएगी। इसके अलावा लघु फिल्मों, डिजिटल प्रोजेक्शन, 3-डी प्रस्तुतीकरण और अन्य आधुनिक माध्यमों के जरिए पर्यटकों को पूरी सभ्यता की कहानी सहज और रोचक ढंग से समझाई जाएगी। इंटरप्रिटेशन सेंटर में बच्चों और युवाओं के लिए विशेष रूप से अनुभवात्मक गतिविधियों की भी व्यवस्था की जाएगी। यहां घूमने आने वाले बच्चों और अन्य पर्यटकों के लिए प्राचीन काल की सील बनाने की प्रक्रिया, उस समय उपयोग की जाने वाली ईंटों, पुरावशेषों की प्रतिकृतियों तथा अन्य ऐतिहासिक सामग्रियों को नजदीक से देख और समझ सकेंगे। बच्चों के लिए उस दौर के पारंपरिक खेलों एवं अन्य सहभागितापूर्ण गतिविधियों की भी व्यवस्था होगी, जिससे इतिहास को सीखना उनके लिए रोचक अनुभव बने।

भारत-जापान के सांस्कृतिक सहयोग को और अधिक सुदृढ़ बनाने का काम करेगा अंतरराष्ट्रीय गीता महोत्सव जापान : नायब सिंह सैनी

मुख्यमंत्री को प्रस्तुत की अंतरराष्ट्रीय गीता महोत्सव जापान की विस्तृत रिपोर्ट

एजेंसी

चंडीगढ़। मुख्यमंत्री श्री नायब सिंह सैनी ने हाल ही में जापान में हुए अंतरराष्ट्रीय गीता महोत्सव कार्यक्रम के सफल आयोजन की सराहना करते हुए कहा कि यह महोत्सव भारत-जापान के सांस्कृतिक सहयोग को और अधिक सुदृढ़ बनाने का काम करेगा। कुरुक्षेत्र में आयोजित होने वाले अंतरराष्ट्रीय गीता महोत्सव में जापान के प्रतिनिधिमंडल को विशेष रूप से आमंत्रित करने तथा दोनों देशों के बीच सांस्कृतिक एवं शैक्षणिक आदान-प्रदान को और मजबूती देने के लिए आवश्यक पहल के निर्देश दिए। मुख्यमंत्री निवास पर मुख्यमंत्री को अंतर्राष्ट्रीय गीता महोत्सव-जापान की विस्तृत प्रतिवेदन (डिटेल रिपोर्ट) प्रस्तुत की गई। यह रिपोर्ट गीता मनीषी स्वामी ज्ञानानंद जी महाराज की गरिमामय उपस्थिति में कुरुक्षेत्र विकास बोर्ड के सदस्य सचिव डॉ. अमित अग्रवाल, मानद सचिव उपेंद्र सिंघल तथा अंतरराष्ट्रीय गीता जयंती मेला प्राधिकरण के सदस्य विजय नरूला द्वारा प्रस्तुत की गई। प्रतिनिधिमंडल ने मुख्यमंत्री को अवगत कराया कि 18 से 23 जून 2026 तक जापान में आयोजित सातवें अंतरराष्ट्रीय गीता महोत्सव के अंतर्गत कुल 18 विभिन्न कार्यक्रमों का सफल आयोजन किया गया। महोत्सव का प्रमुख उद्देश्य जापान में श्रीमद्भगवद्गीता के सार्वभौमिक संदेश का प्रचार-प्रसार, शैक्षणिक एवं सांस्कृतिक सहयोग को बढ़ावा देना तथा भारत, विशेषकर कुरुक्षेत्र, और जापान के मध्य सांस्कृतिक संबंधों को और अधिक सुदृढ़ करना था।

महोत्सव के दौरान जापान की हाउस ऑफ काउंसलर्स (अप्पर हाउस), आईडीपी मुख्यालय, ओसाका असेंबली तथा जापान के पूर्व प्रधानमंत्री को श्रीमद्भगवद्गीता भेंट की गई। टोक्यो विश्वविद्यालय में अंतरराष्ट्रीय गीता संगोष्ठी का आयोजन हुआ, जिसमें गीता के वैश्विक संदेश एवं समकालीन प्रासंगिकता पर व्यापक विचार-विमर्श किया गया।

इसके अतिरिक्त भारत-जापान की सांस्कृतिक समानताओं पर आधारित एक विशेष प्रदर्शनी, विविध सांस्कृतिक कार्यक्रम, गीता यज्ञ, वैश्विक गीता पाठ, गीता सद्भावना यात्रा तथा अरिकवा नदी तट पर भव्य गीता आरती का आयोजन भी किया गया। महोत्सव का एक प्रमुख आकर्षण जापान की प्रसिद्ध काबूकी रंगमंच शैली के माध्यम से लगभग 40 मिनट की गीता प्रस्तुति रही, जिसे बड़ी संख्या में जापानी नागरिकों ने उत्साहपूर्वक देखा और सराहा। प्रतिनिधिमंडल ने जापान के प्राचीन एवं प्रतिष्ठित ओटनी विश्वविद्यालय (ओसाका) का भी दौरा किया। विश्वविद्यालय की वाइस चांसलर के साथ भारत, विशेषकर कुरुक्षेत्र, और जापान के बीच शैक्षणिक एवं सांस्कृतिक आदान- प्रदान को बढ़ावा देने तथा गीता विषयक शोध गतिविधियों के विस्तार पर विस्तृत चर्चा हुई।

सीएम फ्लाइंग का राशन डिपुओं पर छापा

एजेंसी

सिरसा । सीएम फ्लाइंग ने जिले के कई राशन डिपुओ का औचक निरीक्षण कर किया। निरीक्षण के दौरान डिपुओं पर खामियां मिली हैं। टीम ने गेहूं के सैंपल लिए और लाभार्थियों का रिकॉर्ड, स्टॉक रजिस्टर और वितरण संबंधी दस्तावेजों की गहन जांच की। उल्लेखनीय है कि लाभार्थियों द्वारा शिकायत की गई थी कि राशन डिपुओं पर वितरित किए जा रहे गेहूं में रेत, मिट्टी एवं फफूंदी जैसी अशुद्धियां मौजूद हैं, जिससे यह गेहूं उपभोग के योग्य नहीं है। मामला मुख्यमंत्री तक पहुंचने के बाद मुख्यमंत्री उडऩ् दस्ते ने तत्काल संज्ञान लेते हुए जांच प्रक्रिया शुरू की। टीम में उप निरीक्षक जितेंद्र कुमार, राजेश कुमार, राहुल कुमार, उप निरीक्षक आनंद शर्मा सहित अन्य अधिकारी मौजूद रहे।

जांच टीम ने शहर के विभिन्न राशन डिपुओं पर पहुंचकर गेहूं की गुणवत्ता का निरीक्षण किया तथा मौके से गेहूं के सैंपल एकत्रित किए। इसके साथ ही लाभार्थियों के रिकॉर्ड, स्टॉक रजिस्टर और वितरण संबंधी दस्तावेजों की भी विस्तार से जांच की गई। प्रारंभिक जांच के दौरान शिकायतों में तथ्य पाए जाने के बाद मुख्यमंत्री उडऩ् दस्ते ने संबंधित

राशन डिपो संचालकों को आगामी आदेशों तक उक्त गेहूं का वितरण नं करने के निर्देश जारी किए। खाद्य एवं आपूर्ति विभाग के अधिकारियों को संबंधित डिपुओं पर उपलब्ध खराब गुणवत्ता वाले गेहूं के स्टॉक को बदलने तथा उसके स्थान पर बेहतर गुणवत्ता का गेहूं उपलब्ध करवाने के निर्देश भी दिए गए। सूत्रों के अनुसार एक राशन डिपो को अस्थायी रूप से बंद किए जाने की सूचना है।

रानियां नगर पालिका क्षेत्र में करीब 60 लाख रुपये की लागत से नवनिर्मित गलियों की गुणवत्ता की जांच के लिए सीएम फ्लाइंग की टीम पहुंची। टीम ने फिरोजाबाद रोड स्थित जज कॉलोनी में पहुंचकर निर्माण कार्य का निरीक्षण किया और मौके से निर्माण सामग्री के सैंपल एकत्र किए। इन सैंपलों को जांच के लिए प्रयोगशाला में भेजा गया है। सीएम फ्लाइंग की कार्रवाई का नेतृत्व राजेश कुमार ने किया। टीम ने निर्माण कार्य से जुड़े रिकॉर्ड और मौके की स्थिति का भी अवलोकन किया।सीएम फ्लाइंग टीम के प्रभारी राजेश कुमार ने बताया कि फिरोजाबाद रोड स्थित जज कॉलोनी में निर्मित गलियों का निरीक्षण कर निर्माण सामग्री के सैंपल लिए गए हैं। इन्हें जांच के लिए प्रयोगशाला भेजा गया है। रिपोर्ट किसी प्रकार की अनियमितता या गुणवत्ता में कमी पाई जाती है तो कार्रवाई की जाएगी।

प्रापर्टी रजिस्ट्रेशन के नियम बदले, तहसीलों में रजिस्ट्री के लिए रोजाना मिलेंगे बीस टोकन

एजेंसी

चंडीगढ़। हरियाणा सरकार ने संपत्ति पंजीकरण की प्रक्रिया में बदलाव कर दिया है। राज्य सरकार ने तहसील और उप-मंडल स्तर पर प्रत्येक पंजीकरण कार्यालय के लिए दैनिक पंजीकरण अपॉइंटमेंट की संख्या को अधिकतम 20 टोकन प्रति कार्यालय तक सीमित कर दिया है। यह नई टोकन-आधारित व्यवस्था 2 जुलाई, 2026 से पूरे राज्य में लागू हो गई है। राजस्व एवं आपदा प्रबंधन विभाग की वित्त आयुक्त डॉ. सुमिता मिश्रा ने सभी उपायुक्तों को इस संशोधित व्यवस्था की जानकारी देते हुए इसे सख्ती से लागू करने के निर्देश दिए हैं। उन्होंने बताया कि इस नई प्रणाली के तहत, प्रत्येक जिला मुख्यालय तहसील में जिला राजस्व अधिकारी-सह-संयुक्त उप-पंजीयक के कार्यालय को प्रतिदिन यादृच्छिक (रैंडम) रूप से 20 टोकन आवंटित किए जाएंगे। इसी तरह, उप-मंडल स्तर पर उप-मंडलीय मजिस्ट्रेट (नागरिक)-सह-उप-पंजीयक के कार्यालय को भी रोजाना नियमित रूप से रैंडम आधार पर 20 टोकन जारी किए जाएंगे। उप-तहसील कार्यालयों में मौजूदा व्यवस्था में कोई बदलाव नहीं किया गया है और वह पहले की तरह ही चलती रहेगी। डॉ. मिश्रा ने स्पष्ट किया है कि ये टोकन दैनिक और रैंडम आधार पर जेनरेट किए जाएंगे, जिसका मुख्य उद्देश्य पक्षपात या वीआईपी ट्रीटमेंट को खत्म करना है ताकि सेल डीड (बिक्री विलेख) और अन्य संपत्ति दस्तावेजों के पंजीकरण के लिए आने वाले सभी आवेदकों को समान अवसर मिल सके। इसके साथ ही, राजस्व अधिकारियों को सख्त निर्देश दिए गए हैं कि वे हर आवंटित टोकन का सम्मान करें और तय समय के भीतर पंजीकरण प्रक्रिया को पूरा करना सुनिश्चित करें। यह निर्देश पंजीकरण अधिनियम, 1908 की धारा 17 और 18 के तहत अनिवार्य या वैकल्पिक पंजीकरण वाले सभी दस्तावेजों पर लागू होंगे।

विजन-2047 के तहत कृषि को नई दिशा देगा हरियाणा, किसानों की आय बढ़ाने पर जोर : मुख्यमंत्री

एजेंसी

चंडीगढ़। हरियाणा को विजन-2047 के अनुरूप कृषि क्षेत्र में देश का अग्रणी राज्य बनाने और किसानों की आय बढ़ाने के लक्ष्य को लेकर मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी ने हरियाणा सिविल सचिवालय में कृषि विभाग के आगामी पांच वर्षों के रोडमैप एवं कार्ययोजना की समीक्षा की।

मुख्यमंत्री ने विभाग से संबंधित मुख्यमंत्री घोषणाओं, बजट घोषणाओं और संकल्प पत्र में शामिल कार्यों की प्रगति की समीक्षा करते हुए अधिकारियों को निर्देश दिए कि विजन-2047 के लक्ष्यों को तय समय सीमा में धरातल पर उतारा जाए, ताकि हर किसान तक योजनाओं का लाभ पहुंचे और कृषि अधिक लाभकारी बन सके।

बैठक में सेम प्रभावित भूमि को सेम मुक्त बनाने के अभियान की समीक्षा भी की गई। अधिकारियों ने बताया कि इस वर्ष 1.40 लाख एकड़ भूमि को सेम मुक्त करने का लक्ष्य लेकर कार्य किया जा रहा है। अधिकारियों ने बताया कि प्रदेश में 15 लाख स्वायल हेल्थ कार्ड जारी करने का लक्ष्य रखा गया है। पहले चरण में 3.75 लाख मिट्टी के नमूने लिए जाने हैं, जिनमें से अब तक 50,620 नमूने एकत्र किए जा चुके हैं। शेष लक्ष्य जुलाई तक पूरा किया जाएगा। मुख्यमंत्री ने निर्देश दिए कि इस अभियान में स्कूलों के

विद्यार्थियों, कॉलेज के छात्रों और ग्रामीण युवाओं को स्वयंसेवक के रूप में जोड़ा जाए, ताकि वे मिट्टी परीक्षण की प्रक्रिया को समझ सकें और कृषि के प्रति उनकी रुचि भी बढ़े। बैठक में प्राकृतिक खेती और जैविक (ऑर्गेनिक) खेती को बढ़ावा देने पर भी विस्तार से चर्चा हुई। अधिकारियों ने बताया कि 10 जिलों में प्राकृतिक और जैविक उत्पादों की बिक्री के लिए विशेष व्यवस्था की जा रही है। हिसार और गुरुग्राम में अलग मंडियां स्थापित की जाएंगी, जबकि अन्य आठ मंडियों में इनके लिए अलग स्थान निर्धारित किया जाएगा। किसानों की फसलों के प्रमाणीकरण की व्यवस्था को भी और मजबूत करने पर चर्चा हुई। बैठक में डीएसआर (डायरेक्ट सीडेड राइस) तकनीक को बढ़ावा देने, किसानों को मिलने वाली प्रोत्साहन राशि का व्यापक प्रचार-प्रसार करने और अधिक से अधिक किसानों को इस तकनीक से जोडऩे पर भी चर्चा हुई।

अमृत योजना के कार्यों में अव्यवस्था से सिरसा शहर बेहाल, मुख्यमंत्री से तत्काल हस्तक्षेप की मांग : कुमारी सैलजा

एजेंसी

सिरसा। सिरसा लोकसभा क्षेत्र की सांसद, पूर्व केंद्रीय कैबिनेट मंत्री, अखिल भारतीय कांग्रेस कमेटी की महासचिव एवं कांग्रेस कार्यसमिति (सीडब्ल्यूसी.) की सदस्य कुमारी सैलजा ने कहा है कि सिरसा शहर में अमृत योजना तथा अन्य भूमिगत परियोजनाओं के नाम पर जिस प्रकार बिना समन्वय के सड़कें खोदी जा रही हैं, उससे पूरा शहर भारी अव्यवस्था, धूल, जाम और दुर्घटनाओं के खतरे से जूझ रहा है। उन्होंने कहा कि उन्होंने सितंबर 2025 में भी इस गंभीर विषय को लेकर हरियाणा के मुख्यमंत्री को पत्र लिखकर आधुनिक ट्रेंचलेस तकनीक अपनाने का आग्रह किया था, लेकिन सरकार ने समय रहते इस सुझाव पर ध्यान नहीं दिया, जिसके कारण आज शहरवासियों को भारी परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है। सीएम नायब सैनी को पत्र में कुमारी सैलजा ने कहा कि वर्तमान में अमृत योजना के अंतर्गत स्टॉर्म वॉटर ड्रेनेज, सीवर लाइन, गैस पाइपलाइन और पेयजल पाइपलाइन सहित अनेक कार्य एक साथ चल रहे हैं। प्रमुख बाजारों और सड़कों की बार-बार खुदाई से व्यापार प्रभावित हो रहा है, आमजन का आवागमन कठिन हो गया है तथा शहर की सुंदरता भी प्रभावित हुई है। उन्होंने कहा कि यदि सरकार ने उनके सुझाव को गंभीरता से लिया होता तो आज करोड़ों रुपये की सार्वजनिक संपत्ति को बार-बार नुकसान नहीं पहुंचता और नागरिकों को इस प्रकार की परेशानियां नहीं झेलनी पड़तीं। सांसद ने पत्र में लिखा है कि देश और विदेश के अनेक शहरों में होरिजॉन्टल डायरेक्शनल ड्रिलिंग (एचडीडी), माइक्रो टनलिंग तथा ऑगर बोरिंग जैसी आधुनिक ट्रेंचलेस तकनीकों का सफलतापूर्वक उपयोग किया जा रहा है, जिनसे बिना सड़कें तोड़े भूमिगत पाइपलाइन बिछाई जाती हैं। दिल्ली मेट्रो सहित अनेक बड़ी परियोजनाओं में भी इन तकनीकों का उपयोग हुआ है। हरियाणा सरकार को भी ऐसी वैज्ञानिक एवं आधुनिक तकनीकों को अनिवार्य रूप से अपनाना चाहिए।

दिल्ली: वायु प्रदूषण के साथ ओजोन प्रदूषण की चुनौती

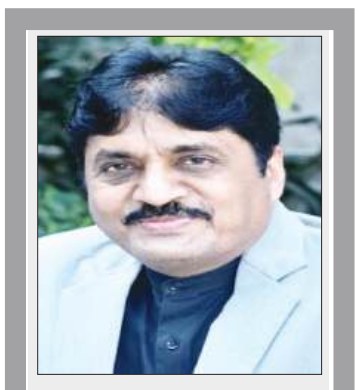

ललित गर्ग

दिल्ली आज केवल देश की राजधानी नहीं, बल्कि देश का सबसे बड़ा प्रदूषण हॉटस्पॉट भी बन चुकी है। गर्मियों में बढ़ते तापमान, तेज धूप और वाहनों एवं उद्योगों से निकलने वाली नाइट्रोजन ऑक्साइड तथा वाष्पशील कार्बनिक यौगिकों की रासायनिक प्रतिक्रिया

राजधानी दिल्ली वर्षों से वायु प्रदूषण की भयावह समस्या से जूझती रही है। हर सर्दी में धुंध की मोटी चादर, जहरीली हवा और दमघोंटू वातावरण राष्ट्रीय चिंता का विषय बनते हैं। अब तक इस संकट की चर्चा मुख्यतः पीएम 2.5, पीएम 10, पराली और वाहनों के धुएँ तक सीमित रही, लेकिन अब एक नया और अधिक खतरनाक खतरा तेजी से उभरकर सामने आया है- भूतलीय (ग्राउंड लेवल) ओजोन प्रदूषण। सेंटर फॉर साइंस एंड एनवायरनमेंट की हालिया रिपोर्ट ने स्पष्ट किया है कि दिल्ली-एनसीआर ही नहीं, जयपुर, चंडीगढ़ और अहमदाबाद जैसे शहर भी ओजोन प्रदूषण की गिरफ्त में आते जा रहे हैं। यह प्रदूषण दिखाई नहीं देता, लेकिन इसके दुष्प्रभाव धीरे-धीरे मानव जीवन, कृषि और पर्यावरण को भीतर तक बीमार कर रहे हैं। विडम्बना यह है कि प्रदूषण जैसे गंभीर विषय को भी अक्सर राजनीतिक आरोप-प्रत्यारोप तक सीमित कर दिया जाता है। कभी किसानों की पराली को संपूर्ण दोषी ठहरा दिया जाता है तो कभी केवल वाहनों को। जबकि वास्तविकता कहीं अधिक व्यापक है। यदि समस्या की जड़ तक पहुँचना है तो अनियोजित शहरीकरण, अंधाधुंध औद्योगिकीकरण, ऊर्जा उपभोग की वर्तमान व्यवस्था और विकास के मौजूदा मॉडल पर गंभीर पुनर्विचार करना होगा।

दिल्ली आज केवल देश की राजधानी नहीं, बल्कि देश का सबसे बड़ा प्रदूषण हॉटस्पॉट भी बन चुकी है। गर्मियों में बढ़ते तापमान, तेज धूप और वाहनों एवं उद्योगों से निकलने वाली नाइट्रोजन ऑक्साइड तथा वाष्पशील कार्बनिक यौगिकों की रासायनिक प्रतिक्रिया से भूतलीय ओजोन बनती है। यह वही ओजोन नहीं है जो वायुमंडल की ऊपरी परत में पृथ्वी को पराबैंगनी किरणों से बचाती है। धरातल पर बनने वाली ओजोन एक विषैली गैस है, जो फेफड़ों की कार्यक्षमता कम करती है, दमा के रोगियों की स्थिति बिगाड़ती है, आँखों में जलन पैदा करती है तथा हृदय रोगों का जोखिम बढ़ाती है। आज दिल्ली-एनसीआर में बड़ी संख्या में लोग सांस लेने में कठिनाई, एलर्जी और अस्थमा जैसी समस्याओं का सामना कर रहे हैं, जिनमें ओजोन प्रदूषण की भूमिका लगातार बढ़ रही है। दिल्ली सरकार ने प्रदूषण नियंत्रण की दिशा में कई महत्वपूर्ण कदम उठाए हैं। इलेक्ट्रिक वाहनों को प्रोत्साहन, नई इलेक्ट्रिक वाहन नीति,

सार्वजनिक परिवहन को बढ़ावा, चार्जिंग स्टेशन विकसित करने की योजना और पुराने प्रदूषणकारी वाहनों को चरणबद्ध तरीके से हटाने जैसे निर्णय निश्चित रूप से सकारात्मक हैं। यदि इन योजनाओं का प्रभावी क्रियान्वयन होता है तो आने वाले वर्षों में प्रदूषण नियंत्रण की दिशा में सार्थक परिवर्तन देखने को मिल सकता है। लेकिन केवल वाहन नीति से समस्या का समाधान संभव नहीं है।

वास्तविक संकट अनियोजित शहरीकरण का है। पिछले दो दशकों में दिल्ली और उससे लगे क्षेत्रों में जिस तेजी से खेत, तालाब और हरित क्षेत्र कंक्रीट के जंगलों में बदले हैं, उसने प्राकृतिक संतुलन को गहरा आघात पहुँचाया है। जहाँ कभी वर्षा का पानी धरती में समा जाता था, वहाँ अब सीमेंट और डामर की सतह है। पारंपरिक जलस्रोत मिट गए, पेड़ों की संख्या घटी और गर्मी बढ़ती गई। यही कारण है कि शहरों का तापमान आसपास के ग्रामीण क्षेत्रों की तुलना में कई डिग्री अधिक रहने लगा है। यही अतिरिक्त गर्मी ओजोन बनने की प्रक्रिया को और तेज करती है। आज महानगरों का विस्तार विकास का प्रतीक माना जाता है, लेकिन यह विकास प्रकृति की कीमत पर हो रहा है। शहरों को सड़कें चाहिए, बिजली चाहिए, आवास चाहिए, उद्योग चाहिए। इन सबके लिए खेत समाप्त हो रहे हैं, जंगल कट रहे हैं और जलस्रोत नष्ट हो रहे हैं। परिणामस्वरूप प्रदूषण केवल हवा तक सीमित नहीं रहा, बल्कि जल, मिट्टी और जैव विविधता भी प्रभावित हो रही है। विकास की यह दिशा अंततः मानव जीवन के विरुद्ध खड़ी दिखाई देती है। दिल्ली में निजी वाहनों की संख्या लगातार बढ़ती जा रही है। सार्वजनिक परिवहन की उपलब्धता और गुणवत्ता अभी भी इतनी प्रभावी नहीं हो सकी कि लोग निजी वाहनों का त्याग करें। इलेक्ट्रिक वाहनों को बढ़ावा देना स्वागतयोग्य है, किंतु यह भी ध्यान रखना होगा कि बिजली यदि कोयला आधारित ताप विद्युत संयंत्रों से आएगी तो प्रदूषण केवल एक स्थान से दूसरे स्थान पर स्थानांतरित होगा। इसलिए स्वच्छ ऊर्जा, सौर ऊर्जा और हरित परिवहन को समानांतर गति से बढ़ाना आवश्यक है।

ओजोन प्रदूषण केवल मानव स्वास्थ्य तक सीमित नहीं है। यह कृषि उत्पादन को भी प्रभावित करता है। वैज्ञानिक अध्ययनों में पाया गया है कि ओजोन फसलों की प्रकाश संश्लेषण प्रक्रिया को प्रभावित कर उत्पादन घटा देती है। ऐसे समय में जब जलवायु परिवर्तन, अनिश्चित मानसून और बढ़ती गर्मी पहले ही किसानों के सामने बड़ी चुनौती बने हुए हैं, ओजोन प्रदूषण कृषि संकट को और गहरा कर सकता है। राष्ट्रीय स्वच्छ वायु कार्यक्रम के अंतर्गत अनेक शहरों में वायु गुणवत्ता सुधारने का लक्ष्य निर्धारित किया गया है, किंतु अब समय आ गया है कि इसकी रणनीति का विस्तार किया जाए। केवल पार्टिकुलेट मैटर पर ध्यान देने के बजाय ओजोन जैसे द्वितीयक प्रदूषकों की निगरानी, वैज्ञानिक अध्ययन और नियंत्रण पर भी समान बल देना होगा। वायु गुणवत्ता निगरानी तंत्र को अधिक व्यापक, आधुनिक और पारदर्शी बनाना होगा।

समस्या के समाधान में नागरिकों की भूमिका भी उतनी ही महत्वपूर्ण है। कचरा जलाना, निर्माण कार्यों से उड़ने वाली धूल, खुले में ईंधन जलाना, प्लास्टिक और औद्योगिक कचरे का अनुचित निस्तारण जैसी आदतों में परिवर्तन लाना होगा। अधिक से अधिक सार्वजनिक परिवहन का उपयोग, साइकिल और पैदल चलने की संस्कृति को बढ़ावा देना होगा। शहरों में बड़े पैमाने पर वृक्षारोपण, हरित पट्टियों का विकास और पारंपरिक जलस्रोतों का पुनर्जीवन भी प्रदूषण नियंत्रण की प्रभावी रणनीति का हिस्सा होना चाहिए। वायु प्रदूषण केवल पर्यावरणीय संकट नहीं, बल्कि आर्थिक और सामाजिक संकट भी है। बढ़ती बीमारियाँ स्वास्थ्य व्यवस्था पर बोझ डालती हैं, कार्यक्षमता घटाती हैं और करोड़ों रुपये की आर्थिक हानि का कारण बनती हैं। सबसे चिंताजनक तथ्य यह है कि प्रदूषण बच्चों और युवाओं के भविष्य को प्रभावित कर रहा है। यदि आज निर्णायक कदम नहीं उठाए गए तो आने वाली पीढ़ियों को इसका कहीं अधिक गंभीर मूल्य चुकाना पड़ेगा।

दिल्ली सरकार द्वारा उठाए जा रहे कदम स्वागतयोग्य हैं और उनसे सकारात्मक परिणामों की आशा की जा सकती है, किंतु यह तभी संभव होगा जब केंद्र, राज्य, स्थानीय निकाय, उद्योग, वैज्ञानिक समुदाय और नागरिक समाज मिलकर समन्वित प्रयास करें। प्रदूषण किसी एक सरकार, एक मौसम या एक कारण की समस्या नहीं है। यह हमारे विकास मॉडल, जीवनशैली और पर्यावरण के प्रति दृष्टिकोण का परिणाम है। आज आवश्यकता दोषारोपण की नहीं, बल्कि दूरदर्शी नीति और सामूहिक उत्तरदायित्व की है। यदि हम स्वच्छ हवा चाहते हैं तो केवल प्रदूषण कम करने की योजनाएँ नहीं, बल्कि प्रकृति के साथ संतुलित विकास की नई संस्कृति विकसित करनी होगी। अन्यथा ओजोन जैसी अदृश्य गैसें हमारे शहरों को धीरे-धीरे बीमार करती रहेंगी और विकास का यह मॉडल स्वयं मानव सभ्यता के लिए सबसे बड़ा संकट बन जाएगा।

संपादकीय

जानलेवा मैनहोल

मानसून की बारिश जहां किसानों के लिये राहत लेकर आती हैं, वहीं तंत्र की काहिली और भ्रष्टाचार की पोल भी खोल देती है। मानसून की शुरूआती बारिश ने एक बार फिर सार्वजनिक संरचनाओं की जानलेवा खामियों को ही उजागर किया। मुंबई में बारिश के पानी में नजर न आने वाले एक खुले मैनहोल में गिरने से एक व्यक्ति की मौत हो गई। वहीं हाल ही में खुले बहुचर्चित दिल्ली-देहरादून एक्सप्रेसवे ने पब्लिक इंफ्रास्ट्रक्चर की बदहाली उजागर कर दी। ये घटनाएं हमें बताती हैं कि बारिश के मौसम में स्थानीय निकायों की लापरवाही व खराब इंजीनियरिंग के चलते कैसे लोगों का जीवन जोखिम में पड़ जाता है। निस्संदेह, मुंबई में हुए हादसे को रोका जा सकता था। कथित साफ-सफाई के बाद लापरवाही से खुला छोड़ा गया मैनहोल तब जानलेवा बन गया, जब बारिश के पानी से ढका खुला मैनहोल नजर नहीं आया। निस्संदेह, दुर्घटना के बाद अधिकारियों को निलंबित करना और ठेकेदार को काली सूची में डालना, फौरी तौर पर सही कदम है, लेकिन सवाल यह है कि हादसे होने के बाद ही ऐसे कदम क्यों उठाये जाते हैं? पहले से ही नागरिकों की सुरक्षा के लिये चाक-चौबंद व्यवस्था क्यों नहीं होती? कायदे से किसी सड़क पर मैनहोल खोलने से पहले बैरिकेड्स लगाने, चेतावनी देने वाले संकेत और अस्थायी कवर से ढकना बुनियादी सुरक्षा उपाय हैं। जिन्हें अनिवार्य रूप से सुनिश्चित किया जाना चाहिए। बीते साल भी दिल्ली में भारी बारिश के दौरान स्कूटर फिसलने से एक महिला और उसका तीन साल का बेटा पानी से भरे नाले में बह गये थे। ये असुरक्षित ड्रेनेज संरचना की घातकता को ही दशार्ता है। विडंबना है कि हमारा तंत्र सालभर सोया रहता है और जब बरसात शुरू होने को होती है, तब मरम्मत- नालों की सफाई के काम की औपचारिकता पूरी करता है। निस्संदेह, संबंधित विभागों के अधिकारियों की सर्वकालिक जवाबदेही तय की जानी चाहिए। फिर किसी भी तरह की लापरवाही होने पर सख्त दंडात्मक कार्रवाई भी सुनिश्चित की जानी चाहिए। वहीं दूसरी ओर दिल्ली-देहरादून एक्सप्रेसवे के धंसने की घटना भी एक चिंताजनक स्थिति को दशार्ती है। यह निर्विवाद सत्य है कि कोई सड़क बारिश आने के कारण रातों-रात नहीं धंसती है। इसमें सड़क निर्माण के दौरान सतर्कता की अनदेखी भी शामिल है। दरअसल, सड़क निर्माण के दौरान जल निकासी की कारगर व्यवस्था न होने, मिट्टी की स्थिरता सुनिश्चित न करने और निर्माण में गुणवत्ता की कमी से ही बरसाती पानी सड़क की सतह के नीचे मिट्टी को धीरे-धीरे काटने लगता है। कालांतर यह मिट्टी का कटाव ही सड़क धंसने की वजह बन जाता है। साल 2024 में बिहार में पुलों के ढहने की शृंखला ने भी निर्माण कार्य में घटिया सामग्री के उपयोग की हकीकत बतायी थी। इसी तरह की चिंताएं अकसर सामने आती हैं जब आधुनिक कहे जाने वाले महानगरों बेंगलुरू और मुंबई में हर मानसून में सड़कों में बने गड्ढे दुर्घटनाओं का कारण बनते हैं। इतना ही नहीं इससे यातायात में भी अराजकता व व्यवधान पैदा होता है। बहरहाल, इन सभी घटनाओं के मूल में एक बात तो समान है कि स्थानीय निकाय व प्रशासन जोखिमों का समय रहते अनुमान नहीं लगा पाते हैं।

चिंतन-मनन

शिष्य बना प्रशंसा का पात्र

गंगा किनारे गुरु अभेंद्र का आश्रम था। एक बार देश में भीषण अकाल पड़ा। गुरु अभेंद्र ने संकटग्रस्तों की मदद के उद्देश्य से अपने तीन शिष्यों को बुलाकर कहा - ऐसे संकट के समय में हमें अकाल पीड़ितों की सेवा करनी चाहिए। तुम लोग अलग-अलग क्षेत्रों में जाकर भूखों को भोजन कराओ।

उनकी बात सुनकर शिष्य बोले - गुरुजी, हम इतने सारे लोगों को भोजन कैसे कराएंगे? हमारे पास न तो अन्न भंडार है और न अनाज खरीदने के लिए धन। तब गुरु अभेंद्र ने उन्हें एक थाली देते हुए कहा - यह थाली दिव्य है। तुम जितना भोजन मांगोगे, यह उतना भोजन उपलब्ध कराएगी। तीनों शिष्य थाली लेकर निकल पड़े। दो शिष्य एक स्थान पर बैठ गए। उधर से जो भी गुजरता, उसे वे भोजन कराते। किंतु तीसरा शिष्य मोहन बैठा नहीं, बल्कि घूम-घूमकर भूखों को खोजता रहा और उन्हें खाना बांटता रहा। कुछ दिनों बाद जब तीनों आश्रम लौटे, तो गुरु ने मोहन की खूब प्रशंसा की। दोनों शिष्यों को यह अजीब लगा।

उन्होंने पूछा - गुरुदेव, हमने भी तो अकाल पीड़ितों की सेवा की है। फिर मोहन की ही प्रशंसा क्यों गुरु ने उत्तार दिया - तुमने एक ही स्थान पर बैठकर पीडघ्तों की सहायता की। ऐसा करने से वे लोग तुम्हारी मदद से वंचित रह गए, जो चलकर तुम्हारे पास आने में असमर्थ थे। जबकि मोहन ने लोगों के पास जा-जाकर उन्हें भोजन कराया। उसकी सहायता अधिकतम लोगों तक पहुंची, इसलिए उसकी सेवा अधिक प्रशंसा के योग्य है। कथा का सार यह है कि वही सेवा अधिक सराहनीय होती है, जो आगे बढ़कर की जाए।

ईरान के सुप्रीम लीडर खामनेई का 131 दिन बाद अंतिम संस्कार

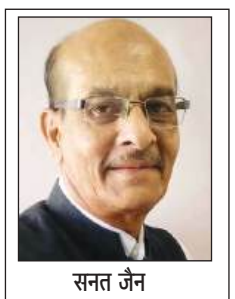

सनत जैन

ईरान के सुप्रीम लीडर अयातुल्लाह अली खामेनेई के अंतिम संस्कार की रस्में शुरू हो गई हैं। शुक्रवार को शुरू हुए इस अंतिम संस्कार कार्यक्रम में खामेनेई और उनके परिवार के सदस्यों को विदाई दी जा रही है। उनके पार्थिव शरीर को ताबूत में रखा गया है। लोगों को अंतिम दर्शन और श्रद्धांजलि देने के लिए 60 शहरों से होते हुए यह जनाजा उनके जन्म स्थान पर जाकर दफनाया जाएगा। सुप्रीम लीडर के परिवार में उनकी 14 महीने की पोती, उनकी पत्नी, बेटी और दामाद का भी जनाजा साथ में निकाला जा रहा है। सुप्रीम लीडर खामेनेई और उनके परिवार के सदस्यों की 28 फरवरी 2026 को अमेरिका और इजराइल ने मिलकर संयुक्त हवाई हमला किया था। इसमें उनकी मौत हो गई थी। उनकी मौत के 131 दिन बाद 9 जुलाई को उन्हें ईरान के मशहद शहर में दफनाया जाएगा। लगभग 100 देशों के प्रतिनिधि मंडल तेहरान पहुंच गए हैं। इजराइल द्वारा धमकी दिए जाने के बाद उनके पुत्र मुज्तबा खामनेई सुरक्षा कारणों से अंतिम संस्कार में शामिल नहीं हो रहे हैं। इजराइल की धमकी के बाद अंतिम संस्कार के जनाजे की सुरक्षा एवं इसमें आने वाले करोड़ों लोगों की सुरक्षा के लिए विशेष इंतजाम किए गए हैं।

ईरान के सुप्रीम लीडर खामेनेई का जनाजा 6 शहरों से होते हुए उनके जन्म स्थल पर ले जाया जाएगा जहां पर उनके पूर्वजों को सुपुर्द-ए-खाक किया गया था, वहीं उन्हें भी दफन किया जाएगा। जनाजे में भारी भीड़ उमर रही है। सुरक्षा को देखते हुए बड़े पैमाने पर इंतजाम किए गए हैं। तेहरान में विदेश से आने वालों के लिए ठहरने की विशेष व्यवस्था की गई है। इसके साथ ही ईरान के विभिन्न हिस्सों से बड़ी संख्या में लोग जनाजे में शामिल होने के लिए पहुंच रहे हैं। उसको ध्यान में रखते हुए सैकड़ो सेवा केंद्र बनाए गए हैं। जहां पर लोगों के ठहरने खाने-पीने और स्वास्थ्य संबंधी इंतजाम किया गया है। ईरान की सरकार ने अमेरिका और इजराइल को कड़ी चेतावनी दी है। यदि उन्होंने इस मौके पर कोई हरकत की तो इसका ऐसा जवाब दिया जाएगा जो अमेरिका और इजराइल ने सोचा भी नहीं होगा। शुक्रवार से शुरू हुए जनाजे के इस कार्यक्रम में जिस तरह से ईरान की जनता उमड़ रही है वह सारी दुनिया के लोगों के लिए एक आश्चर्य में डालने की तरह है।

अमेरिका और इजराइल ने जब ईरान के ऊपर हमला किया था उस समय ईरान में सरकार के खिलाफ प्रदर्शन चल रहे थे। अमेरिकी शह में जो प्रदर्शन हो रहे थे, उसे देखते हुए अमेरिका को लग रहा था कि वह एक सप्ताह के अंदर ईरान में सत्ता परिवर्तन करा देगा। अमेरिका और इजराइल का यह अनुमान गलत साबित हुआ। हमले में आयतुल्लाह खामेनेई और उनके परिवार के पांच सदस्यों की हत्या होने के बाद ईरान में बड़ी तीव्र प्रतिक्रिया हुई थी। सारा ईरान एकजुट हो गया। अमेरिका और इजराइल के खिलाफ जो लड़ाई ईरान ने लड़ी है, वह सारी दुनिया के लिए एक मिसाल बन गई है। आयतुल्लाह खामेनेई ने कई दशको पहले फतवा जारी कर दिया था। उनका धर्म परमाणु बम बनाने की इजाजत नहीं देता है। ईरान परमाणु बम नहीं बनाएगा। उन्होंने जो फतवा जारी किया था, शहादत होने तक उसका पालन करते हुए सारी दुनिया को एक संदेश देने की कोशिश भी की है। जिसकी चर्चा सारी दुनिया में हो रही है।

नजर आ रहे खतरे से बचाव नहीं, भूकंप से कैसे बचाएंगी सरकारें

योगेन्द्र योगी

वेनेजुएला में एक मिनट के अंदर दो बड़े विनाशकारी भूकंप में करीब दो हजार लोगों की मौत हो गई। इस प्राकृतिक आपदा में करीब 10 हजार लोग घायल हो गए। बगैर किसी चेतावनी के आने वाली भूकंप जैसी आपदाएं सरकारों को चेताती हैं कि पहले से बचाव के उपाए किए जाएं, ताकि कम से कम जानमाल का नुकसान हो सकें। भूकंप का खतरा भारत मे भी है। देश के कई हिस्सों में कई बार शक्तिशाली भूकंपों ने भारी तबाही मचाई है। सवाल यह है कि पूर्व में आए इन भूकंपों से देश की सरकारों ने कोई सबक सीखा है। क्या देश में ऐसे इंतजाम किए गए हैं कि भूकंप आने पर कम से कम जानमाल का नुकसान हो।

दरअसल भारत के राजनीतिक दलों और सरकारों से किसी भी प्राकृतिक आपदा से पहले और बाद में बचाव की ज्यादा उम्मीदें नहीं की जा सकती हैं। कारण साफ है केंद्र और राज्यों की सरकारों को सामने स्पष्ट नजर आते हुए खतरों से लोगों को बचाने का कोई इंतजाम नहीं हो, वे भूकंप जैसे छिपे हुए खतरों से कैसे बचाएंगे। दिल्ली के बाद लखनउ में आग से 15 लोगों की मौत हो गई। ऐसी लाखों इमारतें अकेले उत्तर प्रदेश में हैं, जिनमें आग से बचाने के कोई उपाय नहीं किए गए हैं। जब दिल्ली में आग लगी तभी राज्यों की सरकारों को सतर्क हो जाना चाहिए था। लेकिन सरकारों ने लोगों की जान की परवाह नहीं की। अगले ही दिन बिहार के मुजफ्फरपुर में आग ने पांच-छह मरीजों को लील लिया। इसके बाद उत्तर प्रदेश के नोएडा और फिर मध्य प्रदेश के इंदौर में आग ने फ्लैट और शोरूम खाक कर दिए। तीन दिन में आग की चार भयानक घटनाओं ने लोगों को डरा दिया है और करीब 26 लोगों की जलकर या काले धुएं की चपेट में आकर मौत हो गई है।

राष्ट्रीय और राज्य स्तर के अनुमानों के अनुसार, वाणिज्यिक और आवासीय क्षेत्रों के 60 प्रतिशत से अधिक छोटे और मध्यम भवन बिना वैध फायर एनओसी के चल रहे हैं। देश भर में दमकल केंद्रों में 97.5 प्रतिशत, दमकल कर्मियों में 96.2 प्रतिशत और अग्निशमन उपकरणों में लगभग 80 प्रतिशत तक की कमी है। देश के लगभग हर बड़े शहर में सुरक्षा नियमों को दरकिनार किया जा रहा है। यह खतरा ऐसा है, जो साफ दिखाई देता है। इससे बचाव के शत–प्रतिशत इंतजाम भी किए जा सकते हैं। इसके बावजूद राज्यों और केंद्र ने पूर्व में हुए ऐसे हादसों से सबक नहीं सीखा।

ऐसे में यह सवाल उठना लाजिमी है, सामने स्पष्ट तौर पर दिखाई दे रहे खतरे से निपटने में सरकारें नाकाम हैं तो भूंकप जैसी अचानक आने वाली आपदा और उसके भयावह रूप से सरकारें कैसे निपटेंगी। जबकि भूगर्भ वैज्ञानिक साफ चेता चुके हैं कि देश के कितने हिस्सों में कभी भी भीषण भूकंप आ सकता है। पिछले दो दशकों में देश में 10 बड़े भूकंप आए हैं, जिनमें 20,000 से अधिक लोगों की जान गई है। नेशनल डिजास्टर मैनेजमेंट ऑथोरिटी के मुताबिक भारत में करीब 20 करोड़ इमारतें भूकंपीय क्षेत्र 4 और 5 में आती हैं। इनमें से कई इमारतें 30-40 साल पहले बनी थीं और इनमें से कई इमारतें नेशनल बिल्डिंग कोड्स का पालन नहीं करती हैं।

भूकंप संभावित क्षेत्रों में जोन-1 में भूकंप आने की आशंका सबसे कम रहती है, वहीं जोन-5 में ज्यादा प्रबल रहती है। दिल्ली-एनसीआर का इलाका सीस्मिक जोन-4 में आता है और यही वजह है कि उत्तर भारत के इस क्षेत्र में सीस्मिक गतिविधियाँ तेज रहती हैं। भूगर्भ विशेषज्ञों ने भारत के करीब 59% भू-भाग को भूकंप संभावित क्षेत्र के रूप में वगीर्कृत किया है। जानकार सीस्मिक जोन-4 में आने वाले भारत के सभी बड़े शहरों की तुलना में दिल्ली में भूकंप की आशंका ज्यादा बताते हैं। गौरतलब है कि मुंबई, कोलकाता, चेन्नई और बेंगलुरु जैसे शहर सीस्मिक जोन-3 की श्रेणी में आते हैं। जबकि भूगर्भशास्त्री कहते हैं कि दिल्ली की दुविधा यह भी है कि वह हिमालय के निकट है, जो भारत और यूरेशिया जैसी टेक्टॉनिक प्लेटों के मिलने से बना था और इसे धरती के भीतर की प्लेटों में होने वाली हलचल का खमियाजा भुगतना पड़ सकता है।

नेशनल सेंटर फोर सिसमोलॉजी के मुताबिक भारत के 29 शहरों पर भूकंप का गंभीर खतरा है। इन शहरों में दिल्ली समेत नौ राज्यों की राजधानियां भी हैं। ये ज्यादातर शहर हिमालय जोन से लगे हैं। हिमालय से लगे शहर दुनियां के उन शहरों में शुमार हैं, जहां भूकंप का सबसे ज्यादा खतरा रहता है। दिल्ली, पटना, श्रीनगर, कोहिमा, पुडुच्चेरी, गुवाहाटी, गंगटोक, शिमला, देहरादून, इम्फाल और चंडीगढ़ भूकंपीय क्षेत्र के जोन चार और पांच में हैं। इंडियन इंस्टीट्यूट ऑफ साइंस (आईआईएससी) के मुताबिक ये वो शहर हैं जहां आबादी का घनत्व बहुत सघन है और ये गंगा के मैदानी भाग हैं।

इसके साथ ही वैज्ञानिकों ने यह भी कहा है कि सिस्मिक जोन-4 में आने वाली राजधानी दिल्ली भूकंप के बड़े झटके से खासा प्रभावित हो सकती है। अगर यहां 7 की तीव्रता वाला भूकंप आया तो दिल्ली की कई सारी इमारतें और घर रेत की तरह भरभराकर गिर जाएंगे। ऐसा इसलिए है, क्योंकि दिल्ली की इमारतों में इस्तेमाल होने वाली निर्माण सामग्री ऐसी है, जो भूकंप के झटकों का सामना करने में पूरी तरह से सक्षम नहीं है। दिल्ली में मकान बनाने की निर्माण सामग्री ही आफत की सबसे बड़ी वजह है। दिल्ली में 1760 से अधिक अनधिकृत कॉलोनियां हैं। इन अनधिकृत कॉलोनियों में गैर-इंजीनियरिंग इमारतें बनी हैं, जिनमें भूकंप प्रतिरोध क्षमता शायद ही हो।

भूकंप के प्रति सर्वाधिक संवेदनशील और खतरनाक माने जाने वाले जोन पांच में भारत का पूरा पूर्वोत्तर है। इनमें जम्मू-कश्मीर का कुछ हिस्सा, हिमाचल प्रदेश, उत्तराखंड, गुजरात के साथ उत्तरी बिहार के कुछ हिस्से और अंडमान निकोबार हैं। वहीं जम्मू-कश्मीर का कुछ हिस्सा, दिल्ली, सिक्किम, उत्तर प्रदेश, पश्चिम बंगाल, गुजरात के कुछ हिस्से और महाराष्ट्र का कुछ भाग जोन चार में हैं। गुजरात का भुज 2001 में भयावह तरीके से भूकंप की चपेट में आया था। इस भूकंप में 20 हजार लोग मारे गए थे।

सुप्रीम कोर्ट ने साल 2025 में आदेश दिया था कि ऐसी सभी इमारतें, जिनमें 100 या उससे अधिक लोग रहते हैं, उनके ऊपर भूकंप-रोधी होने वाली किसी एक श्रेणी का साफ उल्लेख होना चाहिए। सुप्रीम कोर्ट का यह आदेश अन्य जनहित के आदेशों की तरह सरकारी फाइलों में दफन हो गया। अग्नि दुर्घटनाओं की तरह तो नहीं पर मौटे तौर पर सरकारों को इस बात का अंदाजा है कि देश के किन इलाकों में भूकंप आ सकता है। जिस देश में साफ नजर आने वाले खतरे की नेताओं और सरकारों को परवाह नहीं, उन्हें छिपे हुए अचानक आने वाले खतरों से देश के लोगों को बचाने की क्या परवाह होगी। देश में ऐसा एक भी राज्य नहीं हैं, जहां की किसी भी तरह की इमरातें, अग्नि दुर्घटनाओं से सुरक्षित हो, या उनमें अग्नि दुर्घटना होने पर बचाव के पूरे कानूनी प्रावधान हों, ऐसे में छिपे हुए अचानक आए खतरनाक भूकंप से बचाने के लिए इंतजाम भगवान भरोसे है।

होना तो यह चाहिए था कि इतने अग्निकांडों के बाद देश में सरकारों की नींद खुल जानी चाहिए थी। देश के जितने भी व्यवसायिक या निजी इमारतें हैं, उनमें आग से बचाव के इंतजामों की तत्काल जांच की जानी चाहिए थी। आग लगने पर लोगों की जान खतरे में डालने वाले ऐसे भवनों को तत्काल सील किया जाना चाहिए था। इससे भी महत्वपूर्ण जिन विभागों की अग्निशमन के उपायों की जांच करने की जिम्मेदारी है, उनके खिलाफ प्रभावी कार्रवाई की जानी चाहिए थी। एक के बाद एक अग्नि दुर्घटनाएं होती रहीं किन्तु सरकारों की नींद नही खुली।

संक्षिप्त समाचार

फ्रांस में मानव तस्करी का दोषी ब्रिटेन में फर्जी पहचान के साथ रहता मिला

पेरिस, एजेंसी। फ्रांस में मानव तस्करी के मामले में पांच साल की जेल की सजा पा चुका इराकी कुर्द मूल का टवाना जमाल अब ब्रिटेन के लीसेस्टरशायर में रह रहा है और कथित तौर पर शरण मांग रहा है। बीबीसी की जांच में दावा किया गया है कि वह फर्जी नाम से रह रहा है, अवैध रूप से काम कर रहा है और बिना वैध ड्राइविंग लाइसेंस के वाहन चला रहा है। बीबीसी के अनुसार जमाल को 2016 में फ्रांस की अदालत ने मानव तस्करी के मामले में दोषी ठहराया था। अभियोजन पक्ष का आरोप था कि वह डनकर्क के प्रवासी शिविरों से अवैध प्रवासियों को इंग्लिश चैनल पार कराकर ब्रिटेन भेजने का नेटवर्क चलाता था और इससे हर सप्ताह करीब एक लाख पाउंड तक कमाता था। जांच के दौरान बीबीसी ने उसे लीसेस्टरशायर के ब्लैबी गांव में स्थित एक मिनी-मार्ट में काम करते देखा। रिपोर्ट के मुताबिक उसने खुद को 'सुल्तान' बताया, सामना होने पर उसने कहा कि उसने ब्रिटेन में शरण के लिए आवेदन किया है और अभी फैसला लंबित है। हालांकि, उसने मानव तस्करी और फ्रांस में जेल जाने के आरोपों से इनकार किया।

पाकिस्तान तक्षशिला के दो स्थलों से हटाए पुनर्निर्माण : यूनेस्को

वाशिंगटन, एजेंसी। यूनेस्को ने पाकिस्तान सरकार को तक्षशिला के दो ऐतिहासिक स्थलों मोहरा मोरादु और सिरकप में किए गए पुनर्निर्माण को तुरंत हटाने की चेतावनी दी है। पंजाब पुरातत्व विभाग ने आधुनिक पत्थरों और कंक्रीट से प्राचीन दीवारों की ऊंचाई बढ़ा दी थी, जिससे इसकी मौलिकता प्रभावित हो गई। पर्यटक की शिकायत पर यूनेस्को ने स्पष्ट किया कि यदि निर्माण को नहीं हटाया तो तक्षशिला को विश्व धरोहर की खतरे की सूची में डाल दिया जाएगा।

पाकिस्तान : घर पर ड्रोन से हमला तीन भाई-बहनों की मौत, 8 जख्मी

इस्लामाबाद, एजेंसी। पाकिस्तान के खैबर पख्तूनख्वा प्रांत में एक घर पर हुए संदिग्ध ड्रोन हमले में तीन भाई-बहनों की मौत हो गई और आठ अन्य घायल हो गए। घटना बुधवार देर रात बाजौर जिले के शिनकोट इलाके में हुई। यह इलाका पाकिस्तान-अफगानिस्तान सीमा के पास स्थित है। पुलिस ने बताया कि हमले में 15 और 8 साल के दो लड़कों और पांच साल की एक लड़की की मौत हो गई। यह तुरंत पता नहीं चल सका कि ड्रोन हमला किसने किया। किसी गुट ने हमले की जिम्मेदारी भी नहीं ली है।

जून में रिकॉर्ड भारतीय पर्यटकों से गुलजार रहीं नेपाल की वादियां

काठमांडू, एजेंसी। इस साल जून में नेपाल की वादियां भारतीय पर्यटकों से गुलजार रहीं। नेपाल पर्यटन बोर्ड अनुसार, पिछले महीने यहां हवाई यात्रा के जरिये रिकॉर्ड 41,809 भारतीय पर्यटक पहुंचे, जो पिछले साल के इसी महीने (32,662) की तुलना में 28% अधिक है। जून में नेपाल पहुंचने वाले कुल 91,363 विदेशी पर्यटकों में भारत के बाद अमेरिका (11,836), चीन (9,995), बांग्लादेश (4,322) और ब्रिटेन (2,500) का स्थान रहा। वहीं, पिछले छह महीने के आंकड़ों पर नजर डालें तो नेपाल में कुल 6,20,426 विदेशी पर्यटक पहुंचे, जो पिछले वर्ष से 7% अधिक है।

थाईलैंड : 11 साल के लड़के ने भिक्षुओं को कुचला, 8 की मौत

बैंकॉक , एजेंसी। थाईलैंड के उत्तर-पूर्वी क्षेत्र में बृहस्पतिवार को एक पिकअप ट्रक चला रहे 11 वर्षीय लड़के ने तीर्थयात्रा पर जा रहे भिक्षुओं के समूह को कुचल दिया। इस दुर्घटना में आठ लोगों की मौत हो गई। मुकदहन प्रांत के कुल 35 भिक्षु तीर्थयात्रा पर थे। गवर्नर वोरयान बूननारत ने कहा, पांच भिक्षु मौके पर ही मारे गए जबकि तीन अन्य भिक्षुओं ने अस्पताल में दम तोड़ा। पुलिस ने कहा, चालक ने वाहन पर नियंत्रण खोकर सड़क किनारे चल रहे समूह को रौंद दिया। बूननारत ने बताया कि 14 अन्य लोगों को अस्पताल में भर्ती कराया गया है, जिनमें से चार की हालत गंभीर है। स्थानीय पुलिस ने बताया कि लड़का फिलहाल हिरासत में है। पुलिस ने बताया कि हादसे के कारणों की जांच जारी है।

खामनेई के अंतिम संस्कार से पूर्व ईरान ने चेताया कहा-गलतफहमी से बचें

तेहरान, एजेंसी। ईरान ने इस्राइल-अमेरिका को देश पर किसी भी तरह के हमले के प्रति चेतावनी दी है। कहा कि आक्रामकता दिखाई तो जवाब भयंकर होगा। यह चेतावनी ऐसे समय पर दी गई है जब ईरान अपने सर्वोच्च नेता अयातुल्ला अली खामनेई के राजकीय अंतिम संस्कार की तैयारी कर रहा है। अंतिम संस्कार का जुलूस 4 जुलाई को तेहरान में शुरू होकर 9 जुलाई को उनके गृहनगर (मशहद) में दफनाने के साथ खत्म होगा।

रूस का कीव पर भीषण मिसाइल एवं ड्रोन हमला, 17 लोगों की मौत

कीव , एजेंसी। रूस ने गुरुवार रात यूक्रेन की राजधानी कीव पर मिसाइलों और ड्रोन से भीषण हमला किया जिसमें कम से कम 17 लोगों की मौत हो गई और 90 से अधिक अन्य घायल हो गए. हमलों के दौरान कई घंटों तक राजधानी में जोरदार धमाकों की आवाजें सुनाई देती रहीं. रूस ने इस हमले को यूक्रेन की ओर से मॉस्को के तेल प्रतिष्ठानों पर किए गए हमलों का प्रतिशोध बताया है. यूक्रेन के इन हमलों से रूस में ईंधन आपूर्ति प्रभावित हुई है और राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन पर दबाव बढ़ा है. बैलिस्टिक और क्रूज मिसाइलों तथा ड्रोन से किए गए इस हमले में राजधानी के कई हिस्सों में आवासीय इमारतों और नागरिक बुनियादी ढांचे को भारी नुकसान पहुंचा. यूक्रेन के राष्ट्रपति वोलोदिमीर जेलेंस्की और अन्य अधिकारियों की ओर से हमले को लेकर पहली बार सतर्क किए जाने के बाद बड़ी संख्या में लोगों ने सबवे स्टेशनों में शरण ली.

रूस के रक्षा मंत्रालय ने एक बयान में कहा कि यह हमला यूक्रेन की ओर से रूस के नागरिक बुनियादी ढांचे पर किए गए हमलों के जवाब में किया गया. हाल के सप्ताहों में रूस ने कीव पर अपने हमले और तेज कर दिए हैं। वहीं, यूक्रेन भी रूस के सैन्य ठिकानों और ऊर्जा प्रतिष्ठानों पर लगातार ड्रोन हमले कर रहा है, जिससे रूस के भीतर ईंधन की कमी पैदा हुई है और उसकी आपूर्ति शृंखला प्रभावित हुई है.

कीव के मेयर विताली क्लित्सको ने बताया कि हमले में 17 लोगों की मौत हुई है जबकि 90 से अधिक अन्य घायल हुए हैं. यूक्रेन के विदेश मंत्री आंद्री सिबिहा ने इस हमले को ''खौफनाक'' करार देते हुए सहयोगी देशों से यूक्रेन की वायु रक्षा क्षमता को और मजबूत करने की अपील की. उन्होंने कहा कि वायु रक्षा प्रणालियों और मिसाइलों की आपूर्ति से जुड़े फैसलों में अब और देरी नहीं की जानी चाहिए.

उन्होंने यूक्रेन के ड्रोन हमलों के जवाब में रूस की कार्रवाई को उचित ठहराने की किसी भी कोशिश को खारिज करते हुए कहा कि संयुक्त राष्ट्र चार्टर के अनुच्छेद 51 के तहत यूक्रेन आत्मरक्षा के अपने अधिकार का प्रयोग कर रहा है जबकि रूस ही आक्रामक रुख अपनाए हुए है.

कीव शहर के सैन्य प्रशासन के प्रमुख तिमूर तकाचेंको ने बताया कि हमले में आवासीय इमारतों और नागरिक बुनियादी ढांचे समेत शहर के 30 स्थानों को नुकसान पहुंचा है. यूक्रेन के गृह मंत्री इहोर क्लीमेंको ने बताया कि करीब 20 आवासीय इमारतें क्षतिग्रस्त हुई हैं. क्लित्स्को ने बताया कि देस्न्यांस्की जिले में एक क्षतिग्रस्त नौ मंजिला आवासीय इमारत में कुछ लोग फंस गए थे, जिन्हें निकालने के लिए बचाव दल को मौके पर भेजा गया. यूक्रेन की आपातकालीन सेवा के अनुसार, होलोसिएव्स्की जिले में 16 मंजिला एक इमारत की छत पर आग लग गई, जिसे बुझाने के लिए करीब 500 कर्मियों और 100 विशेष वाहनों को तैनात किया गया. रूस के रक्षा मंत्रालय ने दावा किया कि इस हमले में ''लंबी दूरी तक मार करने वाले हथियारों'' और ड्रोन का इस्तेमाल कर कीव तथा कीव क्षेत्र में सैन्य उद्योग से जुड़े प्रतिष्ठानों, ईंधन एवं ऊर्जा परिसरों और यूक्रेन के चार अन्य क्षेत्रों में स्थित सैन्य हवाई अड्डों के बुनियादी ढांचे को निशाना बनाया गया. मंत्रालय ने उन स्थानों की सूची भी जारी की, जिन्हें निशाना बनाए जाने का दावा किया गया है. इनमें अधिकांश यूक्रेन के ड्रोन, मिसाइल और उनके कलपुर्जों के निर्माण एवं संयोजन संयंत्र बताए गए हैं. यूक्रेन की वायु सेना के अनुसार, रूस ने इस हमले में 74 मिसाइलें दागीं, जिनमें 24 बैलिस्टिक मिसाइलें थीं. इसके अलावा विभिन्न प्रकार के 496 ड्रोन भी छोड़े गए.

इस बीच, यूक्रेन के जनरल स्टाफ ने दावा किया कि उसकी सेना ने रातभर चले अभियान में मॉस्को के पूर्व में स्थित निजनी नोवगोरोद क्षेत्र की रूस की सबसे बड़ी तेल रिफाइनरियों में से एक पर हमला किया, जिससे वहां आग लग गई. जनरल स्टाफ ने यह भी दावा किया कि यूक्रेनी सेना ने रूस के कब्जे वाले लुहान्स्क क्षेत्र में सिवेर्स्की दोनेत्स नदी पर बने एक रेलवे पुल को भी निशाना बनाया. उसके अनुसार, रूसी सेना इस पुल का इस्तेमाल सैनिकों, हथियारों और सैन्य सामग्री की आवाजाही के लिए कर रही थी।

यूएन हेडक्वार्टर के बाहर शख्स ने खुद को आग लगाई:अस्पताल में मौत; तिब्बती झंडे के साथ पहुंचा था, पुलिस ने जांच शुरू की

न्यूयॉर्क सिटी, एजेंसी। अमेरिका के न्यूयॉर्क में संयुक्त राष्ट्र (यूएन) मुख्यालय के बाहर गुरुवार को एक 52 साल के व्यक्ति ने खुद को आग लगा ली। उसके हाथ में तिब्बती झंडा था। सूचना मिलने पर पुलिस और इमरजेंसी टीम मौके पर पहुंची। गंभीर रूप से झुलसे व्यक्ति को अस्पताल ले जाया गया, जहां इलाज के दौरान उसकी मौत हो गई। न्यूयॉर्क पुलिस विभाग ने बताया कि फिलहाल यह साफ नहीं है कि व्यक्ति ने यह कदम क्यों उठाया। मामले की जांच की जा रही है। मृतक की पहचान अभी सार्वजनिक नहीं की गई है, क्योंकि उसके परिजनों को पहले सूचना दी जानी है। संयुक्त राष्ट्र के प्रवक्ता ने बताया कि घटना के वक्त सभी आधिकारिक बैठकें खत्म हो चुकी थीं। इसलिए यूएनके नियमित कामकाज पर इसका कोई असर नहीं पड़ा। आग की लपटों में घिरने के एक मिनट से भी कम समय में वह जमीन पर गिर पड़ा, जबकि ट्रैफिक चलता रहा और कई गाड़ियों के हॉर्न बजते रहे। पुलिस अधिकारी और सुरक्षाकर्मी तुरंत मौके पर पहुंचे और 15 सेकंड के भीतर आग बुझा दी। अधिकारियों ने बताया कि उस व्यक्ति को बेलेव्यू अस्पताल ले जाया गया, जहां उसे मृत घोषित कर दिया गया। इस बीच, तिब्बती झंडा लगभग एक घंटे तक घटनास्थल पर ही पड़ा रहा, जबकि पुलिस ने इलाके की घेराबंदी कर जांच-पड़ताल की। मौके पर मौजूद पुलिस को पर्चे इकट्ठा करते देखा गया, जिनमें से एक पर चीन तिब्बत से बाहर जाए का नारा लिखा था। यह संदेश आम तौर पर तिब्बती स्वतंत्रता आंदोलन से जुड़ा है, जिसे 'फ्री तिब्बत' अभियान के नाम से भी जाना जाता है। फ्री तिब्बत के अनुसार, 2009 से अब तक 150 से ज्यादा तिब्बतियों ने तिब्बत पर चीनी शासन के विरोध में आत्मदाह किया है। फ्री तिब्बत आंदोलन तिब्बतियों के आत्म-निर्णय के अधिकार की बहाली और तिब्बती बौद्ध धर्म के आध्यात्मिक नेता दलाई लामा की तिब्बत वापसी की वकालत करता है।

न्यूयॉर्क की एम्पायर स्टेट बिल्डिंग पर चढ़ा कपल, प्रपोज किया; दोनों गिरफ्तार

न्यूयॉर्क , एजेंसी। अमेरिका के न्यूयॉर्क में एक कपल सुरक्षा व्यवस्था को चकमा देकर एम्पायर स्टेट बिल्डिंग की चोटी पर चढ़ गया। दोनों ने वहां 'व्हेन द पावर ऑफ लव बीट्स द लव ऑफ पावर, द वर्ल्ड नोज पीस' लिखा बैनर लहराया और फिर एक-दूसरे को प्रपोज किया। इस पूरी घटना की तस्वीरें सोशल मीडिया पर वायरल हो गईं। इसके बाद पुलिस और इमरजेंसी सर्विस के जवान सीढ़ियों के जरिए दोनों तक पहुंचे और उन्हें सुरक्षित नीचे उतारा। एंजेला निकोलाउ और इवान कुजनेत्सोव के खिलाफ सेंधमारी, अवैध घुसपैठ, लापरवाही से जान खतरे में डालने और संपत्ति को नुकसान पहुंचाने समेत कई धाराओं में मामला दर्ज किया गया है। पुलिस अब यह जांच कर रही है कि दोनों प्रतिबंधित इलाके तक कैसे पहुंचे। यह कपल पहले भी ऊंची इमारतों पर खतरनाक स्टंट करने के लिए जाना जाता है और इन पर 2024 में 'स्काईवॉकर: अ लव स्टोरी' नाम की डॉक्यूमेंट्री भी बन चुकी है।

पाकिस्तान: खैबर पख्तूनख्वा में पुलिस टीम पर अंधाधुंध फायरिंग; 2 अधिकारियों की मौके पर मौत

इस्लामाबाद, एजेंसी। पाकिस्तान के अशांत उत्तर-पश्चिम प्रांत खैबर पख्तूनख्वा से हिंसा की एक बड़ी खबर सामने आई है। यहां अज्ञात बंदूकधारियों ने पुलिस की एक रूटीन पेट्रोलिंग टीम को निशाना बनाते हुए अंधाधुंध फायरिंग की है।

इस घात लगाकर किए गए हमले में एक वरिष्ठ पुलिस अधिकारी सहित दो पुलिसकर्मियों की मौके पर ही मौत हो गई, जबकि एक अन्य पुलिसकर्मी गंभीर रूप से घायल बताया जा रहा है,। इस घटना ने सीमावर्ती इलाकों में सुरक्षा व्यवस्था पर एक बार फिर गंभीर सवाल खड़े कर दिए हैं।

अंधेरे का फायदा उठाकर किया हमला : यह वारदात गुरुवार देर रात की बताई जा रही है। अधिकारियों से प्राप्त जानकारी के अनुसार, पुलिस की मोबाइल पेट्रोलिंग टीम अफगान सीमा के पास खैबर पख्तूनख्वा प्रांत के मोहमंद जिले में अपनी नियमित गश्त पर थी।

हमलावरों ने पहले से ही घात लगा रखी थी और जैसे ही पुलिस की वैन लोअर मोहमंद सब-डिविजन के 'मचनी अकरब दाग' इलाके में पहुंची, उन्होंने चारों तरफ से गोलियां बरसानी शुरू कर दीं। हमलावरों ने रात के अंधेरे का फायदा उठाया और वारदात को अंजाम देने के बाद मौके से फरार होने में सफल रहे।

वरिष्ठ अधिकारियों ने गंवाई जान : इस हमले की भयावहता का अंदाजा इस बात से लगाया जा सकता है कि गोलीबारी में एक एडिशनल स्टेशन हाउस ऑफिसर और एक हेड कॉन्स्टेबल की जान चली गई। पुलिस सूत्रों के मुताबिक, इन दोनों अधिकारियों की मौके पर ही मौत हो गई थी। वहीं, पुलिस वैन का ड्राइवर इस हमले में गंभीर रूप से घायल हुआ है। घटना के तुरंत बाद सभी हताहतों को नजदीकी ग्रामीण स्वास्थ्य केंद्र ले जाया गया, जहां डॉक्टरों ने मृत पुलिसकर्मियों के शवों का पंचनामा किया। घायल ड्राइवर की नाजुक स्थिति को देखते हुए उसे प्राथमिक उपचार के बाद बेहतर इलाज के लिए पेशावर के एक बड़े अस्पताल में रेफर कर दिया गया है।

सुरक्षा बलों का सर्च ऑपरेशन : हमले की सूचना मिलते ही जिला प्रशासन और पुलिस विभाग में हड़कंप मच गया। जिला पुलिस अधिकारी रजा मुहम्मद और डीएसपी दिलफराज भारी पुलिस बल और अतिरिक्त सुरक्षा दस्ते के साथ तुरंत घटनास्थल पर पहुंचे। सुरक्षा बलों ने पूरे इलाके की घेराबंदी कर दी है और हमलावरों की धरपकड़ के लिए सर्च ऑपरेशन शुरू किया गया है। पुलिस अधिकारियों का कहना है कि वे तकनीकी साक्ष्यों और स्थानीय इनपुट के आधार पर आरोपियों का पता लगाने की कोशिश कर रहे हैं। हालांकि, अभी तक किसी भी संगठन ने इस हमले की जिम्मेदारी नहीं ली है।

खैबर पख्तूनख्वा में लगातार हो रही हिंसा : खैबर पख्तूनख्वा का यह इलाका लंबे समय से उग्रवाद और हिंसा की चपेट में रहा है। अफगान सीमा से सटे होने के कारण यहां अक्सर सुरक्षा बलों को निशाना बनाया जाता रहा है। पुलिस ने मामले की गहन जांच शुरू कर दी है और यह पता लगाने की कोशिश की जा रही है कि क्या इस हमले के पीछे किसी विशेष आतंकवादी गुट का हाथ है। फिलहाल, पूरे जिले में अलर्ट जारी कर दिया गया है और संदिग्ध ठिकानों पर छापेमारी की जा रही है।

इंडोनेशिया के पापुआ में अमेरिकी पायलट की हत्या, अलगाववादियों ने फूंका पूरा विमान

पापुआ , एजेंसी। इंडोनेशिया के पापुआ में हथियारबंद अलगाववादी विद्रोहियों ने एक बहुत ही दर्दनाक और दिल दहला देने वाली घटना को अंजाम दिया है। इन खतरनाक विद्रोहियों ने एक अमेरिकी पायलट की सरेआम गोली मारकर निर्मम हत्या कर दी है और उनके विमान को भी पूरी तरह से आग के हवाले कर दिया है। इस भयानक और हिंसक हमले की पूरी जिम्मेदारी वहां के सशस्त्र अलगाववादी समूह वेस्ट पापुआ नेशनल लिबरेशन आर्मी ने ली है। अलगाववादियों ने इस हमले को इंडोनेशिया और अमेरिकी सरकार दोनों के लिए एक बहुत ही बड़ी और खतरनाक चेतावनी बताया है। संगठन का दावा है कि उनके लड़ाकों ने अमेरिकी पायलट निकोलस एफ गोसेलिन को उस समय गोली मारी जब उनका विमान जमीन पर उतरा। यह दर्दनाक घटना हाइलैंड पापुआ प्रांत के सुदूर जिले याहुकिमो में हुई है जहां उतरने के बाद विमान का अचानक संपर्क टूट गया था। इंडोनेशियाई अधिकारियों के मुताबिक इस जले हुए विमान में एक अमेरिकी पायलट और पापुआ के सात आम यात्री भी सवार थे। इस दर्दनाक घटना के बाद पूरे इलाके में काफी ज्यादा दहशत फैल गई है और स्थानीय प्रशासन पूरी जानकारी जुटाने में लगा है। विद्रोही समूह के प्रवक्ता सेब्य संबोम ने कहा कि इस हिंसक हमले का मुख्य मकसद जकार्ता और वॉशिंगटन को एक कड़ा संदेश देना था। उनका गंभीर आरोप है कि इस विमान ने संगठन की चेतावनियों के बावजूद बार-बार उनके कब्जे वाले क्षेत्र में अपनी उड़ान भरी थी। संबोम ने कहा कि हमारे अल्टीमेटम का सीधा उल्लंघन करने के कारण ही लड़ाकों ने तुरंत फायरिंग की और विमान को पूरी तरह जला दिया। विद्रोहियों ने यह भी आरोप लगाया है कि नागरिक विमानों का इस्तेमाल इंडोनेशियाई सेना के जवानों को सुरक्षित लाने के लिए हो रहा था। इन विमानों से सैन्य रसद और हथियारों को उन संवेदनशील इलाकों में ले जाया जा रहा था जिन पर विद्रोहियों का दावा है। संबोम ने चेतावनी दी है कि उनके रेड जोन में अगर नागरिक उड़ानें जारी रहीं तो ऐसे घातक और जानलेवा हमले आगे भी होते रहेंगे। इंडोनेशिया की सरकार ने एयरपोर्ट पर विमान के जलने की आधिकारिक पुष्टि कर दी है लेकिन मामले की तहकीकात अभी भी जारी है। इंडोनेशिया के नागरिक उड्डयन महानिदेशालय ने बताया कि यह जला हुआ विमान पीटी एएमए एयरलाइन का था जो जरूरी सामान पहुंचाती है। वामेना से उड़ान भरने के बाद याहुकिमो में उतरते ही इस नागरिक विमान का कंट्रोल रूम से संपर्क पूरी तरह से टूट गया था। पापुआ में साल 1969 से ही यह हिंसक और सशस्त्र अलगाववादी आंदोलन लगातार पूरी तेजी और आक्रामकता के साथ चल रहा है। इससे पहले फरवरी 2023 में भी इन विद्रोहियों ने न्यूजीलैंड के एक पायलट फिलिप मेहरटेंस को अपना निशाना बनाकर अगवा कर लिया था।

मौत को मात! वेनेजुएला में 8 दिन बाद मलबे से जिंदा निकला शख्स

काराकास , एजेंसी। वेनेजुएला में पिछले दिनों आए विनाशकारी भूकंप ने जहां हजारों घरों को मलबे में तब्दील कर दिया और 2200 से अधिक लोगों की जान ले ली, वहीं इसी मलबे के नीचे से उम्मीद की एक ऐसी किरण निकली है जिसने पूरी दुनिया को हैरान कर दिया है। 24 जून को आए भीषण भूकंप के आठ दिन बाद, बचाव दल ने 'गैलरियस प्लाया ग्रांडे' शॉपिंग सेंटर के बेसमेंट से 43 वर्षीय सुरक्षा गार्ड हर्नान अल्बर्टो गिल फ्लोरेस को जिंदा बाहर निकाला है। इसे इस सदी के सबसे मुश्किल और चमत्कारी रेस्क्यू ऑपरेशनों में से एक माना जा रहा है।

100 घंटे से भी ज्यादा लगा समय : हर्नान को मलबे से बाहर निकालना कोई आसान काम नहीं था। बचाव कर्मियों ने उन्हें ढूंढने और बाहर निकालने के लिए 100 घंटे से भी ज्यादा समय तक बिना रुके काम किया। इस ऑपरेशन की सबसे बड़ी चुनौती अस्थिर ढांचा, भारी बारिश और लगातार आ रहे आफ्टरशॉक्स थे।

इस बचाव कार्य में केवल वेनेजुएला की टीमें ही नहीं, बल्कि चिली, अमेरिका, पुर्तगाल, मैक्सिको, कोस्टा रिका और अल साल्वाडोर की विशेषज्ञ टीमों ने भी दिन-रात एक कर दिया।

मौत के केबिन में कैसे बची जान : हर्नान गिल फ्लोरेस उस शॉपिंग कॉम्प्लेक्स में नाइट-शिफ्ट गार्ड के तौर पर काम करते थे। जब 7.2 और 7.5 तीव्रता के जबरदस्त झटके लगे, तो हर्नान अपने छोटे से सिक्योरिटी केबिन के अंदर थे।किस्मत से कंक्रीट का भारी ढांचा गिरा तो सही, लेकिन उनकी केबिन टिकी रही, जिससे वहां हवा आने-जाने की एक छोटी सी जगह बन गई और वे मलबे के नीचे दबने से बच गए। रेस्क्यू के दौरान एक भावुक क्षण तब आया जब कोस्टा रिका रेड क्रॉस की टीम हर्नान तक पहुंची। हर्नान ने डर के मारे रेस्क्यूअर से कहा था कि वे उनकी पत्नी को न बताएं कि वह जिंदा है, क्योंकि उन्हें डर था कि शायद वह बाहर निकलने तक जीवित न रह पाएं। हालांकि, उनकी पत्नी गुसबिमार गोंजालेज ने हार नहीं मानी थी। उन्होंने बताया कि जब उन्हें पति के जीवित होने का पता चला, तो उन्हें 'अंधेरे में उम्मीद की एक किरण' दिखाई दी। मलबे के नीचे दबे होने के बावजूद हर्नान ने अपना हौसला नहीं खोया। बचाव दल ने टेलीस्कोपिक कैमरों के जरिए उन पर नजर रखी और एक संकरे रास्ते से उन्हें पानी और तरल पोषक तत्व पहुंचाए। बचाव के आखिरी घंटों में वे समय बिताने के लिए ड्राइंग कर रहे थे, ताकि उनका ध्यान डर से हट सके।

पीओके में होने वाले चुनाव नहीं लड़ेगी इमरान खान की पार्टी, कश्मीरियों के लिए मांगा इंसाफ

मुजफ्फराबाद, एजेंसी। पाकिस्तान के कब्जे वाले कश्मीर यानी पीओके में होने वाले चुनाव को लेकर पूर्व प्रधानमंत्री इमरान खान की पार्टी पाकिस्तान तहरीक-ए-इंसाफ (पीटीआई) ने बड़ा फैसला लिया है। इमरान की पार्टी 27 जुलाई को होने वाले पीओके विधानसभा चुनाव का बहिष्कार करेगी। पार्टी ने यह बड़ा फैसला मौजूदा हालात और कश्मीरियों के साथ एकजुटता दिखाने के लिए लिया है।

पीटीआई ने क्यों किया चुनाव के बहिष्कार का ऐलान : पीटीआई के प्रवक्ता की ओर से जारी बयान में कहा गया है कि मौजूदा परिस्थितियों में पार्टी इस चुनावी प्रक्रिया का हिस्सा नहीं बनेगी। पार्टी का कहना है कि चुनाव न लड़ने के फैसले का मकसद कोई राजनीतिक लाभ उठाना या नुकसान से बचना नहीं है। यह कदम केवल कश्मीरी अवाम के साथ एकजुटता दिखाने और लोकतंत्र के सम्मान में उठाया गया है। प्रवक्ता ने साफ किया कि जब तक एक स्वतंत्र, न्यायपूर्ण और शांतिपूर्ण राजनीतिक माहौल नहीं बन जाता, तब तक पीटीआई किसी भी चुनावी प्रक्रिया में हिस्सा नहीं लेगी। बता दें कि पूर्व सत्ताधारी पार्टी पीटीआई वर्तमान में केंद्र में प्रमुख विपक्षी दल है।

पीओके में इस वक्त क्या हैं हालात : पीटीआई ने अपने बयान में प्रतिबंधित संगठन 'जम्मू कश्मीर जॉइंट अवामी एक्शन कमेटी' के लगातार हो रहे विरोध प्रदर्शनों का भी जिक्र किया। पार्टी ने कहा कि यह क्षेत्र इस वक्त गंभीर संकट से जूझ रहा है। रावलकोट समेत पीओके के कई अन्य हिस्सों में हजारों नागरिक धरने पर बैठे हैं। हाल ही में हुए हिंसक प्रदर्शनों के बाद, पीओके की कठपुतली सरकार ने 5 जून को आतंकवाद विरोधी अधिनियम के तहत जेएएसी पर प्रतिबंध लगा दिया था। यह बैन 9 जून को होने वाले जेएएसी के उस प्रस्तावित विरोध प्रदर्शन से ठीक पहले लगाया गया, जिसमें 1947 के बाद जम्मू-कश्मीर से पाकिस्तान गए शरणार्थियों के लिए पीओके में आरक्षित 12 सीटों को खत्म करने की मांग की जानी थी। भोजन आपूर्ति रोकने का लगाया आरोप पीटीआई ने मांग की है कि क्षेत्र में राजनीतिक अस्थिरता को और अधिक बढ़ने से रोकने के लिए स्थानीय लोगों के मुद्दों का तुरंत समाधान किया जाना चाहिए। पार्टी ने आरोप लगाया है कि पंजाब प्रांत से पीओके के लिए भोजन की आपूर्ति 'पूरी तरह से रोक' दी गई है। हालांकि, शहबाज शरीफ सरकार और पुलिस प्रमुख ने कुछ दिन पहले ही इन दावों को सिरे से खारिज कर दिया था।

टिकट बंटवारे पर रोक : चुनाव के बहिष्कार के फैसले के बाद पीटीआई संसदीय बोर्ड ने उम्मीदवारों को टिकट देने से जुड़ी सभी सिफारिशों को तत्काल प्रभाव से निलंबित कर दिया है। प्रवक्ता ने बताया कि जब तक 'अगले आदेश' नहीं आ जाते, तब तक किसी भी स्तर पर आगे की कोई कार्रवाई नहीं की जाएगी। अब पूरी दुनिया की नजरें 27 जुलाई को होने वाले इन चुनावों पर टिकी हैं। इमरान खान की पार्टी जैसी प्रमुख राजनीतिक शक्ति के चुनावी मैदान से बाहर रहने के कारण अब चुनावी मुकाबला एकतरफा होने की संभावना बढ़ गई है। विशेषज्ञों का मानना है कि मुख्य विपक्षी दल की अनुपस्थिति न केवल चुनाव की विश्वसनीयता पर सवाल खड़े करती है।

फुहारों की आमद में मेकअप और पहनावा

कुछ दिनों पूर्व एक शादी में जाना हुआ। अभी हम दूल्हा-दुल्हन से मिल ही रहे थे कि मेरी नजर पानी से तरबतर पंडाल में प्रवेश करती एक महिला पर पड़ी जिसके गाढ़े मेकअप ने गीले होकर चेहरे को लाल, सफेद और काला बना दिया था। वह बारिश में भीगी अपनी कांजीवरम की महँगी साड़ी को बार-बार झटक रही थी। शादी-ब्याह और पार्टी प्रत्येक मौसम में होते हैं, परंतु बारिश के मौसम में ऐसे समारोहों में बन-सँवरकर जाना अच्छी-खासी मुसीबत हो जाता है। ऐसे मौसम में अपने सौंदर्य को बरकरार रखना काफी मुश्किल होता है। प्रस्तुत हैं कुछ ऐसे उपयोगी टिप्स जिनको ध्यान में रखकर आप बारिश में भी अपने सौंदर्य और पहनावे को सुरक्षित एवं सुरुचिपूर्ण बना सकती हैं-

मेकअप

- इस मौसम में वाटरप्रूफ एवं हल्का-फुल्का मेकअप करें, जो आपके चेहरे को खूबसूरत तो दिखाए ही, साथ ही भीगने पर उसे बदरंग न बनाए।
- बरसात में गीली बिंदी न लगाएँ, क्योंकि गीली बिंदी भीगने पर बहने लगेगी जिससे आपका चेहरा रंग-बिरंगा हो जाएगा। अगर आप डिजाइन वाली बिंदी लगा सकती हैं तो वाटरप्रूफ लिक्विड बिंदी लगाएँ अन्यथा बाजार में मिलने वाली स्टिकर वाली, नगों वाली या कुंदन वाली सुंदर-सुंदर डिजाइन वाली बिंदिया लगा सकती हैं, ये बिंदिया फैलती नहीं हैं।
- सूखे सिंदूर के स्थान पर रेडीमेड स्टिक वाले सिंदूर का ही प्रयोग करें, यह गीले होने पर बहता नहीं है।
- जहाँ तक संभव हो, फाउंडेशन और फेस पावडर का प्रयोग न करें। यदि आवश्यक हो तो फाउंडेशन लगाने के लिए भीगे नम स्पंज का प्रयोग करें। इससे आपका मेकअप ज्यादा समय तक टिका रहेगा। गाढ़ी और क्रीमी फेस क्रीम के बजाए तरल फेस क्रीम का प्रयोग करें।
- बारिश में गहरे रंग की लिपस्टिक का प्रयोग भूलकर भी न करें, क्योंकि बारिश से भीग जाने पर अक्सर महिलाएँ अपने दुपट्टे या साड़ी के आँचल से अपना मुँह पोंछती हैं। बार-बार ऐसा करने से लिपस्टिक का रंग उनके चेहरे को भी रंगीन बना देता है। लिपस्टिक लगाने से पहले होंठों के चारों ओर लिपलाइन या लिप पेंसिल से होंठों की बाहरी रेखा बनाएँ। ऐसा करने से भीगने पर भी लिपस्टिक फैलेगी नहीं।
- आँखों के लिए काजल के स्थान पर वाटरप्रूफ आइलाइनर या पेंसिल का प्रयोग करें ताकि भीगने पर ये बहे नहीं और आपका सौंदर्य बरकरार रहे। बरसात में ट्रांसपेरेंट वाटरप्रूफ मस्कारे का ही प्रयोग करें। आँखों और आँखों के मेकअप को बारिश से बचाने के लिए हल्के कलर वाले चश्मे का प्रयोग करना उचित रहता है।
- इस मौसम में ग्लिसरीनयुक्त मेडिकेटेड साबुन का ही प्रयोग करें। वैसे जहाँ तक संभव हो, साबुन का प्रयोग कम ही करें।
- बालों में अधिक तेल न डालें एवं भीग जाने पर तुरंत बालों को सुखाएँ अन्यथा गीले बालों में रूसी, जूँ एवं फोड़े-फुँसी होने की आशंका रहती है। सप्ताह में एक या दो बार बालों को शैम्पू से अवश्य धोएँ।
- इस मौसम में बालों का कोई नया हेयर स्टाइल न बनाएँ, क्योंकि भीगने पर आपका स्टाइल खुलकर आपके चेहरे की खूबसूरती को प्रभावित करेगा। इसलिए सीधी चोटी बनाना या छोटे बालों को खुला रखना ही सर्वोत्तम रहेगा।
- सप्ताह में तीन या चार बार रात्रि को सोने से पूर्व क्लींजर या कच्चे दूध से अपनी त्वचा को साफ करें फिर सिरका या टोनर से हल्के हाथ से मालिश करें। आपका चेहरा कांतिमय बना रहेगा।

परिधान

- बारिश में कॉटन, सिल्क और शिफॉन की साड़ियों और सूट के स्थान पर आप सिंथेटिक फेब्रिक से बने वाशेबल कपड़ों का ही चयन करें, क्योंकि ये कपड़े भीग जाने पर शरीर से चिपकते नहीं हैं और जल्दी सूख भी जाते हैं।
- इस मौसम में जहाँ तक संभव हो, ऐसी साड़ियों का चयन करें जिनका ब्लाउज रूबिया या कॉटन के स्थान पर सिंथेटिक कपड़े का हो। साड़ी बहुत अधिक नीची न पहनें ताकि भीग जाने पर यह जमीन से घिसटकर गंदी न हो जाए और आप गीली साड़ी में उलझकर कहीं गिर न जाएँ।
- इस मौसम में एकदम नए वस्त्रों के स्थान पर ऐसे वस्त्रों का ही चयन करें जिनका आप पहले प्रयोग कर चुकी हों, क्योंकि आजकल कुछ वस्त्र ऐसे आते हैं जिनमें प्रथम बार ड्राइक्लीन ही करवानी होती है। बारिश का पानी पड़ने अथवा नमी से नए वस्त्रों के रंग हल्के हो सकते हैं एवं प्रिंट भी धुल सकता है।
- बारिश में रंग छोड़ने वाले कपड़े कभी न पहनें। ऐसे कपड़े भीग जाने पर आपके शरीर को ही रंग-बिरंगा बना सकते हैं। जहाँ तक संभव हो, इस मौसम में आसमानी, गुलाबी, पीले और हल्के रंग के कपड़े पहनें। ये रंग देखने में अच्छे लगते हैं, साथ ही इनके रंग छोड़ने का डर भी नहीं रहता।
- इस मौसम में अच्छी कंपनी की सिंथेटिक लेदर की बरसाती चप्पल या जूतों का प्रयोग करें। इस मौसम में हल्की चप्पल बिलकुल भी न पहनें, क्योंकि रबर की चप्पलों से पैरों के पीछे कीचड़ उछलता है जिससे आपके कपड़ों पर पीछे की ओर छींटें लग जाते हैं, जो देखने में बहुत भद्दे लगते हैं।

मौसम बदल रहा है। बूँदाबाँदी गर्मी की तपन को कुछ देर समेटती है और तन-मन को थोड़ा सुकून मिलता है, पर कुछ ही देर में उमस उस राहत पर पानी फेर देती है। तो इस बदलते मौसम का स्वागत इस तरह से करें कि आपका स्वास्थ्य और सौंदर्य इससे प्रभावित न हो, बस कुछ छुटपुट बातों पर ध्यान दें।

पनीर पकौड़ा

सामग्री: फिलिंग के लिए: आधा टीस्पून अजवायन (सेंककर दरदरा पिसा हुआ), 1/4 कप कद्दूकस किया हुआ प्याज, 2 टीस्पून कद्दूकस किया हुआ अदरक, 2 टीस्पून कटा हुआ लहसुन, आधा-आधा टीस्पून लालमिर्च पाउडर और गरम मसाला, 1-1 टेबलस्पून धनिया पाउडर और अमचूर, नमक स्वादानुसार।

घोल के लिए: 1 कप बेसन, आधा टीस्पून लालमिर्च पाउडर, 1/4 टीस्पून हल्दी, 1/4 टीस्पून हींग, 1 टेबलस्पून तेल, 2 टेबलस्पून धनिया, 1 चुटकी खानेवाला सोडा, नमक स्वादानुसार।

अन्य सामग्री: 2 कप पनीर (चौकोर टुकड़ों में कटा हुआ), 2 टेबलस्पून चाट मसाला, तलने के लिए तेल।

विधि: घोल की सभी सामग्रियों में थोड़ा-सा पानी डालकर गाढ़ा घोल बना लें। पनीर के टुकड़ों को बीच में से काटें। फिलिंग की सभी सामग्रियों को मिला लें। थोड़ा-सा चाट मसाला छिड़ककर फिलिंग वाला मिश्रण भरें और अच्छी तरह दबा दें। तेल गर्म करें और तैयार पनीर के टुकड़ों को घोल में डुबोकर तल लें। चाट मसाला छिड़ककर चटनी के साथ परोसें।

पैरों के दें आराम सही जूतों का साथ

अकसर गलत नंबर के जूते पहनने से पांवों में छाले पड़ जाते हैं। परिणामस्वरुप चलने-फिरने में कठिनाई होती है। पैरों में थकान रहने का एक महत्वपूर्ण कारण जूतों का पांव में फिट न बैठना ही है। अतएव जूते खरीदते समय उन्हें हर तरह से चैक कर लें। कहीं दोनो में से एक पांव का जूता अलग नंबर का तो नहीं। हमेशा अपने नाप से एक नंबर बड़े जूते पहनें। इससे जूते काटेंगे नहीं, 'शू टेक्नॉलिस्ट' भी इस बात से सहमत हैं।

- हमेशा पांव तिरछे करके ही जूते पहनें।
- कभी भी नैरो टो का शू ना पहनें। इससे पांव दबेंगे।
- जूते पांवों को आराम पहुंचा रहे हैं, इसका भी ध्यान रखें।
- हर रोज एक जोड़ी जूते पहनने के बजाए बदल कर शू पहनें।
- पांवों से दुर्गंध न आए, इसके लिए जूते पहनने से पहले उनमें पाउडर जरुर छिड़क लें।
- जूतों को हमेशा साफ व पॉलिश करके रखें। यदि उनमें लेस हैं तो उन्हें भी साफ करके ही जूतों में लगाएं।
- हील वाले शूज में धअयान रहे कि हील कहीं से उखड़ तो नहीं रही। यदि ऐसा है, तो उसे तुरंत ठीक कराएं, चलते वक्त हील उखड़ जाने से पांव में मोच आ सकती है।
- हील आपके पोस्चर को भी खराब करती है।
- मोजों को हर रोज बदलें।
- जूतों के साथ मोजे हमेशा पहनें, ये पांवों को धूल-मिट्टी से बचाते हैं। साथ ही पैरों में छाले पड़ने की संभावना भी कम हो जाती है।
- कभी भी फटे हुए मोजे न पहनें।

टाईम पास

आज का राशिफल

मेष (चू चे चो ला ली लू ले लो आ): लेन-देन में स्पष्टता बनाये रखें। घर के सदस्य मदद करेंगे और साथ ही आर्थिक बदहाली से भी मुक्ति मिलने लगेगी। कोई प्रिय वस्तु या नवीन वस्त्राभूषण प्राप्त होंगे। व्यापार व व्यवसाय में स्थिति उत्तम रहेगी। नौकरी में पदोन्नति की संभावना है। राजकीय कार्यों से लाभ। बिगड़ा कार्य बनेगा। शुभांक-3-6-8

वृष (इ उ ए ओ वा वी वू वे वो): आज की सुविधा कल नहीं मिल पायेगी, लाभ उठाएं। मित्रों से सावधान रहें तो ज्यादा उत्तम है। व्यापार में स्थिति नरम रहेगी। संतोष रखने से सफलता मिलेगी। नौकरी में स्थिति सामान्य ही रहेगी। शैक्षणिक क्षेत्र में उदासीनता रहेगी। शुभ कार्यों में व्यय होगा। स्वास्थ्य पर ध्यान दें। शुभांक-4-6-8

मिथुन (का की कू घ ड छ के को हा): अपना कार्य दूसरों के सहयोग से बना लेगें। मित्रों की उपेक्षा करना ठीक नहीं रहेगा। नौकरी के क्षेत्र में कुछ उलझनें रहेंगी। यश में वृद्धि व शिक्षा में परेशानी आ सकती है। स्वास्थ्य का ध्यान रखें। व्यापार में वृद्धि होगी। मेहमानों का आगमन होगा। पारिवारिक प्रेमभाव बढ़ेगा। शुभांक-3-5-7

कर्क (ही हू हे हो डा डी डू डे डो): श्रेष्ठजनों की सहानुभूति मिलेगी। कारोबारी यात्रा सफल होगी। अच्छे कार्य के लिए रास्ते बना लेंगे। बुद्धि, बल व पराक्रम सफल होगा। व्यापार में वृद्धि व लाभ मिलेगा। कार्यक्षेत्र में संतोषजनक सफलता मिलेगी। आर्थिक हित के काम को साधने में मदद मिल जाएगी। शुभांक-2-4-6

सिंह (मा मी मू मे मो टा टी टू टे): धार्मिक आस्थाएं फलीभूत होंगी। लाभ होगा और पुराने मित्रों से समागम भी होगा। संतान पक्ष की समस्या खत्म होगी। अपने काम पर नजर रखिए। स्वभाव में सौम्यता आपकी मदद करेगी। जीवन साथी से संबंधों में मिठास बढ़ेगी। परामर्श व परिस्थिति सभी का सहयोग मिलेगा। शुभांक-1-3-5

कन्या (टो पा पी पू ष ण ठ पे पो): समय नकारात्मक परिणाम देने वाला बन रहा है। पर प्रपंच में ना पड़कर अपने काम पर ध्यान दीजिए। नौकरी में सावधानीपूर्वक कार्य करें। विरोधियों के सक्रिय होने की संभावना है। कारोबारी यात्रा को फिलहाल टालें। कारोबारी काम में बाधा बनी रहेगी। धन लाभ की संभावना। शुभांक-4-6-8

तुला (रा री रु रे रो ता ती तू ते): जो चल रहा है उसे सावधानीपूर्वक संभालें। मायूस न हो समय चक्र है। कारोबारी काम में बाधा उभरने से मानसिक अशांति बनी रहेगी। शत्रुभय, चिंता, संतान को कष्ट, अपव्यय के कारण बनेंगे। कार्यक्षेत्र में आगे बढ़ने में रुकावट का एहसास होगा। पारिवारिक परेशानी बढ़ेगी। धन लेन-देन में सतर्क रहें। शुभांक-5-7-9

वृश्चिक (तो ना नी नू ने नो य यी यू): परिवार में मांगलिक कार्यों का आयोजन होगा। वैवाहिक जीवन में प्रेम-प्रीति बढ़ेगी। जीवन साथी से संबंधों में मिठास बढ़ेगी। राजकीय सम्मान प्राप्त होने के योग हैं। शांतिपूर्वक कार्य करें, जान है तो जहान हैं अत: वाहन आदि चलाने में सावधानी बरतें। अपना कार्य स्वयं करें, किसी के भरोसे न रहें। शुभांक-2-6-9

धनु (ये यो भा भी भू धा फा ढा भे): नये लोगों से मेल-मिलाप भविष्य में लाभदायक सिद्ध होगा। स्वयं पर विश्वास कार्यों की सिद्धि है। घर तथा व्यावसाय को एक-दूसरे से दूर ही रखें। व्यापारिक संबंधों में प्रगति के योग हैं। कार्य स्थल पर नियमपूर्वक व्यवहार लाभकारी होगा। कोई प्रिय वस्तु या नवीन वस्त्राभूषण प्राप्त होंग। शुभांक-6-8-9

मकर (भे जा जी खी खू खे खो गा गी): धन के लेन-देन में सतर्क रहें। बातचीत में संयम बरतें। मन में चंचलता बढ़ेगी। भावुकतावश निर्णय न लें। कर्ज देने से बचें। मानसिक व्यथा व संतान के कारण परेशानी होगी। माता-पिता के स्वास्थ्य में गिरावट से चिंता रहेगी। कला क्षेत्र के जातकों को मेहनत के बाद सफलता मिलेगी। शुभांक-4-7-9

कुंभ (गू गे गो सा सी सू से सो दा): सरकारी पक्ष से पूर्ण सहयोग प्राप्त होगा। विद्यार्थियों के लिए समय अनुकूल रहेगा। पुराना विवाद समाप्त होगा। आर्थिक मजबूती हेतु मन केन्द्रित होगा। मिल रहे अवसरों का लाभ उठाएं। आर्थिक योजनाएं फलित होंगी। स्त्री, संतान, मित्र के साथ मनोविनोद बढ़ेंगे। बकाया धन की प्राप्ति के योग हैं। शुभांक-3-6-9

मीन (दी दू थ झ ञ दे दो चा ची): आय के नये स्त्रोत बनेंगे। पद-प्रतिष्ठा बढ़ाने के लिए कुछ सामाजिक कार्य संपन्न होंग। पसंदीदा भोज्य पदार्थों की प्राप्ति होगी। लम्बे प्रवास व चुनौती पूर्ण कार्यों का सामना हो सकता हैं। व्यवसायिक क्षेत्र में आपकी मेहनत व लगन की परीक्षा होगी। महत्वाकांक्षाओं की पूर्ति होगी। शुभांक-2-4-7

काकुरो पहेली - 5001

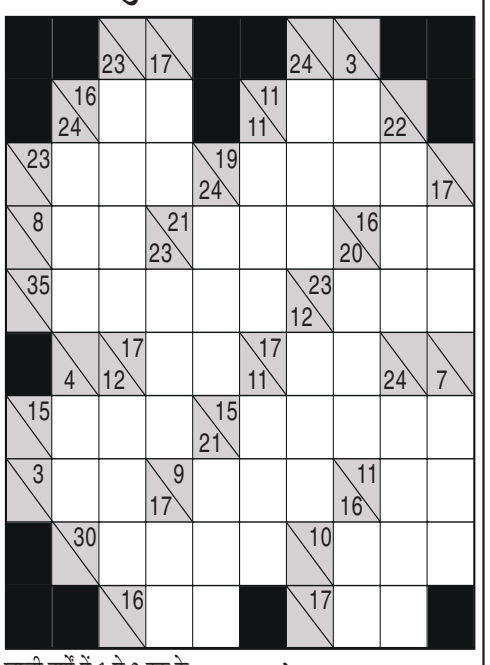

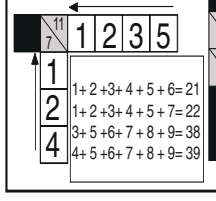

खाली वर्गों में 1 से 9 तक के अंक लिखकर नीचे से ऊपर व दाएं से बाएं की जोड़ हल्के रंग के आधे वर्ग की संख्या से मेल खानी चाहिए.किसी भी अंक का उस जोड़ में पुनः उपयोग नहीं किया जा सकता.

उदाहरणत:

1+2+3+4+5+6=21
1+2+3+4+5+7=22
3+5+6+7+8+9=38
4+5+6+7+8+9=39

काकुरो - 5000 का हल

लॉफिंग ज़ोन

संता: 'बचपन में मैं एक बार दूसरी मंजिल से नीचे गिर गया था।'
बंता: 'फिर क्या हुआ ? तुम मर गए या जिंदा बचे ?'
संता: 'बहुत पुरानी बात है यार ... अब याद नहीं।'

संता - बंता एक कार में बम लगा रहे थे।
संता: 'अगर बम लगाते समय यह फट गया तो ?'
बंता: 'अरे तो क्या हुआ मेरा पास एक और बम है।'

पत्नी- घर में सिर्फ1 चम्मच चीनी पडी है और तुम दोस्त के लिए चाय बनाने को कह रहे है।
पति- कोई बात नही, तुम मेरी चाय में चीनी मत डालना।
बस 1 किस दे देना, चाय मीठी हो जाएगी।
पत्नी- आइडिया अच्छा है। मै दोनों ही कंपो में चीनी नही डांलूगी।

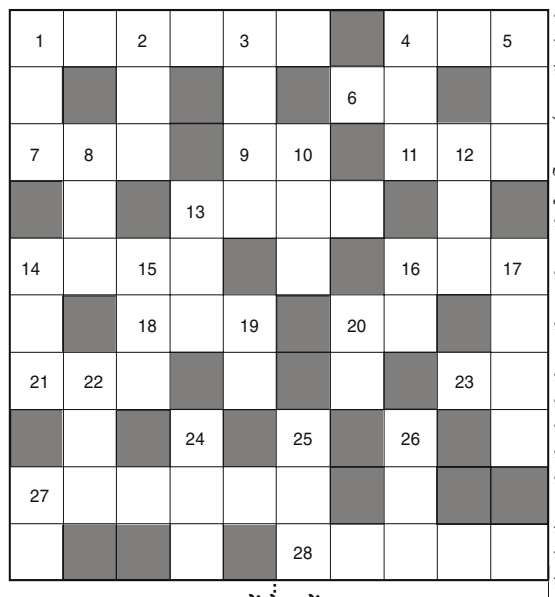

शादी पर शहनाई बज रही थी। संतो ने संता से पूछा, ये कौन सी धून बज रही है।
संता बोला, वही जो तूफान के आने से पहले बजाई जाती है।

फिल्म वर्ग पहेली- 5001

बायें से दायें:-

१. अभिषेक, सुनील, ऐश, शबाना की 'बहका दिया' गीत वाली फिल्म-४,२
४. 'दोस्ती हो गई रे' गीत वाली सुनील शेट्टी, सुष्मिता, नम्रता की फिल्म-३
६. 'छोड़ो मुझे' गीत वाली फिल्म 'जानू' में जैकी के साथ नायिका कौन थी-२
७. 'दिल खुश है आज उनसे' गीत वाली सुनीलदत्त, मीना कुमारी की फिल्म-३
९. फिल्म 'प्यार का साया' में राहुलराय के साथ नायिका कौन थी-२
११. एम. एफ. हुसैन की फिल्म 'गजगामिनी' में मुंशी प्रेमचंद की 'निर्मला' की भूमिका किसने की है-३
१३. राजेंद्रकुमार, बबीता की 'रिमझिम के गीत सावन गाए' गीतवाली फिल्म-४
१४. 'रामजी की निकली सवारी' गीतवाली ऋषिकपूर, जयाप्रदा की फिल्म-४
१६. कमल हासन, श्रीदेवी की 'ऐ जिंदगी गले लगा ले' गीत वाली फिल्म-३
१८. 'चोरी चोरी तेरे संग' गीत वाली मिथुन, आयशा जुल्का की फिल्म-३
२०. लकी अली, गौरी कार्णिक की 'कभी शाम ढले तू मेरे' गीत वाली फिल्म-२
२१. 'हमीं से मोहब्बत हमीं से' गीत वाली दिलीपकुमार, वैजयंती की फिल्म-३
२३. अनिलकपूर, माधुरी की 'एक बात मान लो तुम' गीत वाली फिल्म-२
२७. 'फूल सा चेहरा चाँद सी' गीत वाली प्रदीपकुमार, नर्गिस की फिल्म-२,२,२
२८. देव आनंद, गिरीश, टीना मुनीम की 'आवाज सुरीली का' गीत वाली फिल्म-५

ऊपर से नीचे:-

१. सतीश, सुभाष घई, अर्चना की फिल्म-३
२. 'चलती है पुरवाई' गीत वाली फिल्म-३
३. 'तेरी चाहत में दीवाना हूँ' गीत वाली फरदीन खान, सेलिना की फिल्म-४
४. संजयदत्त, अतुल, रवीना, करिश्मा की 'काश तुम मुझसे एक' गीत वाली फिल्म-३
५. राजेश खन्ना, ऋषिकपूर, पूनम की फिल्म-३
८. 'तुम भी चलो हम' गीत वाली फिल्म-३
१०. फारूख शेख, नसीरूद्दीनशाह, स्मिता पाटिल की फिल्म-३
१२. अक्षयकुमार, रवीना टण्डन की 'एक लड़की एक लड़का' गीत वाली फिल्म-३
१३. फिल्म 'पुष्पक' में कमल हासन के साथ नायिका कौन थी-३
१४. प्रदीपकुमार, कल्पना की फिल्म-३
१५. 'उड़ जा काले कावां' गीतवाली फिल्म-३
१६. नसीर, अतुल अग्निहोत्री की फिल्म-२
१७. शशि कपूर, शर्मिला टैगोर की फिल्म-२,२
१९. अनिलकपूर, जैकी, अजय, मनीषा, माधुरी, सोनाली, रेखा की फिल्म-२
२०. 'मेरा सेहरा तू है' गीत वाली फिल्म-२
२२. सनी देओल, मीनाक्षी की फिल्म-३
२४. 'चढ़ती जवानी मेरी चाल' गीत वाली फिल्म-३
२५. फिल्म 'अजूबा' में 'शहजादी हिना' की भूमिका किसने की थी-३
२६. 'तू लाली है सवेरे वाली' गीत वाली फिल्म-३
२७. फिल्म 'शर्मीली' में शशिकपूर के साथ नायिका कौन थी-२

फिल्म वर्ग पहेली- 5000

सूडोकु 5001

3	9			1	4			2
1	2		6		3		5	
		5		8	7			9
	7			6	9			8
2	1			5			4	6
4			3	2			9	
9			8	4		5		
	6		9		5		2	4
8			1	7			6	3

- प्रत्येक पंक्ति में 1 से 9 तक के अंक भरे जाने आवश्यक हैं.
- प्रत्येक आड़ी और खड़ी पंक्ति में एवं 3×3 के वर्ग में किसी भी अंक की पुनरावृत्ति न हो इसका विशेष ध्यान रखें.
- पहले से मौजूद अंकों को आप हटा नहीं सकते .
- पहेली का केवल एक ही हल है.

सूडोकु 5000 हल

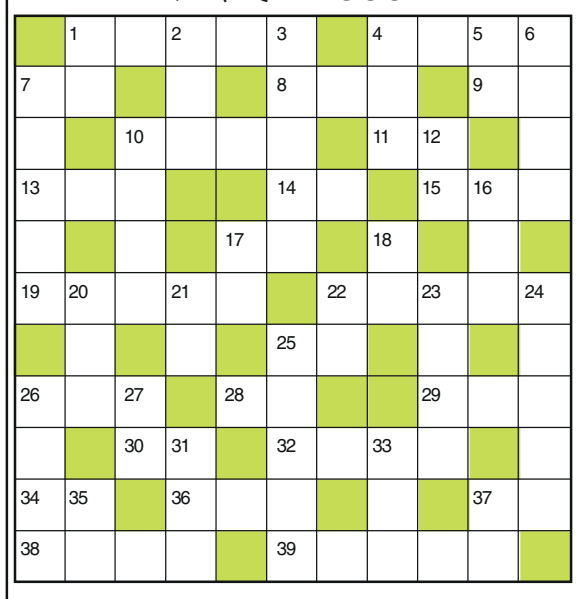

6	9	2	3	7	4	5	8	1
3	8	5	6	2	1	7	4	9
7	4	1	8	9	5	6	2	3
2	3	9	5	4	6	8	1	7
1	7	4	9	8	3	2	6	5
5	6	8	7	1	2	9	3	4
4	5	7	1	6	8	3	9	2
8	2	3	4	5	9	1	7	6
9	1	6	2	3	7	4	5	8

शब्द पहेली - 5001

बाएँ से दाएँ

1.सहयोग की भावना-5
4.अकस्मात,एकाएक-4
7.पराजय-2
8.नाव चलाने वाला-3
9.भीगा हुआ-2
10.अनुवाद-4
11.बेल-2
13.योग्य,सही-3
14.घोड़ा गाड़ी-2
15.काव्य,गजल-3
17.अद्वैतभाव,कुर्बान-2
19.नामकरण-2,3
22.राजा का महल-5
25.प्रेम,ममता-2
26.कपड़े की दीवार-3
28.रास्ता,मार्ग-2
29.सिर,खोपड़ी-3
30.माप-2
32.गुस्सा करना-4
34.व्यंग,चुटीली बात-2
36.नायक,नेता-3
37.एक आंख वाला-2
38.रचनाकार-4
39.कृष्ण का एक नाम-3,2

ऊपर से नीचे

1.महोदय (अंग्रेजी-2)
2.डरपोक,भीरू-3
3.व्यंग कसना -5
4.बुद्धि-3
5.झुका हुआ-2
6.कर देने वाला-4
7.चोरी करना,छीनना (मु.-2,3)
10.तहखाना-4
12.एकटक देखना-2
16.वियोग,जुदाई-3
17.आमिर,काजोल की नई फिल्म-2
18.खुजली-2
20.घोटना,मंथन करना-3
21.पत्र,चिट्ठी-2
22.रास्ता-2
23.सुगंधित होना-4
24.बिजली का कौंधना-5
25.कुलीन स्त्री,देवी (उर्दू-5)
26.भगवान,ईश्वर-4
27.पेड़ का मध्य भाग-2
31.पटाखे की बाती,-3
33.अभिव्यक्ति-3
35.नृत्य,डांस-2
37.छोटी सवारी गाड़ी-2

शब्द पहेली -5000 हल

अल-नीनो और कम बारिश की आशंका पर केंद्र सतर्क, अमित शाह ने राज्यों के साथ समन्वय और जलाशयों की निगरानी के दिए निर्देश

एजेंसी

नई दिल्ली। केंद्रीय गृह एवं सहकारिता मंत्री अमित शाह और केंद्रीय कृषि एवं किसान कल्याण मंत्री शिवराज सिंह चौहान ने अल-नीनो के कारण देश के कुछ हिस्सों में सामान्य से कम वर्षा और उसके संभावित प्रभावों की समीक्षा की। बैठक में विभिन्न मंत्रालयों और विभागों के वरिष्ठ अधिकारियों ने भाग लिया। सरकार ने कहा कि वह मानसून की स्थिति और संभावित सूखे के हालात पर लगातार नजर बनाए हुए है। छुट्टियांव मौसमी आयोजन बैठक में अमित शाह ने कृषि मंत्रालय तथा अन्य संबंधित मंत्रालयों को राज्य सरकारों के साथ समन्वय बनाकर किसानों को मौसम के अनुरूप उपयुक्त फसलों की बुवाई के बारे में समय पर सलाह देने के निर्देश दिए। उन्होंने जल शक्ति मंत्रालय को देश के सभी बड़े और छोटे जलाशयों तथा भूजल स्तर की लगातार निगरानी करने को कहा। गृह मंत्री ने पशुओं के चारे की उपलब्धता सुनिश्चित करने तथा मोटा अनाज और दलहन जैसी कम पानी वाली वैकल्पिक फसलों को बढ़ावा देने पर भी जोर दिया। उन्होंने ऊर्जा मंत्रालय को देश में बिजली की पर्याप्त और निर्बाध आपूर्ति सुनिश्चित करने के लिए आवश्यक कदम उठाने के निर्देश भी दिए। बैठक में गृह मंत्री को बताया गया कि देश में चावल, गेहूं सहित अन्य आवश्यक खाद्यान्न का पर्याप्त भंडार उपलब्ध है और आवश्यक वस्तुओं की कीमतें फिलहाल स्थिर बनी हुई हैं।

पूर्व उपराष्ट्रपति जगदीप धनखड़ की जयपुर में हुई एंजियोप्लास्टी

जयपुर। पूर्व उपराष्ट्रपति जगदीप धनखड़ की जयपुर के एक निजी अस्पताल में एंजियोप्लास्टी की गई। वे पूर्व निर्धारित कार्डियक फॉलोअप और स्वास्थ्य जांच के लिए जयपुर पहुंचे थे। एयरपोर्ट से सीधे जवाहर सर्किल स्थित निजी अस्पताल पहुंचने के बाद उनकी विभिन्न चिकित्सीय जांचें की गईं, जिनके बाद डॉक्टरों ने एंजियोप्लास्टी की। समयऔर कैलेंडर जानकारी के अनुसार, एंजियोग्राफी और एंजियोप्लास्टी वरिष्ठ इंटरवेंशनल कार्डियोलॉजिस्ट डॉ. समीन के. शर्मा की देखरेख में की गई। इस दौरान धनखड़ के हृदय में दो स्टेंट लगाए जाने की जानकारी सामने आई है। पूर्व उपराष्ट्रपति के अस्पताल में भर्ती होने की सूचना मिलने पर पूर्व मुख्यमंत्री अशोक गहलोत सहित कई जनप्रतिनिधि अस्पताल पहुंचे और उनका कुशलक्षेम जाना। मार्च, 2025 में भी हृदय संबंधी समस्या के चलते जगदीप धनखड़ का नई दिल्ली स्थित एम्स में कार्डियक प्रोसीजर हुआ था। इसी वर्ष जनवरी में भी अस्वस्थ होने पर उन्हें एम्स में भर्ती कर जांच कराई गई थी। जगदीप धनखड़ 3 और 4 जुलाई को जयपुर में ही रहेंगे तथा 5 जुलाई की सुबह दिल्ली के लिए रवाना होंगे।

मुंगेर में मिला 700 साल पुराना बरगद, वैज्ञानिक जांच से हुई पुष्टि

नई दिल्ली। बिहार के मुंगेर में 700 साल पुराना बरगद के पेड़ की पुष्टि हुई है। रेडियोकार्बन डेटिंग तकनीक से पता चला कि इस पेड़ की आयु लगभग 700 वर्ष है। यह अध्ययन लखनऊ के बीरबल साहनी इंस्टीट्यूट ऑफ़ पैलियोसाइंसेज की डॉ. त्रिणा बोस के नेतृत्व में डॉ. मयंक शेखर और डॉ. अखिलेश के. यादव की मदद से किया, जिन्होंने मिलकर पेड़ की उम्र का पता लगाने के लिए एक नया और अनोखा तरीका विकसित किया और उसे लागू किया। शोधकर्ताओं ने पेड़ के तने और प्राचीन शाखा से नमूने लेकर एक्सलेरेटर मास स्पेक्ट्रोमेट्री (एएमएस) और रेडियोकार्बन डेटिंग तकनीक का उपयोग किया। इससे पेड़ की आयु का वैज्ञानिक रूप से सटीक निर्धारण संभव हुआ। इस शोध में यह भी सामने आया कि यह बरगद ऐतिहासिक 'बड़ा बंगला' से भी अधिक पुराना है। पहले माना जाता था कि पेड़ को भवन के निर्माण के समय लगाया गया था, लेकिन अब स्पष्ट हो गया है कि यह पेड़ 700 वर्ष पुराना है और संभवतः उस प्राकृतिक वन का अवशेष है, जो कभी इस क्षेत्र में मौजूद था।

कर्नाटक में अवैध बांग्लादेशी नागरिकों को मतदाता सूची में शामिल करने की साजिशः आर. अशोक

बेंगलुरु। कर्नाटक विधानसभा में नेता प्रतिपक्ष आर. अशोक ने आरोप लगाया कि विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) प्रक्रिया के दौरान राज्य सरकार की मिलीभगत से अनियमितताएं की जा रही हैं और अवैध बांग्लादेशी नागरिकों को मतदाता सूची में शामिल करने की साजिश रची जा रही है। बेंगलुरु में आयोजित पत्रकार वार्ता में अशोक ने कहा कि चुनाव आयोग ने देश की सुरक्षा को ध्यान में रखते हुए एसआईआर प्रक्रिया शुरू की है लेकिन कांग्रेस सरकार इसका दुरुपयोग कर रही है। उन्होंने दावा किया कि बेंगलुरु, कोडगु और चिक्कमगलूर सहित राज्य के विभिन्न हिस्सों में बड़ी संख्या में बांग्लादेशी नागरिक रह रहे हैं। वर्ष 2002 की मतदाता सूची में इनके नाम नहीं थे लेकिन अब हज भवन और मस्जिदों के सामने एसआईआर के आवेदन पत्र वितरित कर उन्हें मतदाता सूची में शामिल करने का प्रयास किया जा रहा है। अशोक ने आरोप लगाया कि बूथस्तर के अधिकारियों (बीएलओ) को घर-घर जाकर सत्यापन करना चाहिए लेकिन इसके बजाय वे सड़कों पर बैठकर आवेदन बांट रहे हैं, जो चुनाव आयोग के दिशा-निर्देशों का उल्लंघन है। उन्होंने कहा कि महादेवपुर और बेंगलुरु के अन्य क्षेत्रों में मस्जिदों के सामने सामूहिक रूप से एसआईआर प्रक्रिया चलाई जा रही है। इस संबंध में वे केंद्रीय और राज्य चुनाव आयोग से शिकायत करेंगे तथा कथित अनियमितताओं के लिए जिम्मेदार अधिकारियों के खिलाफ आपराधिक मामला दर्ज कर कार्रवाई की मांग करेंगे।

गुजरात एटीएस ने जैश-ए-मोहम्मद के संदिग्ध मॉड्यूल का किया भंडाफोड़, 8 आरोपित गिरफ्तार

एजेंसी

अहमदाबाद। गुजरात की एंटी-टेररिस्ट स्क्वाड (एटीएस) ने कई राज्यों में संयुक्त अभियान चलाकर प्रतिबंधित आतंकी संगठन 'दारुल इस्लाम गुजरात जैश-ए-मोहम्मद' से जुड़े एक संदिग्ध मॉड्यूल का भंडाफोड़ किया है। इस कार्रवाई में आठ आरोपियों को गिरफ्तार किया गया है। जांच एजेंसियों का दावा है कि यह मॉड्यूल कथित तौर पर सीमा पार बैठे हैंडलर्स के संपर्क में था और देश-विरोधी गतिविधियों के लिए नेटवर्क तैयार कर रहा था। एटीएस के अनुसार, अभियान में उसकी पांच विशेष टीमों ने गुजरात के बनासकांठा, नवसारी और पाटन जिलों की पुलिस तथा मध्य प्रदेश के देवास पुलिस के साथ मिलकर कार्रवाई की। गिरफ्तार आरोपियों को पूछताछ के लिए एटीएस मुख्यालय लाया गया है।

शहरऔर स्थानीय मार्गदर्शिका प्रारंभिक जांच में सामने आया है कि आरोपी कथित रूप से जैश-ए-मोहम्मद प्रमुख मसूद अज़हर के विचारों और प्रचार सामग्री से प्रभावित थे। एजेंसी का आरोप है कि वे संगठन के लिए स्थानीय स्तर पर लॉजिस्टिक नेटवर्क तैयार करने, प्रचार-प्रसार करने और भविष्य में संभावित आतंकी गतिविधियों के लिए आधार तैयार करने की दिशा में काम कर रहे थे। जांच एजेंसियों के मुताबिक, इस मामले को जो बात बिल्कुल अलग बनाती है, वह यह है कि कैसे इस मॉड्यूल ने अपने सदस्यों को अलग-अलग शहरों में फैलाया और अंतिम हमले के आदेश का इंतज़ार करते हुए आसानी से आने-जाने के लिए बिना रजिस्ट्रेशन वाली संपत्तियों का इस्तेमाल किया। ग्रुप को अपने स्थानीय सेटअप के लिए हैंडलर्स से 3 लाख रुपये मिले थे। उन्होंने इन पैसों से एक पुरानी कार खरीदी, जिसे जानबूझकर अपने नाम पर ट्रांसफर नहीं कराया, ताकि उनकी पहचान गाड़ियों के डेटाबेस और ट्रांसपोर्ट रजिस्ट्री से पूरी तरह छिपी रहे।

'फिट इंडिया' का सपना जल्द होगा साकारः राजभूषण चौधरी

एजेंसी

नई दिल्ली। केन्द्रीय जल संसाधन राज्यमंत्री राजभूषण चौधरी ने कहा कि 'फिट इंडिया' का सपना जल्द साकार करने के लिए तेजी से कार्य जारी है। इससे समाज का हर वर्ग शारीरिक और मानसिक रूप से सशक्त बन सकेगा। राजभूषण चौधरी आज दिल्ली स्थित कांस्टीट्यूशन क्लब में 'मेडस्केप इंडिया' द्वारा आयोजित 'फिट इंडिया कॉन्क्लेव 2026' को संबोधित कर रहे थे। इस विशेष कार्यक्रम के आयोजन में इंटरनेशनल इंस्टीट्यूट ऑफ सिक्योरिटी एंड सेफ्टी मैनेजमेंट (आईआईएसएसएम) ने भी अहम भूमिका निभाई। उन्होंने कहा, 'प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की अगुवाई में केंद्र सरकार 'फिट इंडिया' के लक्ष्य को हासिल करने के लिए तेजी से काम कर रही है। मंत्री ने कहा कि आयुष्मान भारत' योजना' के जरिए देश के गरीब से गरीब व्यक्ति को भी बेहतर चिकित्सा का लाभ मिल पा रहा है। कॉन्क्लेव के दौरान स्वास्थ्य क्षेत्र में सुरक्षा को लेकर एक बड़ा कदम उठाया गया। कार्यक्रम की संयोजिका डॉ. सुनीता दुबे और एसआईएस अलार्म एंड मॉनिटरिंग रिस्पांस सर्विस के सीईओ शंकर सुब्रह्मण्यम ने मेडस्केप इंडिया के संयुक्त तत्वाधान में 'प्रोजेक्ट रेड फ्लैग' की शुरुआत की। उन्होंने कहा कि यह तकनीक और पैनिक बटन पर आधारित एक आधुनिक 'इमरजेंसी रिस्पांस समाधान' है। इसे अस्पतालों, क्लीनिकों और अन्य स्वास्थ्य सुविधाओं में तैनात स्वास्थ्यकर्मियों की सुरक्षा को मजबूत करने के लिए विशेष रूप से डिजाइन किया गया है।

मप्र के मैहर में कुएं में गिरे बैल को बचाने के लिए उतरे तीन लोगों की मौत, एक की हालत गंभीर

एजेंसी

मैहर। मध्य प्रदेश के मैहर जिले के अमरपाटन थाना क्षेत्र अंतर्गत खरामसेड़ा गांव के अहिरान टोला में रात एक कुएं में गिरे बैल को बाहर निकालने के लिए उतरे चार लोगों में तीन की मौत हो गई, जबकि एक को गंभीर हालत में सतना के जिला अस्पताल रैफर किया गया है। पुलिस के अनुसार, ग्राम खरामसेड़ा गांव स्थित अहिरान टोला में शुक्रवार की रात एक बैल कुएं में गिर गया था। उसे बाहर निकालने के प्रयास में चार ग्रामीण एक-एक कुएं में उतरे, लेकिन चारों कुएं के अंदर ही बेहोश हो गए। ग्रामीणों ने सूझबूझ से बचाव अभियान चलाकर चारों को बाहर निकाला, लेकिन तब तक तीन लोगों की मौत हो गई, जबकि एक व्यक्ति की हालत गंभीर है। आशंका जताई जा रही है कि कुएं में जहरीली गैस की चपेट में आने की वजह से यह हादसा हुआ है।

अमरपाटन थाना प्रभारी एसआई कैसरी प्रसाद ने बताया कि गांव के एक कुशवाहा परिवार के कुएं में एक बैल गिर गया था। बैल को सुरक्षित बाहर निकालने के लिए रात करीब 8:30 बजे गांव के दो युवक रस्सी के सहारे 35 फीट गहरे कुएं में उतरे। कुछ ही देर

बाद दोनों की आवाज आना बंद हो गई। उन्हें अचेत होता देख, बचाने के लिए दो अन्य ग्रामीण भी बिना किसी सुरक्षा उपकरण के कुएं में उतर गए, लेकिन वे भी जहरीली गैस की चपेट में आ गए। काफी देर तक जब कोई हलचल नहीं हुई, तो कुएं के बाहर खड़े ग्रामीणों ने अनहोनी की आशंका में रस्सियों और कांटों की मदद से चारों को बाहर निकाला और डायल-112 पुलिस को सूचना दी। एसआई ने बताया कि सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंच गई और चारों ग्रामीणों को तत्काल अमरपाटन सिविल अस्पताल पहुंचाया, जहां डॉक्टरों ने तीन ग्रामीणों को मृत घोषित कर दिया। उन्होंने बताया कि मृतकों में राहुल यादव (उम्र 48 वर्ष) पुत्र मोतीलाल, वीरेंद्र यादव (उम्र 42 वर्ष) पुत्र जगदीश प्रसाद और कृष्णकुमार यादव (उम्र 20 वर्ष) पुत्र रामदास शामिल है, जबकि रामचंद्र यादव (उम्र 42 वर्ष) पुत्र भानु प्रसाद को गंभीर हालत में सतना रैफर किया गया है। पुलिस ने मर्ग कायम कर मामले की गहन जांच शुरू कर दी है। अमरपाटन अस्पताल के डॉक्टरों ने बताया कि कुएं के भीतर घुटनों तक पानी था और दम घुटने या जहरीली गैस के कारण यह हादसा हुआ। वहीं, एसडीओपी ख्याति मिश्रा ने बताया कि पोस्टमार्टम रिपोर्ट आने के बाद ही मौत के सटीक कारणों का स्पष्ट पता चल सकेगा।

संघ सेंट्रली या रिमोट से कुछ भी संचालित नहीं करताः डॉ. मोहन भागवत

एजेंसी

नागपुर। राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के सरसंघचालक डॉ. मोहन भागवत ने कहा कि समाज में विभिन्न क्षेत्रों में संघ के स्वयंसेवक कार्य करते हैं। नतीजतन लोगों को लगता है कि सबकुछ संघ द्वारा सेंट्रली या रिमोट से संचालित होता है, लेकिन यह गलत धारणा है। संघ ऐसा कुछ नहीं करता। संघ का कार्य केवल संगठन चलाना नहीं बल्कि ऐसे व्यक्तित्वों का निर्माण करना है, जो अपने आचरण से समाज का मार्गदर्शन कर सकें। उन्होंने कहा कि स्वयंसेवक का पहला गुण केवल सक्रिय कार्यकर्ता बनना नहीं बल्कि संघ के विचारों के अनुरूप जीवन जीना है। नागपुर के साइंटिफिक सभागार में डॉ. हेडगेवार : आधुनिक युग के शालिवाहन विषय पर आयोजित कार्यक्रम में संघ प्रमुख डॉ. भागवत ने कहा कि कार्य का स्वरूप समय के साथ बदल सकता है, लेकिन उसका मूल तत्व कभी नहीं बदलना चाहिए। उन्होंने कहा कि सिद्धांत केवल पुस्तकों में पढ़ने या भाषणों में सुनने की चीज नहीं हैं बल्कि उन्हें अपने जीवन में उतारना ही वास्तविक साधना है। उन्होंने स्पष्ट किया कि समाज में स्वयंसेवकों की भागीदारी से चलने

वाली सभी गतिविधियों का संचालन संघ केंद्रीय रूप से नहीं करता। संघ का उद्देश्य समाज की आवश्यकता के अनुरूप चरित्रवान और संस्कारित व्यक्तियों का निर्माण करना है। उन्होंने कहा कि संघ की शाखाएं विचारों की प्रयोगशाला हैं, जहां ऐसे व्यक्तित्व तैयार होते हैं जिनका प्रभाव उनके परिवार और समाज में दिखाई देता है।डॉ. भागवत ने कहा कि स्वयंसेवक का जीवन पूर्णता की साधना है और यह साधना जीवनभर चलती है। उन्होंने कहा कि यदि भारत को विश्व का मार्गदर्शक बनना है, तो भारतीयों और उनके परिवारों को ऐसा जीवन जीना होगा, जिससे दुनिया स्वयं प्रेरणा ले सके। उन्होंने बताया कि डॉ. केशव बलिराम हेडगेवार ने भी अपने पूरे जीवन में निरंतर आत्मसाधना की और अपने आचरण से आदर्श प्रस्तुत किया। दक्षिण-एशियाईऔर प्रवासी

सरसंघचालक ने कहा कि डॉ. हेडगेवार के व्यक्तित्व की सबसे बड़ी विशेषता उनका पूर्ण समर्पण था। उन्होंने तन, मन और धन के साथ-साथ अपने स्वभाव तक का त्याग किया। डॉ. भागवत ने कहा कि अपने स्वभाव और अहंकार का त्याग करना सबसे कठिन होता है। उन्होंने आगाह किया कि समर्पण के मार्ग पर आगे बढ़ते समय 'मैं समर्पित हूं' का अहंकार भी नहीं आना चाहिए।

मुख्यमंत्री ने ईवी सब्सिडी पोर्टल का किया शुभारंभ

एजेंसी

नई दिल्ली। दिल्ली की मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता ने 'दिल्ली ईवी सब्सिडी पोर्टल' (httpsÑ//evsubsidy.delhi.gov.in) का शुभारंभ किया। दिल्ली सचिवालय में आयोजित कार्यक्रम में मुख्यमंत्री ने 'दिल्ली इलेक्ट्रिक व्हीकल पॉलिसी-2026' की आधिकारिक पुस्तिका का विमोचन भी किया। मुख्यमंत्री ने कहा कि दिल्ली सरकार स्वच्छ, आधुनिक और सतत परिवहन व्यवस्था विकसित करने के लिए प्रतिबद्ध है। इस अवसर पर दिल्ली के परिवहन मंत्री डॉ. पंकज कुमार सिंह, परिवहन आयुक्त निहारिका राय सहित संबंधित विभाग के वरिष्ठ अधिकारी भी उपस्थित रहीं। मुख्यमंत्री ने कार्यक्रम को संबोधित कहा कि ईवी नीति आम नागरिक को केंद्र में रखकर तैयार की गई है, जिसमें दोपहिया, तिपहिया, निजी कारों और वाणिज्यिक (कमर्शियल) वाहनों के लिए विशेष प्रोत्साहन दिए गए हैं। साथ ही एन-1 और एन-2 श्रेणी के वाणिज्यिक वाहनों के लिए भी विशेष प्रावधान किए गए हैं। उन्होंने कहा कि ईवी पोर्टल के माध्यम से पात्र लाभार्थी वाहन खरीदने और आरसी प्राप्त होने के 30 दिनों के भीतर आवेदन कर सकेंगे। इसके बाद 60 दिनों के भीतर डीबीटी के माध्यम से सब्सिडी उनके बैंक खातों में उपलब्ध कराने का लक्ष्य रखा गया है। दिल्ली ईवी सब्सिडी पोर्टल को नागरिकों के लिए सरल, तेज, पारदर्शी एवं पूरी तरह डिजिटल बनाया गया है ताकि पात्र

लाभार्थी घर बैठे ही सभी सेवाओं का लाभ उठा सकें। पूरी प्रक्रिया पेपरलेस, पारदर्शी और सिटीज़न सेंट्रिक बनाई गई है। मुख्यमंत्री ने बताया कि पोर्टल पर नागरिकों और संस्थानों के लिए इलेक्ट्रिक वाहन खरीद प्रोत्साहन और अन्य लाभों के लिए घर बैठे ऑनलाइन आवेदन करने की सुविधा उपलब्ध होगी। आवेदक अपने आवेदन की प्रत्येक चरण की स्थिति रियल-टाइम में ऑनलाइन ट्रैक कर सकेंगे, जिससे पूरी प्रक्रिया पारदर्शी बनी रहेगी। आवश्यक दस्तावेज जैसे आधार कार्ड, वाहन पंजीकरण प्रमाणपत्र (आरसी), मतदाता पहचान पत्र आदि सुरक्षित रूप से ऑनलाइन अपलोड किए जा सकेंगे, जबकि संस्थानों के लिए जीएसटीआईएन, पैन और बैंक विवरण अपलोड करने की सुविधा भी दी गई है। उन्होंने कहा कि यह पूरी व्यवस्था डिजिटल और पेपरलेस होगी। पात्र लाभार्थियों को स्वीकृत प्रोत्साहन राशि आधार-सत्यापित डायरेक्ट बेनिफिट ट्रांसफर (डीबीटी) के माध्यम से सीधे उनके बैंक खाते में भेजी जाएगी। सभी आवश्यक दस्तावेजों के सत्यापन के बाद निर्धारित समय-सीमा के भीतर, अधिकतम 60 दिनों में प्रोत्साहन राशि उपलब्ध करा दी जाएगी। इसके अलावा पोर्टल पर दिल्ली इलेक्ट्रिक वाहन नीति-2026 से जुड़ी सभी महत्वपूर्ण जानकारियां जैसे पात्रता, वाहन श्रेणियों के अनुसार सब्सिडी, अनुमोदित ईवी मॉडलों की सूची, आवश्यक दस्तावेज, आवेदन प्रक्रिया और अन्य दिशा-निर्देश, एक ही मंच पर उपलब्ध होंगे। मुख्यमंत्री ने कहा कि दिल्ली सरकार अगले चार वर्षों में नई ईवी नीति के क्रियान्वयन पर 7,000 करोड़ रुपये से अधिक का निवेश करेगी। इसके तहत खरीद प्रोत्साहन, स्क्रैपिंग प्रोत्साहन, चार्जिंग इंफ्रास्ट्रक्चर के विकास और रोड टैक्स और पंजीकरण शुल्क में छूट जैसे प्रावधान किए गए हैं।

भारत और जर्मनी की साझेदारी मजबूत करने में मध्य प्रदेश निभाएगा बड़ी भूमिका : डॉ. मोहन यादव

एजेंसी

भोपाल । मध्य प्रदेश के मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव से जर्मनी के 4 सदस्यीय प्रतिनिधिमंडल ने मंत्रालय में सौजन्य भेंट की। प्रतिनिधिमंडल द्वारा मुख्यमंत्री से मध्य प्रदेश में ऊर्जा क्षेत्र सहित विभिन्न क्षेत्रों में आपसी सहयोग बढ़ाने के संबंध में विस्तार से चर्चा की गई। प्रतिनिधिमंडल में जर्मनी के केएफडब्ल्यू डेवलपमेंट बैंक के कार्यकारी बोर्ड की सदस्या एवं बैंक की सीईओ क्रिस्टियाने लाईबेक, कंट्री डायरेक्टर वूल्फन मूथ, जर्मन दूतावास के प्रतिनिधि गॉटफ्रीड वॉन और अन्य सदस्य, प्रबंध संचालक म.प्र. औद्योगिक विकास निगम लिमिटेड चंद्रमौली शुक्ला, विशेष गढ़पाले सहित केन्द्र सरकार के अधिकारी भी उपस्थित थे। मुख्यनमंत्री डॉ. यादव ने भारत एवं जर्मनी के बीच दशकों पुरानी मित्रता का उल्लेख करते हुए कहा कि दोनों देश भाईयों की तरह हैं। इनमें आपसी साझेदारी को और अधिक प्रबल बनाने में मध्यप्रदेश बड़ी भूमिका निभाने जा रहा है। सरकार जर्मनी के उद्योगपतियों और निवेशकों से लगातार सम्पर्क में है। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने ऊर्जा क्षेत्र में केएफडब्ल्यू डेवलपमेंट बैंक के सहयोग की सराहना करते हुए आशा जताई कि हमारी साझेदारी दिन-ब-दिन और भी सुदृढ़ होगी। जर्मनी के सहयोग से हमारा मध्ययप्रदेश एक ऊर्जा दक्ष हरित और समृद्ध राज्य बनेगा। केएफडब्ल्यू बैंक के प्रतिनिधिमंडल द्वारा मुख्यमंत्री डॉ. यादव को अवगत कराया गया कि एनर्जी रिफार्म प्रोग्राम अन्तर्गत वितरण कंपनियों में स्मार्ट मीटर की स्थापना एवं फीडर विभक्तिकरण कार्य के लिए लगभग 1120 करोड़ रूपये का वित्त पोषण किया जा रहा है। बैंक द्वारा इस साझेदारी को आगे बढ़ाते हुए एनर्जी रिफार्म फेज-2 अंतर्गत प्रदेश में विद्युत वितरण अधोसंरचना निर्माण तथा सौर घंटों में कृषि फीडरों की आपूर्ति के लिये अधोसंरचनात्मक निर्माण कार्यों के लिए लगभग 200 मिलियन यूरो के वित्तीय सहयोग पर भी रूचि दिखाई है।

मुख्यमंत्री ने लाजपत नगर कॉलोनी अस्पताल के नवनिर्मित फ्रंट ब्लॉक और फिजियोथेरेपी केंद्र का किया उद्घाटन

एजेंसी

नई दिल्ली। मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता ने नगर निगम द्वारा निर्मित लाजपत नगर कॉलोनी अस्पताल में लगभग 4 करोड़ रुपये की लागत से बने फ्रंट ब्लॉक एवं आधुनिक फिजियोथेरेपी केंद्र का उद्घाटन किया। इस नई स्वास्थ्य अवसंरचना के शुरू होने से क्षेत्र के लगभग 15 से 20 लाख नागरिकों को बेहतर, त्वरित और गुणवत्तापूर्ण स्वास्थ्य सेवाएं मिल सकेंगी। उन्होंने कहा कि विकसित दिल्ली का आधार सुदृढ़ स्वास्थ्य व्यवस्था है। इस मौके पर दिल्ली के महापौर प्रवेश वाही, जंगपुरा से विधायक तरविंदर सिंह मारवाह, उपमहापौर डॉ. मोनिका पंत वरिष्ठ अधिकारी एवं विशेषज्ञ चिकित्सक उपस्थित रहे। मुख्यमंत्री ने अस्पताल के इतिहास को रेखांकित करते हुए कहा कि लाजपत नगर कॉलोनी अस्पताल पिछले लगभग 70 वर्षों से स्थानीय निवासियों और प्रवासी आबादी की सेवा कर रहा है। समय के साथ यहां मरीजों का दबाव लगातार बढ़ा, जिससे आधुनिक सुविधाओं की कमी महसूस हो रही थी। अब इस नए फ्रंट ब्लॉक और अत्याधुनिक फिजियोथेरेपी केंद्र के जुड़ने से मरीजों को इलाज के लिए बड़े अस्पतालों में रेफर करने की जरूरत बेहद कम हो जाएगी। वर्तमान

में यह अस्पताल ओपीडी में रोजाना औसतन 600 से 700 मरीजों को सेवाएं दे रहा है, जिसमें अब और विस्तार होगा। मुख्यमंत्री ने कहा कि दिल्ली सरकार ने सरकारी अस्पतालों में स्वास्थ्य सेवाओं का व्यापक डिजिटलाइजेशन किया है। अब मरीजों के सभी मेडिकल रिकॉर्ड डिजिटल रूप से सुरक्षित रखे जा रहे हैं और लंबी लाइनों से राहत देने के लिए डिजिटल अपॉइंटमेंट प्रणाली लागू की गई है। सभी सरकारी अस्पतालों को एकीकृत डिजिटल हेल्थ प्लेटफॉर्म से जोड़ा जा रहा है। इसके माध्यम से एक ऐसा लाइव पोर्टल विकसित किया जा रहा है, जहां नागरिक सरकारी और निजी अस्पतालों में उपलब्ध आईसीयू बेड की रियल-टाइम जानकारी देख सकेंगे। मुख्यमंत्री ने कहा कि दिल्ली सरकार भ्रष्टाचार के प्रति जीरो टॉलरेंस की नीति पर काम कर रही है। स्वास्थ्य विभाग सहित किसी भी महकमे में यदि कोई भी गड़बड़ी या अनियमितता पाई गई तो सख्त से सख्त कार्रवाई होगी। दिल्ली सरकार और नगर निगम मिलकर राजधानी की स्वास्थ्य व्यवस्था को और अधिक सुदृढ़ बनाने के लिए कार्य कर रहे हैं। उन्होंने बताया कि नगर निगम के पुराने अस्पतालों के आधुनिकीकरण के लिए भी सरकार हर संभव वित्तीय सहयोग उपलब्ध कराएगी। लाजपत नगर कॉलोनी अस्पताल के नवनिर्मित फ्रंट ब्लॉक में मरीजों और डॉक्टरों की सुविधा के लिए 6-बेड का डे-केयर सेंटर, 12 आधुनिक कंसल्टिंग रूम, कॉन्फ्रेंस रूम और सीएसआर के सहयोग से अत्याधुनिक फिजियोथेरेपी केंद्र सहित सभी वातानुकूलित सुविधाएं विकसित की गई हैं। यह पूरी तरह कार्यशील ब्लॉक आधुनिक नैदानिक सुविधाओं, रोगी-अनुकूल आधारभूत संरचना और बेहतर स्वास्थ्य सेवाओं के साथ जनता को समर्पित करने के लिए तैयार है।

बाबा सिद्दीकी हत्याकांडः बेटी शहजीन ने कोर्ट में दाखिल की विस्तृत अर्जी, मुंबई क्राइम ब्रांच पर लगाए गंभीर आरोप

एजेंसी

मुंबई । राष्ट्रीय कांग्रेस पार्टी (एनसीपी) नेता और पूर्व मंत्री बाबा सिद्दीकी हत्याकांड में एक बड़ा कानूनी घटनाक्रम सामने आया है। सिद्दीकी की बेटी शहजीन जियाउद्दीन सिद्दीकी ने विशेष अदालत में एक विस्तृत आवेदन दाखिल कर मुंबई क्राइम ब्रांच की जांच पर गंभीर सवाल उठाए हैं। उन्होंने अदालत से अनुरोध किया है कि जांच एजेंसी को निर्देश दिया जाए कि वह इस मामले के वांटेड मुख्य आरोपी अनमोल बिश्नोई की तत्काल कस्टडी लेकर उससे पूछताछ करे और उसे अन्य आरोपियों के साथ ट्रायल का सामना कराने के लिए अदालत में पेश करे। बाबा सिद्दीकी की बेटी द्वारा दाखिल अर्जी में कहा गया है कि मुंबई क्राइम ब्रांच द्वारा दायर चार्जशीट के अनुसार अनमोल बिश्नोई इस हत्याकांड का वांटेड मुख्य आरोपी है और बिश्नोई गैंग के प्रमुख सदस्यों में शामिल है। इसके बावजूद जांच एजेंसी ने उसकी कस्टडी हासिल करने के लिए अब तक कोई प्रभावी कदम नहीं उठाया है। शहजीन सिद्दीकी ने दावा किया है कि उनके परिवार ने स्वयं प्रयास कर यह जानकारी जुटाई थी कि अनमोल बिश्नोई अमेरिका के आयोवा राज्य में डिपार्टमेंट ऑफ

होमलैंड सिक्योरिटी (डीएचएस) की हिरासत में है। यह जानकारी जांच अधिकारियों को भी उपलब्ध कराई गई थी, लेकिन इसके बावजूद एजेंसी ने उसे भारत लाने या उसकी कस्टडी लेने के लिए अपेक्षित गंभीरता नहीं दिखाई। अर्जी में यह भी कहा गया है कि घटना के बाद तीनों शूटरों को जल्द गिरफ्तार कर लिया गया था और जांच के दौरान कुल 27 आरोपियों को गिरफ्तार किया गया। हालांकि, परिवार का मानना है कि जांच हत्या के वास्तविक मकसद और साजिश के मूल स्रोत तक नहीं पहुंची। शहज़ीन का आरोप है कि पुलिस ने केवल एक सीमित दायरे में जांच की और कई महत्वपूर्ण पहलुओं को नजरअंदाज कर दिया।

याचिका में शाहजीन ने कहा है कि उनके भाई जीशान सिद्दीकी ने अपने बयान में कुछ ऐसे लोगों के नाम बताए थे, जिनसे पूछताछ की जानी चाहिए थी। लेकिन मुंबई क्राइम ब्रांच ने न तो उन लोगों से पूछताछ की और न ही उनके बयानों के आधार पर आगे जांच की। इसी वजह से परिवार को जांच की निष्पक्षता और गंभीरता पर संदेह हुआ।अर्जी के अनुसार, परिवार ने सूचना के अधिकार (आईटीआई) कानून के तहत अनमोल बिश्नोई के संबंध में जानकारी मांगी थी। जांच अधिकारी ने यह कहते हुए जानकारी देने से इनकार कर दिया कि यह गोपनीय है। इसके बाद परिवार ने डीसीपी (क्राइम) के समक्ष अपील भी दायर की, लेकिन वहां भी जानकारी उपलब्ध नहीं कराई गई। शहजीन का कहना है कि मुंबई क्राइम ब्रांच ने यह भी स्पष्ट नहीं किया कि अनमोल बिश्नोई को भारत लाने या उसकी कस्टडी लेने के लिए क्या कदम उठाए गए। याचिका में कहा गया है कि बाद में अमेरिका सरकार ने अनमोल बिश्नोई को भारत भेज दिया। इसके बाद वह राष्ट्रीय जांच एजेंसी (एनआईए) की हिरासत में रहा और एनआईए की जांच पूरी होने के बाद न्यायिक हिरासत में भेज दिया गया।

विकसित भारत 2047 की परिकल्पना वीबी-जी राम-जी अधिनियम के प्रभावी क्रियान्वयन से साकार होगीः लक्ष्मी वर्मा

एजेंसी

रायपुर। भारत सरकार के पत्र सूचना कार्यालय (पीआईबी), रायपुर ने रायपुर स्थित न्यू सर्किट हाउस के कॉन्फ्रेंस हॉल में विकसित भारत-गारंटी फॉर रोजगार एंड आजीविका मिशन (ग्रामीण) [वीबी-जी राम-जी] अधिनियम, 2025 विषय पर मीडिया वार्ता का आयोजन किया। इस अवसर पर मुख्य अतिथि राज्यसभा सांसद श्रीमती लक्ष्मी वर्मा ने कहा कि भारत की आत्मा गांवों में बसती है और विकसित भारत 2047 की परिकल्पना वीबी-जी राम-जी अधिनियम के प्रभावी क्रियान्वयन से साकार होगी। सांसद लक्ष्मी वर्मा ने कहा कि भारत की आत्मा गांवों में बसती है और विकसित भारत 2047 की परिकल्पना वीबी-जी राम-जी अधिनियम के प्रभावी क्रियान्वयन से साकार होगी। उन्होंने कहा कि एक जुलाई 2026 से अधिनियम लागू होने के बाद ग्रामीण आजीविका को नई दिशा मिली है। यह व्यवस्था ग्रामीण अर्थव्यवस्था को सुदृढ़ बनाने के साथ-साथ रोजगार और आजीविका की सुरक्षा सुनिश्चित करेगी। लक्ष्मी वर्मा ने कहा कि कहा कि नई व्यवस्था में पूर्ववर्ती प्रणाली की तकनीकी एवं प्रक्रियागत कमियों को दूर करते हुए ग्रामीण विकास को अधिक प्रभावी, पारदर्शी और जवाबदेह बनाया गया है। अधिनियम के अंतर्गत रोजगार की अवधि 100 दिनों से बढ़ाकर 125 दिन कर दी गई है तथा मजदूरी दर में भी वृद्धि का प्रावधान किया गया है। जॉब कार्डधारकों को समयबद्ध एवं सुनिश्चित रोजगार उपलब्ध कराने पर विशेष बल दिया गया है। उन्होंने बताया कि सभी विकास कार्यों का विवरण संबंधित ऑनलाइन पोर्टलों पर उपलब्ध कराया जाएगा तथा प्रत्येक कार्य की नियमित निगरानी की जाएगी। कार्यों की जियो-टैगिंग के माध्यम से प्रभावी मॉनिटरिंग सुनिश्चित होगी। इसके साथ ही दूरस्थ एवं दुर्गम क्षेत्रों में डिजिटल कनेक्टिविटी को सुदृढ़ करने के लिए आवश्यक दूरसंचार अवसंरचना विकसित की जाएगी। ग्राम पंचायतें स्थानीय आवश्यकताओं एवं प्राथमिकताओं के अनुरूप विकास कार्यों के प्रस्ताव तैयार करेंगी, जिनका जनपद एवं जिला स्तर पर परीक्षण एवं अनुमोदन किया जाएगा। कार्यक्रम के विषय वक्ता तथा वीबी-जी राम-जी राज्य कार्यालय, नवा रायपुर के डिप्टी कमिश्नर नितेश उपाध्याय ने अधिनियम के क्रियान्वयन संबंधी प्रमुख प्रावधानों की जानकारी दी। उन्होंने बताया कि केंद्रीय कृषि एवं किसान कल्याण तथा ग्रामीण विकास मंत्री शिवराज सिंह चौहान द्वारा घोषित अंतरिम आवंटन के अंतर्गत छत्तीसगढ़ को 3,354.85 करोड़ रुपये प्रदान किए गए हैं।

आखिरी दिन प्रज्ञानंद ने मारी बाजी, लगातार तीन जीत के दम पर संयुक्त नंबर-1 बने भारतीय स्टार

जैग्रेब (क्रोएशिया)। भारतीय ग्रैंडमास्टर आर प्रज्ञानंद ने ग्रैंड चेस टूर के क्रोएशियाई चरण के रैपिड सेक्शन के अंतिम दिन शानदार प्रदर्शन किया। उन्होंने आखिरी दिन लगातार तीन मैच जीतकर कुल 12 अंकों के साथ फ्रांस के फिरौज्जा अलीरेजा के साथ संयुक्त रूप से पहला स्थान हासिल कर लिया है। दूसरे दिन के खेल के बाद प्रज्ञानंद थोड़ा पिछड़ गए थे, लेकिन उन्होंने आखिरी तीन दौर के लिए अपना सर्वश्रेष्ठ खेल बचाकर रखा था। उन्होंने क्रोएशिया के इवान सारिक, रोमानिया के डीक बोग्डन-डेनियल और नीदरलैंड के अनीश गिरी को शिकस्त देकर अलीरेजा की बराबरी की।

इस प्रतियोगिता के रैपिड सेक्शन में फ्रांस के मैक्सिम वाचिएर-लाग्रेव और उज्बेकिस्तान के नोदिरबेक अब्दुसत्तोरोव ने

भी बेहतरीन अंत किया। ये दोनों खिलाड़ी 11 अंकों के साथ शीर्ष पर मौजूद दोनों लीडर्स के बेहद करीब बने हुए हैं। वहीं, भारत के विश्व चैंपियन डी गुकेश और जर्मनी के विंसेंट कीमर भी 10-10 अंकों के साथ उनके ठीक पीछे मजबूती से डटे हुए हैं।ब्लिट्ज सेक्शन में अभी 18 दौर के मुकाबले खेले जाने बाकी हैं। फिलहाल, अनीश गिरी आठ अंकों पर हैं और वह डीक बोग्डन-डेनियल तथा नीदरलैंड के जॉर्डन वैन फोरेस्ट से एक पूरा अंक आगे हैं। इसके विपरीत, इवान सारिक के खाते में केवल दो अंक हैं और वह अंक तालिका में सबसे आखिरी स्थान पर हैं।

प्रज्ञानंद ने आखिरी तीन राउंड में विपक्षी दिग्गजों को कैसे मात दी

प्रज्ञानंद के लिए दिन की शुरुआत बेहद सकारात्मक रही। टूर्नामेंट में संघर्ष कर रहे इवान सारिक के खिलाफ शुरुआती चालों के बाद ही भारतीय खिलाड़ी मजबूत स्थिति में आ गए थे। कारो-कैन डिफेंस की वजह से प्रज्ञानंद को शुरुआत से ही सक्रिय स्थिति मिल गई थी। हालांकि इसे जीत में बदलने में लंबा समय लगा, लेकिन प्रज्ञानंद का खेल पर पूरा नियंत्रण बना रहा। दूसरे मुकाबले में प्रज्ञानंद ने पेट्रोफ डिफेंस का सामना करते हुए डीक बोग्डन-डेनियल की रक्षापंक्ति को पूरी तरह ध्वस्त कर दिया। खेल की 15वीं चाल तक ही परिणाम की तस्वीर साफ होने लगी थी। रोमानियाई खिलाड़ी ने जल्द ही अपना एक मोहरा गंवा दिया और वह मुकाबले में दोबारा वापसी नहीं कर सके।दिन के आखिरी मैच में प्रज्ञानंद ने आम तौर पर मजबूत माने जाने वाले अनीश गिरी के खिलाफ आक्रामक रुख अपनाया। उन्होंने कैटलन ओपनिंग के जरिए एक प्यादा जीता और फिर बेहतरीन टैक्टिकल सूझबूझ दिखाते हुए मैच को कुशलता से समाप्त किया। यह मुकाबला महज 34 चालों में ही खत्म हो गया।

विश्व चैंपियन डी गुकेश के लिए यह दिन कुछ अलग साबित हुआ

प्रज्ञानंद के विपरीत, सबसे कम उम्र के विश्व चैंपियन डी गुकेश के लिए यह दिन थोड़ा अलग और मिलाजुला रहा। वह अपने तीनों मुकाबले ड्रॉ ही खेल सके, जिसके कारण वह शीर्ष रेस में थोड़े पीछे रह गए। अब्दुसत्तोरोव, कीमर और अलीरेजा इन तीनों ही खिलाड़ियों ने गुकेश के साथ अंक बांटे।

रैपिड सेक्शन के 9 दौर के बाद क्या है अंक तालिका की स्थिति

पहला-दूसरा स्थानः फिरौज्जा अलीरेजा (फ्रांस), आर प्रज्ञानंद (भारत)- 12 अंक प्रत्येक

तीसरा-चौथा स्थानः मैक्सिम वाचिएर-लाग्रेव (फ्रांस), नोदिरबेक अब्दुसत्तोरोव (उज्बेकिस्तान)- 11 अंक प्रत्येक

पांचवां-छठा स्थानः डी गुकेश (भारत), विंसेंट कीमर (जर्मनी)- 10 अंक प्रत्येक

सातवां स्थानः अनीश गिरी (नीदरलैंड)- 8 अंक

आठवां-नौवां स्थानः डीक बोग्डन-डेनियल (रोमानिया), जॉर्डन वैन फोरेस्ट (नीदरलैंड)- 7 अंक प्रत्येक

दसवां स्थानः इवान सारिक (क्रोएशिया)- 2 अंक

मेसी के विश्वकप में 20 गोल

एम्बाप्पे पर बनाई बढ़त गोल्डन बूट की दौड़ में आगे

मियामी, एजेंसी। अर्जेंटीना के स्टार खिलाड़ी लियोनल मेसी ने फिर गोल किया और केप वर्डे के खिलाफ फीफा विश्व कप का लगातार आठवां मैच था जिसमें अर्जेंटीना के कप्तान ने कम से कम एक गोल दागा है। मेसी ने केप वर्डे के खिलाफ 29वें मिनट में विश्व कप के अपने करियर का 20वां गोल किया। वह विश्व कप के इतिहास में सर्वाधिक गोल करने वाले खिलाड़ियों की सूची में शीर्ष पर बने हुए हैं जबकि, फ्रांस के किलियन एम्बाप्पे उनसे दो गोल पीछे हैं।

मेसी ने दागा मौजूदा विश्व कप का सातवां गोल

इस साल टूर्नामेंट में मेसी का यह सातवां गोल था और गोल्डन बूट की दौड़ में एम्बाप्पे उनसे एक गोल पीछे हैं। पिछले आठ विश्व कप मैचों में मेसी 12 गोल कर चुके हैं। मेसी के साथ अर्जेंटीना और इंटर मियामी के लिए खेलने वाले रॉड्रिगो डि पॉल ने कहा, मेरे लिए मेसी की दोस्ती सबसे अहम चीज है और मैं खुशकिस्मत हूं कि इन पलों में उसके साथ मैदान पर हूं।मेसी ने मार्टिनेज के पास पर केप वर्डे के स्टार गोलकीपर वोजिन्हा को छकाते हुए यह गोल दागा। मेसी और एम्बाप्पे के अलावा नॉर्वे के एर्लिंग हालंद और इंग्लैंड के हैरी केन भी पांच-पांच गोल करके विश्व कप में सबसे ज्यादा गोल करने के गोल्डन बूट पुरस्कार की दौड़ में हैं। फ्रांस के उस्मान डेम्बेले, स्पेन के मिकेल ओयारजाबाल, ब्राजील के विनिशियस जूनियर और सेनेगल के इस्माइला सार ने चार-चार गोल किए हैं। सार दौड़ से बाहर हैं क्योंकि सेनेगल बाहर हो चुकी है।

कभी गोल्डन बूट नहीं जीत सके हैं मेसी

नॉर्वे, इंग्लैंड और फ्रांस अंतिम 16 में हैं। केप वर्डे को हराकर अर्जेंटीना भी अगले दौर में पहुंच चुका है। मेसी ने कभी गोल्डन बूट नहीं जीता। विश्व कप 2022 में सात गोल करके वह एम्बाप्पे से एक गोल पीछे रह गए थे, जबकि 2014 में चार गोल करके संयुक्त तीसरे स्थान पर थे। अगर टूर्नामेंट के बाद शीर्ष पर टाई रहता है तो फीफा पहले टाइब्रेकर के रूप में यह देखेगा कि कितने गोल में मदद की है और दूसरा टाइब्रेकर यह होगा कि मैदान पर किसने कम समय बिताया है। एमेबाप्पे गोल में सहायता के मामले में मेस्सी से 2-0 से आगे हैं।

पेनल्टी शूटआउट में मिस्र का कमाल ऑस्ट्रेलिया को हरा राउंड ऑफ-16 में

डलास, एजेंसी। फीफा विश्व कप 2026 के राउंड ऑफ 32 में मिस्र ने इतिहास रचते हुए ऑस्ट्रेलिया को पेनल्टी शूटआउट में 4-2 से हराकर पहली बार विश्व कप के नॉकआउट मुकाबले में जीत दर्ज की। निर्धारित समय और अतिरिक्त समय तक मुकाबला 1-1 की बराबरी पर रहा, जिसके बाद मैच का फैसला पेनल्टी शूटआउट से हुआ। मिस्र ने अपनी चारों पेनल्टी सफलतापूर्वक गोल में बदली, जबकि ऑस्ट्रेलिया के हैरी साउटर और लुकास हेरिंगटन अपने प्रयासों में चूक गए।

मुकाबले की शुरुआत में ऑस्ट्रेलिया ने आक्रामक रुख अपनाया और क्रिस्टियन वोल्पाटो का लंबी दूरी का शॉट क्रॉसबार से टकराया। इसके कुछ ही मिनट बाद मिस्र ने 13वें मिनट में बढ़त बना ली। सेट पीस से बने मौके पर करीम हाफेज के क्रॉस को इमाम अशूर ने शानदार हेडर के जरिए गोल में बदल दिया। विश्व कप में अशूर का यह लगातार दूसरा गोल रहा।दूसरे हाफ में ऑस्ट्रेलिया ने बराबरी हासिल कर ली। 55वें मिनट में एडेन ओ'नील की फ्री-किक पर मिस्र के डिफेंडर मोहामेद हानी ने गेंद को क्लियर करने की कोशिश में अपनी ही टीम के गोल में पहुंचा दिया। इस आत्मघाती गोल के साथ स्कोर 1-1 हो गया और मुकाबला बेहद रोमांचक बन गया।

दोनों टीमों को मिले मौके

अतिरिक्त समय में मिस्र के पास मैच खत्म करने का सुनहरा अवसर था, लेकिन ऑस्ट्रेलिया के गोलकीपर पैट्रिक बीच ने रामी राबिया के दमदार हेडर पर शानदार एक हाथ से बचाव किया। इसके बाद मोहम्मद सलाह ने हैसम हसन के लिए मौका बनाया, लेकिन हैरी साउटर ने बेहतरीन ब्लॉक लगाकर ऑस्ट्रेलिया को बचा लिया।निर्धारित समय और अतिरिक्त समय में फैसला नहीं होने के बाद मैच पेनल्टी शूटआउट में पहुंचा। मिस्र ने अपनी सभी चार पेनल्टी सफलतापूर्वक गोल में बदली। स्टार खिलाड़ी मोहम्मद सलाह ने भी शानदार 'पानेन्का' शैली में पेनल्टी को गोल में बदल दिया। दूसरी ओर, ऑस्ट्रेलिया के हैरी साउटर और लुकास हेरिंगटन पेनल्टी चूक गए, जिससे मिस्र ने 4-2 से जीत दर्ज कर ली।

विश्व कप से पहले भारत ने दिया बड़ा संदेश

फुल्टन बोले- गेम प्लान पर टिके रहे तो जीत हमारी होगी

नई दिल्ली, एजेंसी। एफआईएच प्रो लीग में कुल मिलाकर निराशाजनक अभियान के बावजूद आखिरी चरण में भारतीय टीम ने दमदार प्रदर्शन कर अपने इरादे साफ कर दिए। जर्मनी और नीदरलैंड जैसी मजबूत टीमों को हराने के बाद मुख्य कोच क्रेग फुल्टन का मानना है कि अगर टीम अपने गेम प्लान पर कायम रही तो दुनिया की किसी भी टीम को मात दे सकती है।

जर्मनी और नीदरलैंड पर जीत से बढ़ा टीम का आत्मविश्वास?

मुख्य कोच क्रेग फुल्टन ने कहा कि प्रो लीग के दौरान टीम का आत्मविश्वास लगातार बढ़ा है। उन्होंने कहा कि जर्मनी और नीदरलैंड जैसी शीर्ष टीमों पर जीत और इंग्लैंड के खिलाफ कड़े मुकाबले ने साबित कर दिया कि भारतीय टीम अपने गेम प्लान पर अमल करे तो किसी भी टीम को चुनौती देने और हराने की क्षमता रखती है। उन्होंने इसे विश्व कप और एशियाई खेलों से पहले अच्छा संकेत बताया, हालांकि प्रदर्शन में निरंतरता बनाए रखने की जरूरत भी बताई।

टीम दबाव में पहले से ज्यादा मजबूत हुई

फुल्टन ने कहा कि टीम ने दबाव की परिस्थितियों में संयम बनाए रखा, अलग-अलग टीमों की खेल शैली के अनुसार खुद को ढाला और करीबी मुकाबलों में जीत हासिल की। उनके अनुसार यही अनुभव विश्व कप और एशियाई खेलों जैसे बड़े टूर्नामेंट में टीम के काम आएगा और टीम सही दिशा में आगे बढ़ रही है।

प्रो लीग भारत के लिए मुश्किल रही थी

राउरकेला में खेले गए घरेलू चरण में भारत को बेल्जियम और अर्जेंटीना के खिलाफ हार का सामना करना पड़ा। इसके बाद होबार्ट चरण में टीम ने सुधार के संकेत दिए। स्पेन से शुरुआती हार के बाद भारत ने ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ 2-2 और स्पेन के खिलाफ 1-1 से ड्रॉ खेला, हालांकि दोनों मुकाबलों के शूटआउट में हार मिली। अंतिम मैच में ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ 1-1 की बराबरी के बाद भारत ने शूटआउट 3-1 से जीत लिया।यूरोप चरण में भारतीय टीम का प्रदर्शन काफी बेहतर रहा। रॉटरडैम में भारत ने जर्मनी को 3-1 और नीदरलैंड को 3-2 से हराया। दुनिया की दो मजबूत रक्षात्मक टीमों के खिलाफ भारत ने चार मैचों में नौ गोल किए, जिनमें पांच फील्ड गोल और चार पेनल्टी कॉर्नर से आए। इसके बाद लंदन में पाकिस्तान और इंग्लैंड के खिलाफ चारों मुकाबलों में भारत निर्धारित समय तक अपराजित रहा।

हरमनप्रीत सिंह ने भी जताया भरोसा

होबार्ट चरण से बाहर रहने के बाद टीम की कप्तानी संभालने लौटे हरमनप्रीत सिंह ने कहा कि शीर्ष रैंकिंग वाली टीमों को हराना हमेशा खास होता है और इससे पता चलता है कि टीम की मेहनत रंग ला रही है। उन्होंने कहा कि विश्व कप और एशियाई खेलों की तैयारी में टीम इन सकारात्मक पहलुओं को साथ लेकर आगे बढ़ेगी।

अल-नासर को मिला नया कोच, एंजे को मिली कमान

सऊदी अरब के दिग्गज क्लब अल-नासर ने ऑस्ट्रेलियाई कोच एंजे पोस्टेकोग्लू को अपनी पहली फुटबॉल टीम का नया मुख्य कोच नियुक्त किया है। क्लब ने शनिवार को इसकी आधिकारिक घोषणा करते हुए बताया कि पोस्टेकोग्लू के साथ दो साल का अनुबंध किया गया है।एंजे पोस्टेकोग्लू पुर्तगाली कोच जॉर्ज जीसस की जगह लेंगे। क्लब ने अपने आधिकारिक बयान में कहा, 'एक नए अध्याय की शुरुआत। एंजे पोस्टेकोग्लू को अल-नासर की पहली फुटबॉल टीम का मुख्य कोच नियुक्त किया गया है। उनका अनुबंध दो सीजन के लिए है। हम उन्हें और उनके सहयोगी स्टाफ को क्लब के साथ सफल सफर की शुभकामनाएं देते हैं।' पोस्टेकोग्लू के सामने सबसे बड़ी चुनौती पांच बार के बैलन डी 'ऑर विजेता क्रिस्टियानो रोनाल्डो के साथ टीम को नई ऊंचाइयों तक पहुंचाने की होगी। इसके अलावा वह सादियो माने, किंग्सले कोमन और जोआओ फेलिक्स जैसे स्टार खिलाड़ियों को भी कोचिंग देंगे। इस समय 41 वर्षीय क्रिस्टियानो रोनाल्डो पुर्तगाल की ओर से फीफा विश्व कप 2026 में खेल रहे हैं। उन्होंने क्रोएशिया के खिलाफ राउंड ऑफ 32 मुकाबले में पेनल्टी के जरिए बराबरी का गोल दागा था। हालांकि बाद में उन्हें मैदान से बाहर बुला लिया गया और गोंकालो रामोस ने विजयी गोल कर टीम को बढ़त दिलाई।

नोवाक जोकोविच ने रचा इतिहास

जोकोविच ने विंबलडन पुरुष एकल में रोजर फेडरर के 105 जीत के रिकॉर्ड की बराबरी की

नई दिल्ली, एजेंसी। सात बार के विंबलडन चैंपियन नोवाक जोकोविच ने तीसरे दौर में फ्रांस के आर्थर रिंदरकनेच को कड़े मुकाबले में 7-5, 6-4, 1-6, 7-6(4) से हराकर प्री-क्वार्टर फाइनल (चौथे दौर) में जगह बना ली। इस जीत के साथ जोकोविच ने विंबलडन पुरुष एकल में रोजर फेडरर के 105 जीत के रिकॉर्ड की बराबरी कर ली।

फेडरर की बराबरी, अब सिर्फ एक खिलाड़ी आगे

39 वर्षीय सर्बियाई दिग्गज अब विंबलडन में पुरुष एकल के इतिहास में सबसे ज्यादा 105 मैच जीतने वाले खिलाड़ियों की सूची में रोजर फेडरर के साथ संयुक्त रूप से शीर्ष पर पहुंच गए हैं। पूरे इतिहास में उनसे आगे सिर्फ महिला टेनिस की दिग्गज मार्टिना नवरातिलोवा हैं, जिन्होंने विंबलडन में 120 एकल मुकाबले जीते हैं।

जोकोविच बोले- इतिहास बनाना मेरे लिए सम्मान की बात

जीत के बाद जोकोविच ने कहा कि इस खेल में इतिहास रचना उनके लिए गर्व और सम्मान की बात है। उन्होंने कहा, 'इस खेल में इतिहास बनाना मेरे लिए बहुत बड़ा सम्मान और सौभाग्य है। खासकर विंबलडन में, क्योंकि बचपन से यही मेरा सपना रहा है। मैं 105 या 106 जीत के बारे में नहीं सोच रहा, मेरा पूरा ध्यान हर मैच जीतने पर है।'उन्होंने मुस्कुराते हुए कहा, 'आज मैं सामान्य से ज्यादा दबाव में था। मुझे पता था कि मुकाबला आसान नहीं होगा। मैं खुश हूं कि इसे जीत पाया। अब मैं चाहता हूं कि 106वीं जीत के लिए मेरा मुकाबला रोजर फेडरर से ही हो जाए।'

रिंदरकनेच ने दी कड़ी टक्कर

दूसरे दौर में स्टेफानोस सित्सिपास को सीधे सेटों में हराने वाले जोकोविच इस बार अपनी सर्वश्रेष्ठ लय में नजर नहीं आए। फ्रांस के आर्थर रिंदरकनेच ने पहले दो सेट गंवाने के बाद जोरदार वापसी करते हुए तीसरा सेट 6-1 से अपने नाम किया। चौथे सेट में भी दोनों खिलाड़ियों के बीच लंबी और रोमांचक रैलियां देखने को मिलीं। रिंदरकनेच ने कई शानदार सर्विस और वॉली से दर्शकों को प्रभावित किया, लेकिन टाई-ब्रेक में जोकोविच के अनुभव ने बाजी पलट दी।

अब चौथे दौर में रोमन सफियुलिन से मुकाबला

अब जोकोविच का सामना चौथे दौर में क्वालिफायर रोमन सफियुलिन से होगा। सफियुलिन ने तीसरे दौर में ब्राजील के जोआओ फोन्सेका को 6-3, 6-3, 6-3 से हराकर अंतिम-16 में जगह बनाई। चोटों से जूझने वाले सफियुलिन ने इस साल विंबलडन से पहले टूर स्तर पर एक भी मैच नहीं जीता था।

विंबलडन में सबसे ज्यादा एकल मैच जीत

मार्टिना नवरातिलोवा	120 जीत
रोजर फेडरर	105 जीत
नोवाक जोकोविच	105 जीत

अपने करियर के बड़े प्रोजेक्ट्स - 'राका' और 'एए23' के लिए तैयारी कर रहे हैं अल्लू अर्जुन

अल्लू अर्जुन अपने करियर के अगले पड़ाव के लिए तैयार हो रहे हैं। पिछले दो वर्षों से अपनी फिल्मों की कामयाबी और ऑफ-स्क्रीन विवादों की वजह से चर्चा में रहे यह एक्टर अब अपने करियर के दो सबसे बड़े प्रोजेक्ट्स - 'राका' और 'एए23' के लिए तैयारी कर रहे हैं।

मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक अल्लू अर्जुन अभी 'राका' के लिए अपने हिस्से की शूटिंग पूरी करने पर ध्यान दे रहे हैं। इस फिल्म का प्रोडक्शन 2026 के आखिर तक चलने की उम्मीद है। खबर है कि एक्टर सितंबर 2026 तक अपना शेड्यूल पूरा करना चाहते हैं। इसके बाद वह अपना ध्यान फिल्म 'एए23' पर देना चाहते हैं। इसकी शूटिंग दिसंबर में शुरू होने की संभावना है।

बड़े प्रोडक्शन की होगी जरूरत

कहा जा रहा है कि फिल्म 'राका' बड़े पैमाने पर बनाई जा रही है। इसमें बहुत ज्यादा विजुअल इफेक्ट्स और बड़े प्रोडक्शन की जरूरत होगी। बताया यह भी जा रहा है कि फिल्मिंग पूरी होने के बाद भी वीएफएक्स के ज्यादा इस्तेमाल की वजह से फिल्म को लंबे पोस्ट-प्रोडक्शन प्रोसेस से गुजरना होगा। खबर है कि मेकर्स इसे 2028 के बीच में रिलीज करने की सोच रहे हैं, जिससे उन्हें तकनीकी पहलुओं को बेहतर बनाने और विजुअल को अच्छा करने के लिए काफी समय मिल जाए।

'एए23' को लेकर बढ़ी उत्सुकता

अल्लू अर्जुन 'एए23' पर काम करने के लिए पूरी तरह तैयार हैं। इस फिल्म के ऐलान के बाद से ही लोगों में इसे लेकर काफी उत्सुकता है और इसे एटली डायरेक्ट कर रहे हैं। कहा जा रहा है कि इस फिल्म को ग्लोबल लेवल पर एक कमर्शियल एंटरटेनर के तौर पर प्लान किया जा रहा है, जिसमें भारत के सबसे बड़े स्टार्स में से एक और सबसे सफल मास फिल्ममेकर्स में से एक साथ आ रहे हैं।

मुश्किल दौर ने बदली जिंदगी, फिल्मों में काम रुका तो फैशन बिजनेस में रखा कदम

अभिनेत्री और वीडियो जॉकी (वीजे) रिया चक्रवर्ती एक ऐसा नाम है, जिन्होंने कड़ी मेहनत और हुनर के दम पर सोशल मीडिया, टेलीविजन और फिल्म इंडस्ट्री में एक पहचान बनाई है। रिया चक्रवर्ती का जन्म 1 जुलाई 1992 को एक बंगाली परिवार में हुआ था। रिया के पिता इंद्रजीत चक्रवर्ती आर्मी में रहे हैं। उन्होंने अपनी शुरुआती पढ़ाई अंबाला कैंट के आर्मी पब्लिक स्कूल से की। रिया ने करियर की शुरुआत 2009 में एमटीवी पर आए रियलिटी शो 'टीवीएस स्कूटी टीन दिवा' से की। इसमें वह पहली रनर-अप रहीं। इसके बाद वह 'पेप्सी एनटीवी वासुप', 'टिकटैक कॉलेज बीट', 'एमटीवी गॉन इन 60 सेकेंड्स' और 'एमटीवी रोडीज - कर्म या कांड' जैसे लोकप्रिय रियलिटी शो में बतौर होस्ट के रूप में नजर आईं।

रिया ने अपनी एक्टिंग करियर की शुरुआत 2012 में तेलुगु फिल्म 'तुनीगा तुनीगा' से की। इसके बाद उन्होंने 2013 में 'मेरे डैड की मारुति' से बॉलीवुड में डेब्यू किया। अभिनेत्री ने इसके बाद कई फिल्मों में अपनी एक्टिंग और खूबसूरती का जलवा बिखेरा, जिसमें 'सोनाली केबल', 'जलेबी', 'बैंक चोर' और 'चेहरे' जैसी फिल्में शामिल हैं। इन फिल्मों ने लोगों के बीच पहचान दिलाई। हालांकि, 2020 में अभिनेता सुशांत सिंह राजपूत के असामयिक निधन के बाद, रिया के जीवन में एक ऐसा मोड़ आया, जिसने उन्हें मीडिया और कानूनी जांच के केंद्र में ला दिया। दरअसल, रिया उस समय सुशांत को डेट कर रही थी, लेकिन सुशांत की संदिग्ध मौत से वह कई सवालों के घेरे में आ गईं।

इस मामले में ड्रग्स से जुड़े आरोपों के कारण उन्हें अपने भाई शोविक चक्रवर्ती के साथ जेल में लगभग 28 दिन बिताना पड़ा था, लेकिन लगभग 5 वर्षों के मुश्किल समय के बाद केंद्रीय जांच ब्यूरो (सीबीआई) ने रिया को सुशांत सिंह राजपूत की मौत के मामले में मार्च 2025 में क्लोजर रिपोर्ट दाखिल कर क्लीन चिट दे दी। जानकारी के मुताबिक, 2020 के मुश्किल दौर के बाद अभिनेत्री को फिल्म इंडस्ट्री में काम मिलना बंद हो गया था। उस समय उन्होंने 2023 में अपने भाई शोविक चक्रवर्ती के साथ मिलकर एक स्ट्रीटवियर फैशन ब्रांड शुरू किया, जिसका नाम उन्होंने 'चैप्टर 2 ड्रिप' रखा। यह ब्रांड ओवरसाइज्ड टी-शर्ट, हुडी और अन्य यूनीसेक्स कपड़ों के लिए जाना जाता है, जिसकी वैल्यूएशन बहुत ही कम समय में करोड़ों में हो गई है।

अहमद खान ने बताया क्यों 'वेलकम टू द जंगल' से बाहर हुए संजय दत्त?

अहमद खान द्वारा निर्देशित फिल्म 'वेलकम टू द जंगल' इन दिनों सिनेमाघरों में बनी हुई है। फिल्म को दर्शकों की अच्छी प्रतिक्रिया मिल रही है और फिल्म बॉक्स ऑफिस पर भी शानदार प्रदर्शन कर रही है। हालांकि, फिल्म के प्रोमो में दिखाए गए लगभग पांच एक्टर फिल्म से गायब दिखे। जिसके बाद दर्शकों के मन में उन कलाकारों के रोल्स को लेकर सवाल जरूर हैं। अहमद खान ने फिल्म से संजय दत्त के गायब होने के बारे में जानकारी दी। उन्होंने बताया कि संजय दत्त ने 'वेलकम टू द जंगल' इसलिए छोड़ी क्योंकि उन्हें शूटिंग की तारीखों में दिक्कत थी और उन्हें इलाज के लिए अमेरिका जाना था। उन्होंने एक्टर और फिल्म की टीम के बीच किसी भी तरह के तनाव की बात को खारिज कर दिया। निर्देशक ने कहा कि संजू बाबा को स्क्रिप्ट बहुत पसंद आई थी और वह सच में फिल्म का हिस्सा बनना चाहते थे। फिल्म में उनके कई दोस्त थे जैसे जग्गू दादा (जैकी श्रॉफ), अक्षय कुमार वगैरह। वह बहुत उत्साहित थे। हमने उनके साथ फिल्म का

कुछ हिस्सा शूट भी किया था। लेकिन उन्हें तारीखों की दिक्कत थी। उन्हें अमेरिका जाना था। वह इलाज के लिए वहां गए थे और मैं इतने सारे एक्टर्स की तारीखें नहीं बदल सकता था।

'लॉक अप 2' में 'जनता की आवाज' बनकर आएंगी कंगना

अभिनेत्री कंगना रनौत इस हफ्ते के आखिर में नेटफ्लिक्स के रियलिटी शो 'लॉक अप: सच या सजा' में एक खास मेहमान के रूप में दिखाई देंगी। इस बार वह शो में 'जनता की आवाज' बनकर एंट्री लेंगी।

खबर के अनुसार, शो से पहले कंटेस्टेंट के एलिमिनेशन के दौरान कंगना मुख्य होस्ट फराह खान और रितेश देशमुख के साथ जूरी का हिस्सा बनेंगी। कंगना ने कहा कि यह शो सच को स्वीकार करने के बारे में है और यहां हर फैसले की एक कीमत चुकानी पड़ती है। इस शो के पिछले सीजन को खुद कंगना ने ही होस्ट किया था, इसलिए उनकी वापसी से फैंस काफी उत्साहित हैं। इस नए सीजन में धीरज धूपर, हर्षद चोपड़ा और शिवांगी जोशी समेत 15 कंटेस्टेंट्स शामिल हैं।

फिल्म 'क्वीन 2' की शूटिंग हुई पूरी

टीवी शो के अलावा कंगना अपनी ब्लॉकबस्टर फिल्म 'क्वीन' के सीक्वल यानी 'क्वीन 2' को लेकर भी चर्चा में हैं। कंगना ने सोशल मीडिया पर बताया कि इस फिल्म की मुख्य शूटिंग अब पूरी हो चुकी है। उन्होंने पूरी टीम के साथ इसका जश्न भी मनाया। हाल ही में कंगना रनौत फिल्म 'भारत भाग्य विधाता' में नजर आई थीं, जो 12 जून 2026 को सिनेमाघरों में रिलीज हुई थी।

'राका' में अहम भूमिका निभाएंगी रश्मिका मंदाना

'पुष्पा' में रश्मिका मंदाना और अल्लू अर्जुन की जबरदस्त केमिस्ट्री को दर्शकों ने खूब पसंद किया था, और अब खबर है कि ये जोड़ी फिल्म 'राका' में फिर साथ नजर आएगी। रिपोर्ट्स के मुताबिक, रश्मिका मंदाना इस फिल्म में एक अहम भूमिका निभाएंगी। फिल्म की शूटिंग का पहला शेड्यूल जल्द ही मुंबई में शुरू होने वाला है और रश्मिका भी जल्द इस शेड्यूल को जॉइन करेंगी। डायरेक्टर एटली की इस फिल्म को लेकर पहले से ही काफी चर्चा है, और रश्मिका की एंट्री से फैंस का एक्साइटमेंट और बढ़ गया है। दर्शक इस प्रोजेक्ट से जुड़ी हर नई अपडेट का बेसब्री से इंतजार कर रहे हैं।

क्या शाहरुख का होगा कैमियो?

खबरों की मानें तो इस फिल्म में रश्मिका के अलावा मृणाल ठाकुर और जाह्नवी कपूर भी अहम किरदारों में नजर आ सकती हैं। वहीं, यह भी चर्चा है कि शाहरुख खान फिल्म में कैमियो कर सकते हैं, हालांकि अभी तक मेकर्स की तरफ से इसकी कोई आधिकारिक पुष्टि नहीं हुई है। हाल ही में

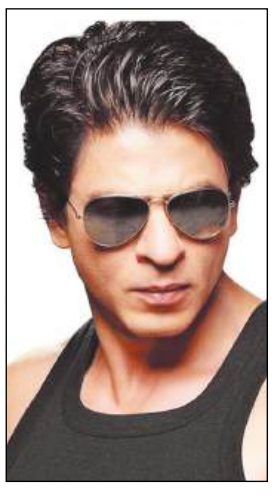

ऐसी भी खबर आई थी कि फिल्म का टीजर एक वर्चुअल इवेंट में लॉन्च किया जा सकता है, जिसमें एटली, अल्लू अर्जुन और दीपिका पादुकोण शामिल हो सकते हैं।

'राका' का पहला पोस्टर आया सामने

अल्लू अर्जुन के 44वें जन्मदिन के मौके पर मेकर्स ने 'राका' का पहला पोस्टर रिलीज किया था। इस पोस्टर में अल्लू अर्जुन का चेहरा फर के पीछे आंशिक रूप से छिपा हुआ नजर आता है, जिसमें उनके लुक को काफी वाइल्ड और दमदार दिखाया गया है। उनकी आंखें काफी पावरफुल और रहस्यमयी लग रही हैं। बताया जा रहा है कि 'राका' को 700 करोड़ रुपये से ज्यादा के बड़े बजट पर बनाया जा रहा है। इस फिल्म को सन पिक्चर्स प्रोड्यूस कर रही है। मुंबई में जल्द ही इसका अगला शूटिंग शेड्यूल शुरू होगा और पूरे साल इसकी शूटिंग जारी रह सकती है।

यदि कंटेंट में दम नहीं है तो आप ऑडियंस को खो देंगे

अली असगर उन सधे हुए कलाकारों में से है, जिन्होंने हर किरदार में जान डाली है। बात कॉमेडी की आई, तो उन्होंने ऐसी छाप छोड़ी है, जो ताउम्र दुनिया को हंसाते रहेगी। टीवी पर 'कॉमेडी सर्कस', 'जरा नचके दिखा', 'एंटरटेनमेंट के लिए कुछ भी करेगा' जैसे शोज के जरिए वह दशकों से दर्शकों का मनोरंजन कर रहे हैं।

55 साल के अली कहते हैं कि बदलते दौर के साथ अब कॉमेडी भी बदल गई है। खास बातचीत में उन्होंने कॉमेडी के बदलते स्वरूप पर दो टूक राय दी। कहा, 'जैसे-जैसे दौर बदलता है, वैसे-वैसे कॉमेडी भी बदलती है। जब 'कॉमेडी सर्कस' शुरू हुआ तो बहुत लंबा चला। लेकिन मुझे नहीं लगता कि वही चीज आज उतना चल पाएगी, क्योंकि आखिर आप कितनी चीजें क्रिएट करोगे।'

मुंबई में पैदा हुए अली असगर मानते हैं कि समय के साथ ही ऑडियंस भी जल्दी ऊब जाती है। अब दर्शकों का अटेंशन स्पैन कम हो गया है। अब इंस्टाग्राम रील्स वगैरह के कारण 15-30 सेकंड तक या ज्यादा से ज्यादा 1 मिनट तक ही आप दर्शकों को रोक सकते हैं। इसके बाद सारा दारोमदार आपके कंटेंट पर है। यदि कंटेंट में दम नहीं है, परफॉर्मेंस अच्छी नहीं है तो आप ऑडियंस को खो देंगे। जहां तक क्लीन कॉमेडी की बात है, तो दादा-दादी से लेकर बच्चों तक, पूरा परिवार एकसाथ देख सके, वह कंटेंट तो और भी मुश्किल है।

बदलते वक्त में फिल्म इंडस्ट्री के लोगों पर भी प्रेशर बढ़ा है। कई सितारे इस बारे में अपनी बात कह भी चुके हैं। अली कहते हैं, 'प्रेशर तो हर जगह है, हर फील्ड में है। सिनेमा एक्टर्स को सबसे ज्यादा प्रेशर होता है कि शुक्रवार को क्या होगा। उनके सिर पर तो करोड़ों रुपये का दांव लगा होता है। टीवी में हम एक्टर्स का इतना कुछ दांव पर नहीं होता, क्योंकि पैसा, प्रोडक्शन किसी और का है। हम तो किरदार निभाते हैं। जो कैरेक्टर हमें मिलता है, हम उसे अच्छे से निभाने की कोशिश करते हैं। लेकिन अगर वह चीज नहीं चलती है, तो उसका दोष भी हमारे ऊपर आ जाता है। कई बार फिल्म नहीं चलती है तो डायरेक्टर को कोई दोष नहीं देता है, बल्कि लोग कहते हैं कि उस कलाकार की फिल्म नहीं चली। लेकिन सच तो यह है कि यह पूरी एक टीम है, कई डिपार्टमेंट उसमें जुड़े होते हैं।'

हर कलाकार के लिए थिएटर जरूरी

अली असगर उन कलाकारों में से हैं, जो टीवी और फिल्मों के साथ ही थिएटर के मंच पर भी लगातार परफॉर्म करते हैं। हाल ही वह दिल्ली में भी रंगमंच पर 'टॉम एंड जैरी' नाम के नाटक की प्रस्तुति करते देखे गए। जब अली असगर से पूछा गया कि टीवी के दर्शक और थिएटर के दर्शकों में क्या अंतर होता है? उन्होंने जवाब दिया, 'जिस शिद्दत से हम थिएटर में परफॉर्म करते हैं, उसी शिद्दत से हमें दर्शकों की प्रतिक्रिया भी मिलती है। यहां आपको तुरंत रिस्पॉन्स मिलता है।

जैसे ही प्ले शुरू होता है, आपको ऑडियंस के साथ तुरंत रिश्ता बनाना होता है। वह रिश्ता बनाना चुनौतीपूर्ण भी है, आकर्षित भी करता है और जरूरी भी है। वहां आपको बहुत सावधान भी रहना होता है, क्योंकि कोई कट तो होता नहीं है। इसलिए मौके को देखकर ही खुद को सुधारना होता है। मैं तो सभी कलाकारों से कहूंगा कि आप लोग भी आकर थिएटर करें। यह हमारे लिए एक मेंटल एक्सरसाइज है और चैलेंजिंग भी है।'

घर की सीढ़ियों को प्लांट्स की मदद से कुछ इस तरह करें डेकोरेट हरा-भरा लगेगा घर

आज के समय में हर व्यक्ति अपने घर में प्लांट्स को जगह देने लगा है। भले ही उसका घर स्पेशियस हो या फिर छोटा, यह प्लांट्स किसी भी घर को बेहद खूबसूरत बनाते हैं। इतना ही नहीं, अमूमन लोग अपनी सुविधा व स्पेस को देखते हुए हैंगिंग गार्डनिंग से लेकर बालकनी व टेरेस में भी गार्डनिंग करना काफी पसंद करते हैं। लेकिन घर का एक एरिया ऐसा भी है, जहां पर अगर प्लांट्स लगाए जाएं तो पूरे घर का मेकओवर हो सकता है और फिर इसके बाद आपको अलग से किसी अन्य एरिया में प्लांट्स लगाने की जरूरत नहीं पड़ेगी।

यह एरिया है आपकी सीढ़ियां। घर की सीढ़ियों को अक्सर नजरअंदाज कर दिया जाता है, लेकिन वास्तव में यही सीढ़ियां आपके पूरे घर का लुक बदल सकती हैं। अगर आप इन्हें एक नेचुरल व ब्यूटीफुल टच देना चाहती हैं तो वहां पर गार्डनिंग करना एक अच्छा आईडिया है। आप सीढ़ियों पर उन प्लांट्स को लगाएं, जिन्हें सीधी धूप या बहुत अधिक रख-रखाव की आवश्यकता ना हो। तो चलिए आज इस लेख में हम जानते हैं कि आप अपने घर में सीढ़ियों को प्लांट्स की मदद से किस तरह और भी अधिक खूबसूरत बना सकती हैं-

वर्टिकल गार्डनिंग

जब सीढ़ियों पर प्लांटिंग करने की बात हो तो ऐसे में वर्टिकल गार्डनिंग करना एक अच्छा आईडिया है। यह वास्तव में काफी कम स्पेस लेता है, लेकिन इस तरह आप अपनी सीढ़ियों के एरिया को पूरी तरह से ट्रांसफॉर्म कर सकती हैं। आप कोशिश करें कि सीढ़ियों की एक साइड की दीवार पर आप वर्टिकल गार्डनिंग के लिए स्टैंड को हैंग करें और उसमें बेहद ही खूबसूरत स्मॉल साइज के पौधे लगाएं। यह देखने में बेहद ही ब्यूटीफुल लगेगा।

यूं दें एलीगेंट लुक

अगर आप अपनी सीढ़ियों को एक बेहद ही एलीगेंट तरीके से सजाना चाहती हैं तो आप पॉटेड प्लांट्स को सीढ़ियों पर रखें। खासतौर से, अगर आपकी सीढ़िया वुडन की हैं तो आप कॉन्ट्रास्टिंग कलर के एक बिग साइज पॉट को सीढ़ी पर रख सकती हैं। हालांकि, अगर आप ऐसे अपनी सीढ़ियों को सजा रही हैं तो अन्य पॉट्स को घर के किसी दूसरे कोने में प्लेस करें।

स्नेकप्लांट्स लगेंगे बेहद खूबसूरत

यह भी एक तरीका है सीढ़ियों को सजाने का। इसके लिए आप कई पॉट्स में केवल स्नेकप्लांट्स ही लगाएं। अब आप इन पॉट्स को अपनी हर सीढ़ी के उपर रखती जाएं। यह ना केवल देखने में अच्छे लगते हैं, बल्कि आपके घर की हवा को भी नेचुरली प्यूरिफाई करने में मदद करते हैं। इसके बाद आपको अलग से एयर प्यूरिफायर खरीदने की जरूरत महसूस नहीं होगी।

रेलिंग पर करें फोकस

जब आप सीढ़ियों पर गार्डनिंग कर रही हैं तो सिर्फ उसकी साइड की दीवार या स्टेप्स के साथ ही आप क्रिएटिव नहीं हो सकतीं, बल्कि रेलिंग का लुक भी बदल सकती हैं। आप मनी प्लांट्स से लेकर अन्य कई प्लांट्स को रेलिंग पर लगा सकती हैं। हालांकि, आप रेलिंग के लिए ऐसे प्लांट्स को चुनें, जिनकी लताएं नीचे की ओर बढ़ती जाएं, ताकि यह आपकी पूरी रेलिंग को कवर कर सकें और देखने में भी खूबसूरत लगे।

सीढ़ियों के नीचे का स्पेस

अगर आपकी सीढ़िया घर में कुछ इस तरह बनी हुई हैं कि उनके नीचे आपके पास काफी सारा स्पेस बचता है, तो वहां पर भी प्लांटिंग करना अच्छा आईडिया है। अगर आप चाहें तो इस एरिया में एक मिनी गार्डन तैयार कर सकती हैं। आप यहां पर तरह-तरह के खूबसूरत प्लांट्स रख सकती हैं। साथ ही कुछ पेबल्स व लाइटिंग के जरिए इस लुक को और भी खास बनाएं। यकीन मानिए, इस एरिया में जब आप कुछ फुरसत के पल बिताएंगी, तो आपको बेहद ही अच्छा लगेगा।

...अगर आपका बच्चा भी करता है बिस्तर गीला

कई बार बच्चे 1 साल से बड़े होने के बाद भी बिस्तर पर ही पेशाब कर देते है। अक्स पेरेंट्स बच्चे की इस आदत को लेकर परेशान रहते है लेकिन बच्चे का बार-बार ऐसा करना किसी परेशानी के कारण भी हो सकता है। कई बार तो बच्चे रात में डर के कारण बिस्तर गीला कर देते है लेकिन इसके अलावा बच्चे यूरिन इंफेक्शन, तनाव, पुरानी कब्ज या असंतुलित हार्मोन के कारण ऐसा करते है।

अगर आपका बच्चा भी ऐसा कर रहा है तो इससे आपको परेशान होने की जरुरत नहीं। इस समस्या को आप कुछ असरदार घरेलू नुस्खे से दूर कर सकते हैं। आइए जानते है किन उपायों द्वारा बच्चे की इस परेशानी को दूर किया जा सकता है।

बच्चों को बार-बार यूरिन आने के कारण

- ब्लैडर में इंफेक्शन
- ब्लड शुगर के कारण
- प्रॉस्टेट ग्रंथि में यूरिन का बढ़ना
- ज्यादा कॉफी या चाय का सेवन
- पेट में कीड़े की समस्या
- मूत्राशय में पेशाब जमा करने की क्षमता कम होना

इसके घरेलू उपचार

अखरोट
2 अखरोट और 20 किशमिश को पीसकर चूर्ण बना लें। 3 हफ्ते तक बच्चे को इसका सेवन कराने से यह समस्या दूर हो जाएगी।

पिस्ता
5 काली मिर्च, 3 पिस्ता और मिनका पीस लें। दिन में दो बार बच्चे को यह चूर्ण खिलाने से उसकी यह परेशानी दूर हो जाएगी।

काले तिल
50 ग्राम काले तिल, 25 ग्राम अजवाइन और 100 ग्राम गुड़ को मिलाकर 8-8 ग्राम के लड्डू बना लें। बच्चे को रोजाना सुबह-शाम 1 लड्डू खिलाने से उसकी पेशाब की बीमारी ठीक हो जाएगी।

शहद का सेवन
रोजाना रात को सोने से पहले बच्चे को नियमित रूप से शहद चटा दें। कुख हफ्तों में ही बच्चे को बार-बार यूरिन आने की परेशानी से छुटकारा मिल जाएगा।

अजवाइन
1 चम्मच अजवाइन में नमक मिलाकर बच्चें को गर्म पानी से सात खिला दें। दिन में 2 बार इसका सेवन बार-बार यूरिन आने की समस्या से निजात दिलाता है।

बच्चे को घर की बनी चीजें खाने की आदत डालें

बच्चे और हैल्दी फूड तो मानों एक दूसरे से मेल ही नहीं खाते लेकिन बच्चों के विकास के लिए संतुलित भोजन बहुत जरूरी है। इससे न सिर्फ शारीरिक विकास होता है बल्कि भविष्य के लिए भी खाने की अच्छी आदतें फायदेमंद साबित होती हैं। जंक फूड, पिज्जा,बर्गर, चिप्स आदि बच्चे बहुत चाव से खाते हैं लेकिन खाने में ये टेस्टी तो होते हैं लेकिन सेहत को फायदे की जगह नुकसान पहुंचाने का काम करते हैं। जो आने वाले समय में मोटापा,डायबिटिज,हाई बीपी, स्ट्रोक,दिल की बीमारियां आदि होने का कारण बनते हैं। शुरू से ही अगर बच्चे को घर की बनी चीजें खाने की आदत डाल दी जाए तो उसके लिए बहुत अच्छा होगा।

बताएं हैल्दी चीजों का महत्व

बच्चे में अनुशासन,पढ़ाई के साथ-साथ खाने की अच्छी आदतों का होना भी बहुत जरूरी है। उन्हें बताएं कि घर का बना खाना खाना आपके लिए कितना अच्छा है। बाहर का खाना न तो हैल्दी होता है और न ही साफ-सुथरा। कभी-कभी बच्चों को उनकी पसंद का खाना घर पर ही बना कर खिलाएं।

एक जगह बिठा कर करवाएं भोजन

ज्यादातर बच्चों को खाना खाते समय घूमने की आदत होती है जो एक गलत आदत है। बच्चे को रोजाना एक ही जगह पर बिठा कर खाना खिलाएं और बार-बार की बजाए एक ही बार में खाना खाने को कहें लेकिन जबरदस्ती न करें।

टेस्ट में करें बदलाव

एक ही तरह का खाना खाकर बच्चे बोर हो जाते हैं, खाना का टेस्ट बरकरार रखने के लिए उनके डाइट प्लान में कभी स्नैक्स, जूस, सूप, फ्रूट सलाद आदि के साथ खाने में ट्विस्ट लाएं।

कामकाजी महिला हैं तो इस तरह रहें बच्चे के करीब

औरतों को घर और ऑफिस के काम एक साथ संभालने का हुनर बहुत अच्छी तरह से आता है। कई बार समय की कमी के कारण वह अपने बच्चों को उतना समय नहीं दे पाती, जितना कि उसके बच्चों को मां के साथ की जरूरत होती है।

बच्चों के साथ समय बिताकर आप उनके दिल की बातों को अच्छी तरह से जान सकते हैं लेकिन आप भी काम के तनाव की वजह से परेशान हैं और बच्चों के कटी-कटी रहती हैं तो कुछ स्मार्ट टिप्स आपके काम आ सकते हैं जो बच्चे के साथ आपके रिश्तों के पहले से भी ज्यादा मजबूत बना देंगे।

बच्चों से करें दिनभर की बातें

रात को आपके पास परिवार के साथ समय बिताने के सबसे अच्छा बहाना होता है। डिनर के समय पति और बच्चों के साथ ही खाना खाएं। दिन भर की बातें परिवार के साथ शेयर करें और उनकी बातें सुनें। इससे बच्चों का आपके साथ प्यार बढ़ेगा और वह आपसे बातें करने के लिए बेताब रहेगा।

काम में लें बच्चों की मदद

बच्चे तब बहुत खुश होते हैं जब आप उनसे किसी बात के लिए मदद मांगते हैं। कभी-कभी प्यार से बच्चे को आपकी मदद करने के लिए कहें जैसे खाना बनकर तैयार है तो उसे डाइनिंग टेबल सजाने के लिए कह सकते हैं। उसकी पसंद की डिश बना रही हैं तो उससे परोसने के लिए मदद ली जा सकती है।

मस्ती भी जरूरी

बच्चों के करीब आने के लिए उनके साथ कभी-कभी खुद भी बच्चे बनना पड़ता है। आप परिवार के साथ कुछ ऐसे गेम्स खेल सकते हैं जिसे बच्चे पूरी तरह से एंज्वाय भी करें और उन्हें कुछ सीखने के लिए भी मिले। जैसे हॉट सीट, पर्ची पर सारे सदस्यों का नाम लिखें, जिसके नाम की पर्ची निकले वह हॉट सीट पर बैठे और बाकी के सदस्य उससे सवाल पूछें। जो सबसे ज्यादा सही जवाब दे उसे शॉपिंग या पिंकनिक का गिफ्ट दिया जा सकता है।

जुड़वां बच्चे होने पर दिखते हैं ये लक्षण!

प्रैग्नेंसी हर महिला की जिंदगी का सबसे अहम पल होता हैं। जब किसी औरत को मां बनने की खुशी मिलती है तो उसके साथ पूरा परिवार खुश हो उठता है। हर औरत के मन में सबसे पहला सवाल उठता है कि उसका होने वाला बच्चा कैसा होगा, वहीं अगर गर्भ में जुड़वां बच्चों के पलने की खबर मिल जाए तो खुशी दोगुणा बढ़ जाती है। जुड़वा बच्चों के होने पर गर्भवती महिला के शरीर में कुछ लक्षण दिखाई देते है, जिनके बारे में अक्सर महिलाओं को नहीं पता होता। आज हम आपको उन्ही लक्षणों के बारे में बताने जा रहे है, जिनसे पता जलता है कि गर्भ में जुड़वा बच्चे पल रहे है।

मॉर्निंग सिकनेस

गर्भवती महिला को मॉर्निंग सिक्नेस रहना भी एक संकेत हो सकता है। 50 प्रतिशत से अधिक महिलाओं को गर्भावस्था के प्रारंभिक चरण में ही मतली और जी मिचलाना महसूस हो सकती है। जिन गर्भवती महिलाओं को जुड़वा बेबी होने वाले होते है उन्होंने बाकी गर्भवती महिलाओं की तुलना में अधिक मार्निंग सिक्नेस रहती है।

ब्लीडिंग और स्पॉटिंग

जिस महिला को जुड़वा होने वाली होती है, उन्हें स्पॉटिंग और ब्लीडिंग अधिक होती है। यदि ब्लीडिंग के साथ बुखार और लाल खून के धब्बे पड़ रहे है तो इसमें डरने की कोई बात नहीं है क्योंकि यह जुड़वा बच्चों की निशानी हो सकती है।

वजन बढ़ना

अगर वजन सामान्य गर्भावस्था की तुलना से अधिक है तो भी जुड़वां बच्चे होने का संकेत हो सकता है। एक औसत गर्भावस्था में सामान्य वजन 25 पाउंड होता है, जबकि जुड़वां गर्भावस्था में वजन 30 से 35 पुंड के बीच होता है।

अधिक भूख लगना

जुड़वां बेबी होने पर गर्भवती महिला को अधिक भूख लगती है। इसलिए जब आपको साथ भी ऐसा हो तो एक बार डॉक्टर से सलाह जरूर लें क्योंकि यह कोई और बात भी हो सकती है।

पेट में दर्द होना

जुड़वां गर्भवती महिला के सामान्य से ज्यादा पेट में दर्द रहने लगता है यह दर्द शरीर को अधिक वजन होने के कारण भी हो सकता है। इसलिए इस बात के बारे में एक बार डॉक्टर से जरूर बात करें।

बच्चों के मां-बाप नहीं दोस्त बनें

हर मां- बाप चाहते हैं कि उनकी बेटियां पढ़ लिखकर जिंदगी में कामयाब बने। बेटियों को आगे बढ़ाने के लिए पेरेंट्स उन्हें घर से बाहर दूसरे शहरों में भी पढ़ने के लिए भेजते हैं लेकिन दिन-प्रतिदिन लड़कियों के खिलाफ बढ़ते अपराध को देखकर कुछ मां- बाप अच्छी नौकरी या पढ़ाई के लिए उन्हें बाहर भेजने से डरने लगे हैं। उन्हें हर पल यही फिक्र सताती है कि उनकी बच्ची सही सलामत है या नहीं। अगर आपके घर में लड़किया हैं और वह पढ़ाई करने, नौकरी करने या किसी अन्य काम से रोजाना घर से बाहर जाती हैं या घर से दूर कहीं बाहर रहती हैं। तो माता- पिता होने के नाते आपको कुछ सावधानियां बरतने की खास जरूरत है ताकि वह हर छोटी से छोटी बात भी आपसे शेयर कर सके। तो आइए जानते हैं उन बातों के बारे में जो आपकी बच्ची को घर के बाहर भी सुरक्षित रख सकती हैं।

मोबाइल भी जरूरी

कुछ मां- बाप की सोच है कि मोबाइल फोन से बच्चों पर बुरा प्रभाव पड़ता है। वह पढ़ना-लिखना छोड़ देंगे और पूरा दिन सिर्फ मोबाइल फोन पर ही लगे रहेंगे लेकिन बेटियों के पास मोबाइल फोन होना जरूरी है। वह कहीं बाहर गई हो और घर वापसी में लेट हो जाए तो आपको फोन करके बता सकती हैं। इसके अलावा अगर कभी कोई मुसीबत आती है तब भी वह आपको फोन कर सकती हैं। बच्चों का दोस्त बनना बहुत जरूरी है अगर आप उनके साथ दोस्तों जैसा व्यवहार करेंगे तो वह खुल कर आप से हर बात शेयर कर पाएंगे। जब आपको उसके बारे में हर बात पता होगी तो आप अपनी बच्ची को परेशानियों से बचा सकते हैं।

थोड़ी दूरी भी बनाएं

बच्चों को स्पेस देना भी जरूरी है हर वक्त उनके पीछे परछाई की तरह लगने रहने से वह परेशान हो जाएगी। इससे आपका बच्चा धीरे-धीरे आप से दूर होता चला जाएगा और कभी आप पर भी भरोसा नहीं करेगा। खुद का भरोसा बच्चे पर बनाने के लिए कुछ समय उसे अकेले भी समय बिताने का मौका दें ताकि उन्हें पता चल सके कि क्या सही है और क्या गलत।

दोस्तों की जानकारी

आपको उनके दोस्तों के बारे में पता होना जरूरी है वह पूरा दिन कौन से दोस्तों के साथ रहती है इस बात की पूरी जानकारी होनी चाहिए। इस बात को सुनिश्चित करें की उसकी संगत अच्छी हो। अपने बच्चे ही नहीं बल्कि उनके दोस्तों से भी दोस्ती बनाएं।

आत्मरक्षा के तरीके

बेटियों को आत्मरक्षा करने के लिए तरीके बताएं। आजकल तो बहुत से स्कूलों और कॉलजों में बच्चों को कराटे और बहुत-से ऐसे टिप्स बताए जाते है जिनसे वह अकेली होने पर अपनी रक्षा कर सके। लड़कियों को कभी भी कमजोर या अकेला महसूस न होने दें।

अपनी राय न थोपें

बच्चों को अच्छी बुरी के बातों के बीच फर्क बताना जरूरी है लेकिन उन पर अपनी राय थोपना गलत है। जब आप उनकी हर बात पर अपनी राय थोपेंगे तो वह बहुत-सी बातों को आप छीपाएगी। जो उसके लिए बाद में परेशानियां खड़ी कर सकती हैं।